@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरुवार 26 जून 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 226 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

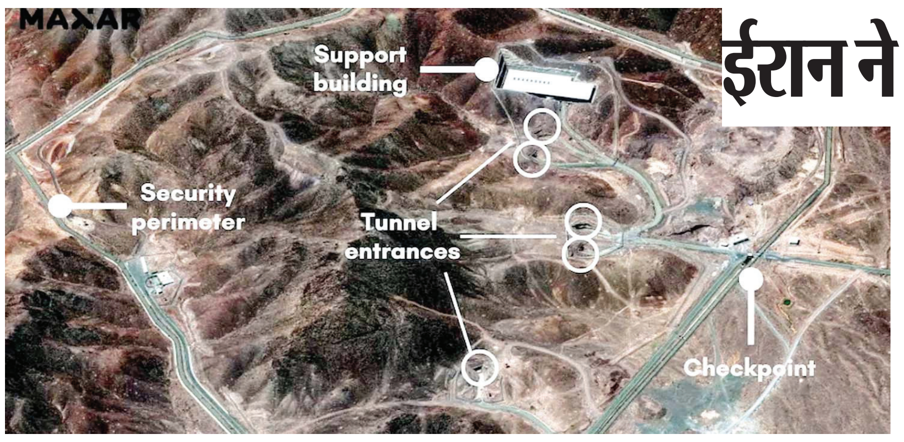

ईरान ने माना, अमेरिकी हमलों में परमाणु ठिकानों को हुआ खासा नुकसान

तेहरान (एजेंसी)। ईरान द्वारा यह कहे जाने के कुछ दिनों बाद कि अमेरिका द्वारा उसके परमाणु प्रतिष्ठानों पर किए गए हमलों के बाद रेडियोधर्मी संदूषण के कोई संकेत नहीं मिले हैं, तेहरान ने बुधवार को स्वीकार किया कि उसके परमाणु स्थल ÷बुरी तरह क्षतिग्रस्त÷ हुए हैं और उसने वाशिंगटन से मुआवज़ा मांगा है। 21 जून को अमेरिका ने 12-दिवसीय संघर्ष के दौरान ईरान पर अपने हमलों में इज़राइल का साथ दिया और फ़ोरडो, नतांज़ और इस्फ़हान में इस्लामिक गणराज्य के प्रमुख परमाणु स्थलों पर बमबारी की। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि उनके देश के परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमलों से काफी नुकसान हुआ है।

अल जजीरा ने बघेई के हवाले से कहा कि हमारे परमाणु प्रतिष्ठानों को बुरी तरह से नुकसान पहुंचा है, यह निश्चित है। लेबनानी समाचार एजेंसी को दिए साक्षात्कार में ईरान के उप विदेश मंत्री सईद खतीबजादेह ने ईरान की परमाणु सुविधाओं को हुए नुकसान के लिए अमेरिका से मुआवजे की मांग की तथा संयुक्त राष्ट्र में शिकायत दर्ज कराने की धमकी दी। वाशिंगटन को ईरान की सुविधाओं को हुए नुकसान के लिए मुआवज़ा देना होगा अन्यथा तेहरान इस मामले पर संयुक्त राष्ट्र में शिकायत दर्ज कराएगा। अमेरिकी कंपनी मैक्सार टेक्नोलॉजीज द्वारा जारी उपग्रह चित्रों में नतांज और इस्फ़हान में ईरान की परमाणु सुविधाओं को उल्लेखनीय क्षति दिखाई गई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान फिर से न्यूक्लियर प्रोग्राम शुरू करने की कोशिश करता है, तो उसके ऊपर फिर से एयरस्ट्राइक होगा। मीडिया ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सवाल किया कि अगर ईरान यूरेनियम को समृद्ध करता है, तो क्या अमेरिका फिर से तेहरान पर हमला करेगा। इसपर राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि बिल्कुल, अभी वे किसी भी चीज को समृद्ध नहीं करना चाहते हैं। वे ठीक होना चाहते हैं। उनके पास बम नहीं होगा और वे समृद्ध नहीं होने जा रहे हैं। मुझे लगता है कि ईरान के साथ हमारे संबंध कुछ हद तक ठीक हो जाएंगे।

सीबीएसई ने लिया बड़ा फैसला, 2026 से साल में 2 बार होंगी 10वीं बोर्ड परीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीएसई कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में 2026 से बड़ा बदलाव होने जा रहा है, जिसके तहत छात्र एक ही शैक्षणिक वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा दे सकेंगे। इस कदम का उद्देश्य 'उच्च दांव' पहलू को कम करना, परीक्षा के दबाव को कम करना और छात्रों को पूरे साल इंतजार किए बिना अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का मौका देना है। नई योजना के तहत, प्रत्येक छात्र को फरवरी के मध्य में होने वाली पहली परीक्षा में शामिल होना होगा, जबकि अपने अंकों में सुधार करने या तीन विषयों में कम अंक पाने वाले छात्र मई में होने वाली दूसरी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

फरवरी में होने वाले पहले चरण की परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य होगा- अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मई में होने वाला दूसरा चरण उन छात्रों के लिए वैकल्पिक होगा जो अपना प्रदर्शन सुधारना चाहते हैं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं कक्षा के लिए वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के मानदंडों को मंजूरी दे दी है, जिसकी नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में अनुशंसा की गई है।

दूसरा चरण मई में आयोजित किया जाएगा- सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा, ''पहला चरण फरवरी में और दूसरा मई में आयोजित किया जाएगा। दोनों चरणों के परिणाम क्रमश: अप्रैल और जून में घोषित किए जाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''छात्रों के लिए पहले चरण में शामिल होना अनिवार्य होगा, जबकि दूसरा चरण वैकल्पिक होगा। छात्रों को विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किसी भी तीन विषयों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का मौका मिल सकेगा।''

अब सरकारी स्कूलों में पढ़ना पड़ेगी ममता की लिखी किताबें, गरमा गई सियासत

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को अब राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा लिखी गई किताबों को पढ़ना पड़ेगा। इस आशय के जारी आदेश में कहा गय है कि सभी सरकारी स्कूलों को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा लिखी गई 19 किताबें रखीं जाऐं। ने के लिए कहा गया है। ये किताबें हर स्कूल में खरीदी जानी जरूरी है। इस आदेश के बाद एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। स्कूल शिक्षा आयुक्त ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि पुस्तकालयों में 515 किताबें रखी जाएं। इन किताबों में मुख्यमंत्री बनर्जी द्वारा लिखी गई 19 किताबें भी शामिल हैं। भाजपा की सूचना प्रौद्योगिकी सेल के प्रमुख और पश्चिम बंगाल के लिए पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक अमित मालवीय ने इस घटना पर राज्य सरकार का मज़ाक उड़ाया है। उन्होंने दावा किया है कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में स्कूली बच्चों को भी घोटाले से नहीं बख्शा जा रहा है। मालवीय ने एक बयान में कहा कि एक और दिन, तृणमूल कांग्रेस का एक और घोटाला! ममता बनर्जी के बंगाल में, स्कूली बच्चों को भी भ्रष्टाचार से नहीं बख्शा जा रहा है। एक अजीब और शर्मनाक कदम में, पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों को 1 लाख रुपये का अनुदान पाने के लिए ममता बनर्जी की लिखी गई 19 किताबें खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। हां, आपने सही पढ़ा - सार्वजनिक धन, जिसका उपयोग बुनियादी ढांचे और शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए किया जाना चाहिए, अब मुख्यमंत्री की व्यर्थ परियोजनाओं के विपणन के लिए उपयोग किया जा रहा है।

देश में कोरोना के सक्रिय मामले चार हजार से नीचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पिछले कुछ दिनों से कोरोना के सक्रिय मामलों में लगातार कमी आने के साथ बुधवार को इनकी संख्या घटकर चार हजार से नीचे 3797 रह गयी और इस वायरस के संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या 127 पर स्थिर है।

राहत की बात यह है कि पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण से 698 मरीज स्वस्थ्य होने के साथ इससे निजात पाने वालों की कुल संख्या 22333 पहुंच गयी। इस वायरस के संक्रमण से पिछले 24 घंटों के दौरान किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई और मृतकों का आंकड़ा 127 पर स्थिर रहा।

गौरतलब है कि देश में कोरोना के नये वेरिएंट के कारण इस वर्ष की शुरुआत से इसके मामले सामने आने लगे थे और 22 मई को सिर्फ़ 257 मामले सक्रिय थे, लेकिन इसके बाद इसमें वृद्धि देखी गयी।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के सक्रिय मामलों में 292 की कमी दर्ज की गयी। दूसरी ओर इस वायरस के संक्रमण से 698 मरीज स्वस्थ हुए हैं।

ऐतिहासिक एक्सिओम-4 मिशन आईआईएस रवाना

चेन्नई (एजेंसी)। अरबों लोगों की उम्मीदों और सपनों वाला एक्सिओम मिशन-4 भारतीय यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और चालक दल के तीन अन्य सदस्यों को लेकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए दिन में 12 बजकर एक मिनट पर कैनेडी स्पेस सेंटर से रवाना हुआ। यह मिशन 14 दिन की अवधि का है1

यह मिशन 28 घंटों की यात्रा के बाद कल सुबह सात बजे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर उतरेगा। मिशन में भारत, हंगरी, अमेरिका और पौलेंड के यात्री शामिल हैं।

इस मिशन के पायलट शुभांशु शुक्ला हैं और मिशन का नेतृत्व कमांडर पैगी व्हिटसन कर रही हैं। हंगरी के अंतरिक्ष यात्री टिबोर कपू तथा पौलेंड के स्लावोज उज्नान्सकी-विस्नीवस्की मिशन विशेषज्ञ हैं।

नासा के सहयोग से यह ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित मिशन भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया मील का पत्थर साबित होगा जो नए क्षितिज की खोज के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा क्योंकि यह भारत के तीन बेहद सफल चंद्र मिशनों और स्पैडेक्स प्रायोगिक डॉकिंग मिशन की पृष्ठभूमि में आता है। इसने अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत को अंतरिक्ष में डॉकिंग और अनडॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करने वाला चौथा देश बनने में सक्षम बनाया।

'एक्सओम' मिशन भारत के पहले मानव अंतरिक्ष यान मिशन, गगनयान के लिए महत्वपूर्ण होगा, जिसे मानव रहित मिशनों के परीक्षण के बाद एक या दो साल बाद निर्धारित किया गया है। भारत ने वर्ष 2040 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

इस मिशन की पहली उड़ान 29 मई को उड़ान निर्धारित थी लेकिन प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों, एलओएक्स लीक और आईएसएस में मरम्मत कार्यों सहित विभिन्न कारणों से छह बार इसका प्रक्षेपण टला लेकिन आज इसने आखिरकार लॉन्च पैड से शानदार तरीके से उड़ान भरी।

चुनाव आयोग ने प्रशांत किशोर की पार्टी को आवंटित किया सिंबल

-'स्कूल बैग' के निशान पर चुनाव लड़ेंगे सभी 243 प्रत्याशी

पटना (एजेंसी)। भारत के चुनाव आयोग ने बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले जन सुराज पार्टी को आधिकारिक तौर पर ÷स्कूल बैग÷ चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिया है। पार्टी के सभी 243 उम्मीदवार अब इसी नए चिन्ह के तहत चुनाव लड़ेंगे। यह घटनाक्रम राजनीतिक रणनीतिकार से कार्यकर्ता बने प्रशांत किशोर द्वारा 2 अक्टूबर, 2024 को अपने राजनीतिक संगठन जन सुराज पार्टी के शुभारंभ की घोषणा के आठ महीने बाद हुआ है। पार्टी का शुभारंभ राज्य की राजधानी के वेटनरी कॉलेज ग्राउंड में कई प्रसिद्ध हस्तियों की मौजूदगी में किया गया।

पार्टी की शुरुआत किशोर द्वारा चंपारण से राज्य की 3,000 किलोमीटर से अधिक लंबी 'पदयात्रा' शुरू करने के ठीक दो साल बाद हुई थी, जहाँ महात्मा गांधी ने देश में पहला सत्याग्रह शुरू किया था, जिसका उद्देश्य लोगों को एक 'नए राजनीतिक विकल्प' के लिए संगठित करना था जो बिहार को उसके पुराने पिछड़ेपन से निजात दिला सके।

पूर्व भाजपा सांसद को जन सुराज पार्टी का पहला राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया

पिछले महीने किशोर ने घोषणा की थी कि पूर्व भाजपा सांसद उदय सिंह को सर्वसम्मति से पार्टी का पहला राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है।

पद की गरिमा घटाने वाले मोदी करते हैं आपातकाल की बात : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए कहा है कि उन्होंने प्रधानमंत्री पद की गरिमा घटाई है और देश के संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं और अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संविधान बचाओ अभियान की लोकप्रियता से घबराकर आपातकाल की बात कर अपनी सरकार की विफलता को छिपाने का प्रयास कर रहे हैं।

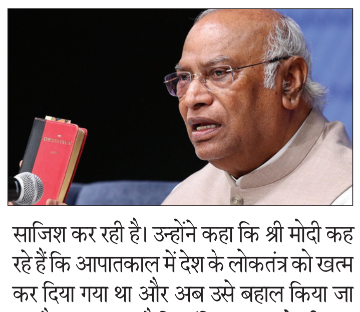

श्री खरगे ने बुधवार को यहां पार्टी के नये मुख्यालय इंदिरा भवन में विशेष संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री मोदी देश में संघवाद की बात कर सभी राज्यों के साथ समानता की बात करते हैं, लेकिन सच यह है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और गैर-भाजपा शासित राज्यों के प्रति उनका नजरिया भिन्न-भिन्न होता है। श्री मोदी और उनकी सरकार संविधान और लोकतंत्र की सुरक्षा करने में असफल रही है और विपक्ष के साथ जबरदस्त भेदभाव कर देश को बर्बाद करने का काम कर रही है। उनका कहना था कि जब पूरा देश पहलगाम हमले के बाद एकजुट था और कांग्रेस सहित सारे विपक्ष ने सरकार के हर फैसले में उसका साथ दिया तो जवाब में मोदी सरकार जनता और लोकतंत्र के हितों को महत्व देने की बजाय आपातकाल की बात कर विपक्ष के खिलाफ साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी कह रहे हैं कि आपातकाल में देश के लोकतंत्र को खत्म कर दिया गया था और अब उसे बहाल किया जा रहा है। कमाल यह है कि संविधान बचाने की बात वे कर रहे हैं जिनका देश की आजादी के आंदोलन और संविधान निर्माण में कोई योगदान नहीं रहा। जिन लोगों ने इस संविधान को बनाने में सहयोग नहीं दिया, हमेशा संविधान के खिलाफ बात करते रहे, जिस संविधान को बाबा साहेब अंबेडकर, पंडित जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी और संविधान सभा ने तैयार किया उसे आरएसएस के लोगों ने रामलीला मैदान में जलाया और बाबा साहेब अंबेडकर, नेहरू जी और गांधी जी का पुतला फूंका था। आरएसएस के लोगों का कहना था कि जो संविधान बाबा साहेब अंबेडकर जी ने बनाया है, उसमें उनकी पारंपरिक संस्कृति और मनुस्मृति के अंश नहीं हैं इसलिए उस संविधान को नहीं मानेंगे।

आपातकाल के 50 साल पर पीएम मोदी ने याद किया वो काला इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इमरजेंसी के 50 साल पूरा होने पर लोकतंत्र के इतिहास के काले अध्याय को याद किया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिलसिलेवार ट्वीट किया। मोदी ने लिखा कि आज भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक, आपातकाल लागू होने के पचास साल पूरे हो गए हैं। पीएम मोदी ने लिखा कि जब आपातकाल लगाया गया था, तब मैं आरएसएस का युवा प्रचारक था। आपातकाल विरोधी आंदोलन मेरे लिए सीखने का एक अनुभव था। इसने हमारे लोकतांत्रिक ढांचे को बचाए रखने की अहमियत को फिर से पुष्ट किया। साथ ही, मुझे राजनीतिक स्पेक्ट्रम के सभी लोगों से बहुत कुछ सीखने को मिला। पीएम ने लिखा कि मुझे खुशी है कि ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन ने उन अनुभवों में से कुछ को एक किताब के रूप में संकलित किया है, जिसकी

प्रस्तावना एचडी देवेगौड़ा जी ने लिखी है, जो खुद आपातकाल विरोधी आंदोलन के एक दिग्गज थे।भारत के लोग इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं। उन्होंने कहा कि इस दिन, भारतीय संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार कर दिया गया, मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म कर दिया गया और कई राजनीतिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और आम नागरिकों को जेल में डाल दिया गया। ऐसा लग रहा था जैसे उस समय सत्ताधारी कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र को बंधक बना लिया था।

सोशल मीडिया पर शेयर करें अनुभव

पीएम ने कहा कि 'द इमरजेंसी डायरीज' में आपातकाल के वर्षों के दौरान मेरी यात्रा का वर्णन है। इसने उस समय की कई यादें ताज़ा कर दीं। मैं उन सभी लोगों से अपील करता हूं जो आपातकाल के उन काले दिनों को याद करते हैं या जिनके परिवारों ने उस दौरान कष्ट झेले हैं, वे अपने अनुभवों को सोशल मीडिया पर साझा करें। इससे युवाओं में 1975 से 1977 तक के शर्मनाक समय के बारे में जागरूकता पैदा होगी। पीएम ने लिखा कि हम आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वाले हर व्यक्ति को सलाम करते हैं! ये पूरे भारत से, हर क्षेत्र से, अलग-अलग विचारधाराओं से आए लोग थे जिन्होंने एक ही उद्देश्य से एक-दूसरे के साथ मिलकर काम किया। भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और उन आदर्शों को बनाए रखना जिनके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री ने आगे लिखा कि यह उनका सामूहिक संघर्ष था जिसने यह सुनिश्चित किया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार को लोकतंत्र बहाल करना पड़ा और नए चुनाव कराने पड़े, जिसमें वे बुरी तरह हार गए।

कश्मीर से लेकर केरल तक बारिश ही बारिश, हिमाचल में तबाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कश्मीर से लेकर केरल तक बारिश भरपूर बरस रही है। हिमाचल के कसोल में जल प्रलय आ गया है। पानी के तेज बहाव में गाड़ियां बह गईं हैं, कई सैलानी लापता बताये जा रहे हैं। वहीं राजस्थान के पूर्वी भागों में मानसून की तेज बारिश का दौर जारी है और बीते चौबीस घंटे में सबसे अधिक 190 मिलीमीटर बारिश बांसवाड़ा के सल्लोपट में हुई है। मौसम विभाग का कहना है कि राज्य के पूर्वी भागों में बारिश की गतिविधियां आगामी एक सप्ताह जारी रहने व कहीं-कहीं भारी बारिश होने की पूरी संभावना है।

जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में हुई बारिश के कारण जलस्तर अचानक बढ़ जाने के बाद तवी नदी में फंसे नौ लोगों को बुधवार को पुलिस और एसडीआरएफ की टीमों के संयुक्त अभियान में बचा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण बुधवार सुबह जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीन घंटे से अधिक समय तक यातायात बाधित रहा, जबकि राजौरी जिले में एक नदी के उफान पर होने से कुछ वाहन भी बह गए।

केरल के वायनाड के मुंडक्कई-चूरलमाला क्षेत्र में पिछले 24 घंटे से हो रही भारी बारिश के कारण फिर से बाढ़ और भूस्खलन की आशंका पैदा हो गई है, जबकि ठीक एक साल पहले यहां भीषण भूस्खलन में 200 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। जिला अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि चूरलमाला नदी उफान पर है और कीचड़ युक्त पानी तेजी से बह रहा है तथा बेली ब्रिज के पास नदी के तटीय क्षेत्रों में कटाव हो रहा है। नदी के दोनों किनारों पर मरम्मत कार्य के लिए जमा की गई मिट्टी बह गई है, जिससे अट्टामाला रोड और आस-पास के इलाकों में पानी भर गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्हें लगता है कि पर्वतीय क्षेत्रों में खास तौर पर पुंचिरीमट्टम के पास के जंगली इलाकों में हालिया भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि पश्चिम बंगाल-ओडिशा तट पर बनने वाले कम दबाव के क्षेत्र के प्रभाव से अगले तीन दिनों के दौरान अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा तथा दक्षिण बंगाल के कुछ जिलों में भारी वर्षा होने की संभावना है। विभाग ने कहा कि अनुकूल हवा के रुख और बंगाल की खाड़ी से नमी आने के कारण 27 से 30 जून तक उत्तर बंगाल के कुछ जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि दक्षिण बंगाल में पुरुलिया, बांकुरा, पश्चिम बर्दवान, पूर्व और पश्चिम मिदनापुर, झाड़ग्राम, दक्षिण 24 परगना जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग ने कहा कि 28 जून को उत्तर बंगाल के जिलों दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, कूचबिहार, उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर में भारी बारिश होने की संभावना है तथा जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार में एक-दो स्थानों पर बहुत भारी बारिश हो सकती है।

इसके अनुसार, पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भी आगामी दिनों में बादलों की गरज के साथ बारिश होगी। वहीं बीकानेर, जोधपुर संभाग में 26 से 29 जून के दौरान बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने और कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है।

उत्तराखंड के ऋषिकेश में अत्यधिक बारिश के कारण गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने और भारी मात्रा में गाद आने से मुनि की रेती क्षेत्र में 'रिवर राफ्टिंग अस्थाई रूप से बंद कर दी गयी है। टिहरी के जिला पर्यटन विकास अधिकारी जसपाल चौहान ने बुधवार को बताया कि पर्यटकों की सुरक्षा को देखते हुए मुनि की रेती क्षेत्र में 24 जून से गंगा नदी में 'रिवर राफ्टिंग को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। उत्तराखंड के हल्द्वानी में भारी बारिश के दौरान एक अनियंत्रित कार के नहर में गिरने से एक

नवजात शिशु समेत परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गयी और तीन अन्य लोग घायल हो गए।

इसी तरह हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जि़लि की सैंज घाटी में बादल फटने की घटना सामने आई है। इस घटना के बाद इलाके में जीवा नाले में तेज़ सैलाब आ गया, जिससे आसपास के क्षेत्रों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। स्थानीय प्रशासन के अनुसार पार्वती नदी भी उफान पर है। हालांकि अब तक किसी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है, लेकिन एहतियातन लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान ने सिंध में नए तेल और गैस भंडार की खोज की, जमीन के 4 हजार मीटर नीचे मिला

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की सरकारी कंपनी ऑयल एंड गैस डेवलपमेंट कंपनी (ओजीडीसीएल) ने सिंध प्रांत में एक नया तेल और गैस भंडार खोजा है। कंपनी ने इस महीने की शुरुआत में खारो के फकीर-1 कुएं में यह खोज की। ये भंडार जमीन के 4 हजार मीटर नीचे मिली है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान में और भी छुपे गैस भंडार मौजूद हो सकते हैं। पिछले साल ने ऐसी ही दो बड़े तेल और गैस भंडार खोजे थे। फिलहाल वेनेजुएला के पास दुनिया में सबसे बड़े तेल भंडार हैं, इसके बाद सऊदी अरब है।

रूस ने यूक्रेन के कीव में ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया, 5 लोगों की मौत

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की राजधानी कीव पर सोमवार तड़के रूस ने ड्रोन और मिसाइल से हमला किया। इसमें 5 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। अब तक 10 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। यूक्रेनी इमरजेंसी सर्विस के अनुसार, हमला एक अपार्टमेंट बिल्डिंग पर हुआ जिससे उसकी पांच मंजिलों में से एक गिर गई। राहत और बचाव दल मलबे के नीचे फंसे लोगों को निकालने में जुटे हैं। हमले में कीव के कई इलाकों में रिहायशी इमारतों, अस्पतालों और खेल केंद्रों को नुकसान हुआ है। सबसे ज्यादा तबाही शेवचेनकिवस्की जिले में हुई। इसके अलावा कीव से करीब 85 किलोमीटर दूर बिला त्सेरक्वा शहर में भी एक व्यक्ति की मौत हो गई और 8 लोग घायल हो गए।

फ्रांस में हमलावरों ने दुल्हा-दुल्हन पर गोली चलाई; दुल्हन की मौत, दुल्हा घायल

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के एक छोटे से गांव गौल्ट में शादी के दौरान कुछ नकाबपोश हमलावरों ने दूल्हा-दुल्हन पर गोलियां चला दीं। इस हमले में दुल्हन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूल्हा और एक 13 साल का बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। एक हमलावर भी इस फायरिंग में मारा गया। पुलिस का कहना है कि बाकी हमलावर मौके से भाग निकले हैं और उनकी तलाश जारी है। यह घटना रविवार सुबह करीब 4:30 बजे (फ्रांस का समय) हुई, जब 27 साल की दुल्हन और 25 साल का दूल्हा शादी के समारोह से बाहर निकल रहे थे। तभी कुछ लोग तीन गाड़ियों में आए और फायरिंग शुरू कर दी। घटना के समय शादी हॉल में 28 लोग मौजूद थे। पुलिस को शक है कि यह हमला नशे के कारोबार से जुड़ी पुरानी दुश्मनी के कारण हुआ है।

इराक के ताजी सैन्य अड्डे पर ड्रोन हमला

बगदाद, एजेंसी। बगदाद के उत्तर में इराक के ताजी सैन्य अड्डे को निशाना बनाकर ड्रोन हमला किया गया। इराक के लेफ्टिनेंट जनरल वालिद अल-तमीमी ने कहा कि एक अज्ञात ड्रोन ने बेस में एक स्थान पर हमला किया। हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। मीडिया रिपोर्टों ने दावा किया कि ड्रोन ने बेस पर एक फ्रांसीसी राडार सिस्टम को निशाना बनाया।

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री ने सरकार पर आपातकाल लगाने की साजिश का आरोप लगाया

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने सोमवार को कहा कि देश की संघीय सरकार उनके प्रांत में आपातकाल लगाने की योजना बना रही है। गंडापुर ने यह बात प्रांतीय बजट सत्र के दौरान कही। उन्होंने कहा कि वे ऐसी किसी भी साजिश को सफल नहीं होने देंगे। उन्होंने यह भी कहा, अगर (पूर्व प्रधानमंत्री) इमरान खान मुझे अभी आदेश दें, तो मैं तुरंत अपनी सरकार खत्म कर दूंगा। मैं अपने नेता के अधिकार किसी और को नहीं लेने दूंगा। मुख्यमंत्री गंडापुर ने आरोप लगाया कि राज्यपाल फैसल करीम कुंडी ने बजट सत्र से जुड़ी जरूरी फाइल पर साइन करने से मना कर दिया है। उनका कहना है कि इसके पीछे प्रांत में आर्थिक आपातकाल लागू करने की साजिश हो सकती है। उन्होंने कहा कि नया बजट पास करना संविधान के अनुसार जरूरी है और कोई भी इस विधानसभा को PTI की मंजूरी के बिना भंग नहीं कर सकता।

नाइजीरिया : आत्मघाती हमले में 12 की मौत

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तरपूर्वी बोर्नो राज्य में शुक्रवार रात मछली बाजार में एक महिला आत्मघाती हमलावर ने 12 लोगों की हत्या कर दी। हमले में 30 लोग घायल भी हुए हैं। बोर्नो राज्य पुलिस के प्रवक्ता नाहुम केनेथ दासो ने बताया कि महिला अपने शरीर पर विस्फोटक उपकरण बांधे हुए मछली बाजार में घुसी और फिर नागरिकों के बीच विस्फोट कर दिया। दासो ने कहा कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। बता दें कि बोर्नो राज्य एक उग्रवाद का गढ़ है।

ट्रंप का सीजफायर बेअसर, ईरान के ताबड़तोड़ हमले में 4 इजरायली मरे, बंद करना पड़ा हवाई क्षेत्र

तेल अवीव, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीजफायर वाले दावे को ईरान ने ताबड़तोड़ मिसाइल हमलों से ध्वस्त कर दिया। मंगलवार सुबह ईरान ने इजरायल के बीरशेबा शहर में एक रिहायशी इमारत पर बैलिस्टिक मिसाइल दागी, जिसमें चार इजरायली नागरिकों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हो गए। हमले के बाद इजरायल में हड़कंप मच गया और देश भर में सायरन बजने लगे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इजरायल को अपना हवाई क्षेत्र अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा।

ट्रम्प ने सीजफायर का दावा किया : इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार तड़के 3:30 बजे ईरान और इजराइल के बीच सीजफायर का दावा किया था। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा- मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि इजराइल और ईरान के बीच सीजफायर अब से 6 घंटे बाद लागू होगा। पहले 12 घंटे के लिए ईरान हथियार डालेगा। फिर अगले 12 घंटे के लिए इजराइल हमला नहीं करेगा और जंग आधिकारिक रूप से खत्म हो जाएगी। वहीं, न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इजराइली सेना के प्रवक्ता ने सीजफायर को लेकर ट्रम्प के बयान पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

ईरान ने 6 बार इजराइल पर हमला किया : ट्रम्प के सीजफायर के ऐलान के बाद से ईरान के विदेश मंत्री ने इसे खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा कि इजराइल के साथ अभी कोई अंतिम युद्धविराम समझौता नहीं हुआ है। अगर इजराइल, हमले रोक देता है, तो ईरान भी हमले नहीं करेगा। कुछ ही देर बाद ईरान ने इजराइल पर 6 बार बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक मिसाइल बीर्शेबा शहर में इमारत पर गिरी। मेडिकल टीम ने बताया कि हमले में 4 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 20 से ज्यादा घायल हैं।

बीरशेबा में ईरान के हमले में चार लोगों की मौत: इजराइल की आपात सेवा : इजरायल के बीरशेबा शहर में ईरान के एक मिसाइल हमले से प्रभावित इमारत से दमकलकर्मियों ने चार लोगों के शव बरामद किए हैं। आपात सेवा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ईरान ने दक्षिणी इजरायल के सबसे बड़े शहर को सीधे सीधे निशाना बनाकर यह मिसाइल हमला किया था। कुछ दिन पहले ईरान के हमले में इसी शहर के अस्पताल को भारी नुकसान पहुंचा था। खोज और बचाव दल ने कहा कि उन्होंने बीरशेबा में एक इमारत से चार शवों को बरामद किया और अन्य लोगों की तलाश जारी है।

इजरायल का हवाई क्षेत्र अगले आदेश तक उड़ानों के लिए बंद : इजरायल विमानपत्तन प्राधिकरण ने कहा कि ईरान के हमलों के कारण उन्हें देश के हवाई क्षेत्र को उन सभी यात्री विमानों के लिए बंद करना पड़ा है, जो मंगलवार को इजराइल के हवाई अड्डों पर उतरने या उनसे से प्रस्थान करने वाले थे। इनमें आपातकालीन उड़ानें भी शामिल हैं। इजरायल के मीडिया के अनुसार, कुछ उड़ानों को भूमध्य सागर के ऊपर चक्कर लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा। ईरान के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से इजरायल के हवाई अड्डे बंद हैं, लेकिन पिछले कुछ दिन में कुछ आपातकालीन उड़ानें आनी-जानी शुरू हो गई थीं। ट्रंप ने सोमवार देर रात अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर दावा किया था कि इजरायल और ईरान के बीच 12 दिन से चल रही जंग को रोकने के लिए दोनों देशों ने चरणबद्ध युद्धविराम पर सहमति जता दी है। उन्होंने कहा था कि मंगलवार आधी रात से सीजफायर शुरू हो जाएगा, जिसमें पहले ईरान और फिर इजरायल हमले रोकेंगे। हालांकि, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने ट्रंप के दावे को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ है। अराघची ने शर्त रखी कि अगर इजरायल सुबह 4 बजे तक हमले बंद करता है, तो ईरान भी जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा। लेकिन, ट्रंप के ऐलान के कुछ घंटों बाद ही ईरान ने इजरायल पर छह बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिसने मध्य पूर्व में शांति की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने बताया कि मिसाइलों को रोकने के लिए उनके रक्षा तंत्र सक्रिय थे, लेकिन बीरशेबा में एक मिसाइल ने भारी नुकसान पहुंचाया। हमले के बाद तेल अवीव और यरुशलम में भी धमाकों की आवाजें सुनी गईं। दूसरी ओर, ईरान ने कतर में अमेरिकी सैन्य अड्डे अल-उदीद पर भी 19 मिसाइलें दागीं, हालांकि इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ क्योंकि ईरान ने पहले ही अलर्ट जारी कर दिया था। कतर, कुवैत और अन्य खाड़ी देशों ने हमले के बाद अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए, हालांकि बाद में कतर ने इसे फिर से खोल लिया। ईरान के सरकारी मीडिया ने दावा किया कि उनके हमलों ने इजरायल को सीजफायर के लिए मजबूर किया, जबकि इजरायल ने अभी तक ट्रंप के दावे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने पहले दावा किया था कि ईरान ने ट्रंप की हत्या की साजिश रची थी, जिसे ट्रंप ने भी गंभीरता से लिया।

ट्रूडो के जाते ही खालिस्तान पर बदला कनाडा का रुख

ओट्टावा, एजेंसी। जस्टिन ट्रूडो के प्रधानमंत्री पद से हटते ही खालिस्तान पर कनाडा के रुख में बदलाव नजर आने लगा है। कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में साथ होने की बात कही है। उन्होंने आगे कहाकि नई सरकार समुदायों की सुरक्षा के लिए दिए गए बहुमत पर खरी उतरेगी। इसके साथ ही मार्क कार्नी ने 40 साल पहले हुए एयर इंडिया 182 कनिष्क विमान बम विस्फोट पर अफसोस जताया है। उन्होंनेकनिष्क पर हुए आतंकवादी हमले को देश के इतिहास का सबसे घातक हमला बताया। कनाडा के प्रधानमंत्री ने कहाकि उनकी सरकार स्पष्ट रूप से आतंकवाद के खिलाफ खड़ी है।

इतिहास का सबसे घातक हमला : प्रधानमंत्री के बयान में कहा गया कि जैसा कि हम आतंकवाद के पीड़ितों के लिए राष्ट्रीय स्मृति दिवस मनाते हैं। हम एयर इंडिया बम विस्फोट के पीड़ितों और आतंकवाद के कारण अपनी जान गंवाने वाले अन्य लोगों को याद करते हैं। उन्होंने कहाकि 40 साल पहले, एयर इंडिया की उड़ान 182 पर हुए बम विस्फोट में 268 कनाडाई नागरिकों सहित निर्दोष लोग मारे गए थे। यह आतंकवादी हमला हमारे देश के इतिहास का सबसे घातक हमला है- जिसे हमें कभी नहीं भूलना चाहिए।

क्या हुआ था कनिष्क हादसा : गौरतलब है कि एयर इंडिया कनिष्क उड़ान संख्या 182 में 23 जून 1985 को लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरने से 45 मिनट पहले विस्फोट हो गया था। इसमें विमान में सवार सभी 329 व्यक्ति मारे गए थे। इनमें से अधिकतर भारतीय मूल के कनाडाई थे। इस हमले को कनाडा स्थित खालिस्तानी संगठन बब्बर खालसा ने अंजाम दिया था। आयरलैंड और कनाडा के शीर्ष राजनयिक एयर इंडिया 182 कनिष्क विमान बम विस्फोट के पीड़ितों के परिवारों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए एक कार्यक्रम में शामिल हुए। यह आतंकवादी हमले की 40वीं बरसी के अवसर पर आयोजित किया गया। विमान के यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के परिजन हर वर्ष पीड़ितों के लिए बनाए गए विभिन्न स्मारकों पर एकत्रित होते हैं।

मानवता ने खोले नरक के द्वार, वैश्विक संघर्ष के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की चेतावनी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। वैश्विक संघर्ष के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चेतावनी दी है। न्यूयॉर्क में जलवायु संकट पर आयोजित शिखर सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि मानवता ने नरक के द्वार खोल दिए हैं। भयंकर गर्मी के भयानक प्रभाव हो रहे हैं। बाढ़ में फसलों को बहता देखकर किसान परेशान हैं। गर्मी से बीमारियां फैल रही हैं। गुटेरेस ने कहा कि चुनौती के पैमाने के सामने जलवायु कार्रवाई बौनी पड़ रही है। अगर कुछ नहीं बदला तो हम एक खतरनाक और अस्थिर दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य जलवायु कार्रवाई पर महत्वाकांक्षाओं को बढ़ाना है। गुटेरेस ने कहा कि विकसित देश 2040 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करें। वायु मंडल से वह उतना ही प्रदूषण हटाएं, जितना कि वे पैदा करते हैं। उन्होंने देशों से जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए समय सीमा तय करने के लिए कहा। साथ ही निम्न और मध्यम आय वाले देशों को स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ने में मदद करने के लिए फंडिंग में बढ़ोतरी करने और जलवायु लचीलेपन उपायों में निवेश करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हम दशकों पीछे हैं। हमें टालमटोल, दबाव और जीवाश्म ईंधन से अरबों डॉलर कमाने के स्वार्थ के लालच में खोए समय की भरपाई करनी होगी।

ट्रंप ने कहा था अब परमाणु बम नहीं बना पाएगा ईरान, वेंस बोले- 10 बम बनाने की क्षमता है मौजूद

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि अब ईरान परमाणु बम नहीं बना पाएगा क्योंकि अमेरिका ने सभी को नष्ट कर दिया है। वहीं उप राष्ट्रपति जीडी वेंस ने कहा कि 4 सौ किलो यूरेनियम गायब हो गया है, इससे 10 परमाणु हथियार बना सकता है ईरान। वेंस ने कहा कि ये यूरेनियम भंडार ईरान के प्रमुख परमाणु स्थलों में संग्रहित था, लेकिन अमेरिकी हमलों से पहले ही इसे दूसरी जगहों पर ले जाया गया। उन्होंने दावा किया कि फोर्दो परमाणु फैसिलिटी को इस मिशन में गंभीर क्षति पहुंची है, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें सटीक स्थिति की जानकारी नहीं है।

वेंस ने कहा, ÷इस ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य फोर्दो परमाणु फैसिलिटी को नष्ट करना था और हमें पूरा विश्वास है कि

हमने इस लक्ष्य को काफी हद तक प्राप्त किया है। साथ ही उन्होंने यह भी पुष्टि की कि आने वाले हफ्तों में ईरान के साथ लापता यूरेनियम को लेकर बातचीत की जाएगी। वहीं दूसरी तरफ ईरान बार-बार कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण है, जबकि इजरायल का कहना है कि ईरान हथियार बनाने के करीब पहुंच चुका है। अमेरिका में इस पर मतभेद रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान तीन साल दूर था, लेकिन अमेरिकी खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने हाल ही में कहा कि ईरान कुछ हफ्तों में हथियार बना सकता है। यह बयान ट्रंप द्वारा उनके पूर्वानुमान को गलत कहने के बाद आया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ऑपरेशन को निर्णायक रूप से पूर्ं सफल बताया है। उन्होंने कहा, ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। हमलों के बाद ईरान ने परमाणु अप्रसार संधि से बाहर निकलने की धमकी दी। उप विदेश मंत्री तख्त रवांची ने कहा, कोई हमें यह नहीं बता सकता कि हमें क्या करना चाहिए। इजरायली खुफिया एजेंसियों ने बताया कि ईरान ने हमलों से पहले ही यूरेनियम और संबंधित उपकरणों को एक गुप्त स्थान पर पहुंचा दिया था। सैटेलाइट तस्वीरों में फोर्दो स्थल के बाहर 16 ट्रकों का काफिला देखा गया था। इन्हीं तस्वीरों के आधार पर इजरायल ने अमेरिका से कार्रवाई की मांग की थी।

इसके बाद अमेरिका ने बी-2 स्पिरिट बॉम्बर्स द्वारा बंकर बस्टर जीबीयू-37 बमों के साथ ऑपरेशन मिडनाइट हैमर को अंजाम दिया, जिसमें फोर्दो, नतांज और इस्फहान स्थलों को निशाना बनाया गया। लेकिन बमबारी के बाद ट्रकों का कोई पता नहीं चला। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफाएल ग्रोसी ने कहा कि एजेंसी ने हमलों से एक सप्ताह पहले इन स्थलों का निरीक्षण किया था। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से अपील की कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए निरीक्षण तुरंत बहाल किया जाए। उन्होंने कहा, यह कार्य अत्यंत आवश्यक है और इसमें देरी नहीं होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट से ट्रंप को राहत, अप्रवासियों के निर्वासन की प्रक्रिया शुरू करने की मिली अनुमति

वॉशिंगटन, एजेंसी। अप्रवासियों के निर्वासन मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को अप्रवासियों के निर्वासन की प्रक्रिया फिर से शुरू करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने अपने आदेश में यह जानकारी नहीं दी कि यह आदेश किस आधार पर दिया गया है। वहीं न्यायमूर्ति सोनिया सोटोमायोर और दो अन्य न्यायाधीशों ने फैसले पर असहमति जाहिर की है। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की प्रवक्ता ट्रिसिया मैकलॉघलिन ने कहा कि तीसरे देशों में निर्वासन जल्द ही फिर से शुरू हो सकता है। निर्वासन विमानों को चालू करें। उन्होंने इस फैसले को अमेरिकी लोगों की सुरक्षा और संरक्षा की जीत बताया। यह फैसला उस वक्त आया जब आव्रजन अधिकारियों ने आठ लोगों को दक्षिण सूडान जाने वाले विमान में बैठा दिया। बाद में एक न्यायाधीश के हस्तक्षेप के बाद उन्हें जिबूती स्थित अमेरिकी नौसैनिक अड्डे पर भेज दिया गया। म्यांमार, वियतनाम और क्यूबा जैसे देशों से आए इन प्रवासियों को अमेरिका में गंभीर अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया था। नेशनल इमिग्रेशन लिटिगेशन अलायंस की

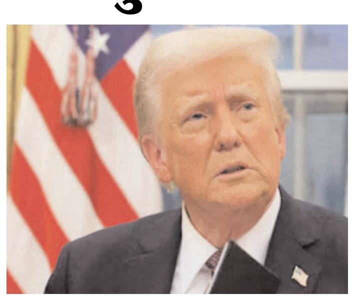

कार्यकारी निदेशक अटॉर्नी ट्रिना रियलमुटो ने कहा कि उनके वकील लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि जब तक उन्हें वकीलों से बात करने का मौका नहीं मिल जाता, तब तक वे दक्षिण सूडान में उनके निष्कासन पर रोक लगा दें और कारावास, यातना और मौत की चिंताओं को उठाएं। व्हाइट हाउस ने क्या कहा व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एबिगेल जैक्सन ने कहा कि संविधान और कांग्रेस ने राष्ट्रपति को आव्रजन कानूनों को लागू करने और खतरनाक विदेशियों को देश से बाहर निकालने का अधिकार दिया है। सुप्रीम कोर्ट की कार्रवाई हमारे देश से आपराधिक अवैध विदेशियों को बाहर निकालने और अमेरिका को फिर से सुरक्षित बनाने के राष्ट्रपति के अधिकार की पुष्टि करती है। न्यायमूर्ति सोनिया सोटोमायोर ने अन्य दो न्यायाधीशों ने फैसले को लेकर असहमति जताई। न्यायाधीश एलेना कागन और केतनजी ब्राउन जैक्सन के साथ असहमति पत्र में सोटोमोर ने लिखा कि अदालत की कार्रवाई से हजारों लोगों को यातना या मौत का खतरा हो सकता है। इससे ट्रंप प्रशासन को जीत मिल सकती है। उन्होंने लिखा कि सरकार ने अपने शब्दों और कार्यों से यह स्पष्ट कर दिया है कि वह स्वयं को कानून द्वारा बाध्य नहीं मानती है। बिना किसी नोटिस या सुनवाई का अवसर दिए किसी को भी कहीं भी निर्वासित करने के लिए स्वतंत्र है। न्याय विभाग ने अदालती दस्तावेजों में कहा कि सरकार अपने अगले कदम तय करने के लिए आदेश पर विचार कर रही है। सुप्रीम कोर्ट की कार्रवाई से बोस्टन में अमेरिकी जिला न्यायाधीश ब्रायन ई मर्फी के आदेश पर रोक लग गई है। उन्होंने अप्रैल में निर्णय दिया था कि लोगों को यह तर्क देने का अवसर अवश्य मिलना चाहिए कि किसी तीसरे देश में निर्वासन से वे खतरे में पड़ जाएंगे। भले ही उन्होंने अपनी कानूनी अपील समाप्त कर ली हो।

ओमान सरकार ने किया एलान-साल 2028 से पांच प्रतिशत आयकर वसूला जाएगा

मस्कट, एजेंसी। खाड़ी देशों ने कच्चे तेल से अपनी अर्थव्यवस्थाओं को खूब चमकाया और दुनियाभर से निवेश को आकर्षित किया। हालांकि अब हालात बदलते दिख रहे हैं और खाड़ी देश भी अपनी अर्थव्यवस्था की तेल पर निर्भरता को कम करना चाहते हैं और इस दिशा में ओमान ने पहल कर दी है। खाड़ी देशों में पहली बार ओमान ने अपने नागरिकों पर आयकर लगाने का फैसला किया है। ओमान सरकार के एलान के तहत साल 2028 से पांच प्रतिशत आयकर वसूला जाएगा। अभी सिर्फ एक प्रतिशत आबादी पर टैक्स लगाने की तैयारी हालांकि ओमान ने अभी सिर्फ उन्हीं नागरिकों पर आयकर लगाने का फैसला किया है, जिनकी सालाना आय 1,09,000 डॉलर या उससे ज्यादा है। इस तरह अभी ओमान के सिर्फ एक प्रतिशत लोगों से ही आयकर वसूला जाएगा। ओमान की सरकार ने रविवार को इस संबंध में आधिकारिक एलान जारी कर दिया। हालांकि अभी ये साफ नहीं है कि ओमान के अलावा क्या अन्य खाड़ी देश भी अपने नागरिकों पर टैक्स लगाने पर विचार कर रहे हैं या नहीं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी अनुमान जताया है कि खाड़ी देश आने वाले वर्षों में अपने राजस्व में विविधता लाने के लिए अपने नागरिकों पर टैक्स लगाना शुरू कर देंगे। अभी ओमान का 85 प्रतिशत राजस्व तेल से आता है खाड़ी देशों में अभी तक टैक्स नहीं लगता है,

जिससे दुनियाभर के लोग इन देशों की तरफ आकर्षित हुए और खाड़ी देशों में निवेश किया। ओमान के वित्त मंत्री ने बताया कि वैश्विक ऊर्जा बाजार में उतार चढ़ाव के चलते ओमान ने अपने राजस्व की तेल पर निर्भरता घटाने का फैसला किया है। अभी ओमान के कुल राजस्व का 85 प्रतिशत तेल और गैस की बिक्री से आता है। ओमान बीते काफी समय से नागरिकों पर आयकर लगाने पर विचार कर रहा था। साल 2020 में ओमान ने अपनी अर्थव्यवस्था में कई बदलाव भी किए थे, जिसमें जनता पर कर्ज में कटौती और आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया गया। ओमान अपने साल 2040 विजन के तहत ये बदलाव कर रही है। ओमान की सरकार अपने देश की अर्थव्यवस्था को तकनीक पर आधारित बनाना चाहता है।

बिलावल ने इजराइली हमलों की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से की, सिंधु संधि पर भारत को जंग की चेतावनी दी;

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने सोमवार को नेशनल असेंबली सत्र के दौरान भारत पर निशाना साधा। बिलावल ने इजराइल के ईरान पर हमले की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से की। पाकिस्तानी मीडिया जियो न्यूज के मुताबिक बिलावल ने कहा कि जिस तरह भारत ने पाकिस्तान पर हमला किया था, उसी तरह इजराइल ने ईरान पर अटैक किया है। उन्होंने भारत के साथ 7 से 10 मई तक हुए सैन्य संघर्ष में पाकिस्तान की जीत का दावा किया। दरअसल, भारत ने 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत 6-7 मई को हवाई हमला किया था। सिंधु जल संधि पर जंग की चेतावनी दी इसके अलावा बिलावल ने भारत के सिंधु जल संधि को निलंबित करने को अवैध करार दिया और इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताया। बिलावल ने नदियों का पानी रोकने या बांध बनाने की कोशिश करने पर भारत को जंग की चेतावनी दी। बिलावल ने कहा, ÷हमारी वायुसेना ने पहले भारत को हराया है और जरूरत पड़ी तो फिर हराएगी। हम अपने देश के लिए सभी छह नदियों के पानी को सुरक्षित रखेंगे।÷ बिलावल ने दावा किया कि पाकिस्तान के ऑपरेशन बुनियान-उम-मारसूस में भारतीय वायुसेना के 6 लड़ाकू विमान गिराए गए। इसमें तीन राफेल और दर्जनों ड्रोन शामिल थे।

इजराइल का रवैया वर्ल्ड वॉर की ओर धकेल रहा : इसके साथ बिलावल ने इजराइल के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर विश्व ने ईरान के खिलाफ इजराइल

की कार्रवाइयों पर चुप्पी साधी, तो कोई नही बचेगा। बिलावल ने जर्मन पादरी मार्टिन नीमोलर की कविता फर्स्ट दे केम का जिक्र किया। उन्होंने कहा- पहले वे फिलिस्तीनियों के लिए आए, लेकिन दुनिया चुप रही। फिर लेबनानी, फिर यमनी और अब ईरान के लिए आए हैं। अगर हम अब नहीं बोले, तो जब वे हमारे लिए आएंगे, कोई नहीं बचेगा। बिलावल ने इजराइल के ईरान पर हमले और अमेरिका के तेहरान के परमाणु संयंत्रों पर की गई बमबारी को इस बढ़ते संघर्ष का कारण बताया। उन्होंने इजराइल के रवैये को वर्ल्ड वॉर-3 की ओर ले जाने वाला बताया।

पाकिस्तान में राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की आपात बैठक : अमेरिका का ईरान के तीन परमाणु संयंत्रों पर हवाई हमले के बाद बनी क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा के लिए सोमवार को पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की आपात बैठक बुलाई गई है। ये बैठक पीएम शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में होगी। न्यूज चैनल डॉन के मुताबिक ये बैठक आज शाम को होगी। सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर भी इसमें हिस्सा लेंगे। हाल ही में अमेरिका दौरे से लौटे फील्ड मार्शल मुनीर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ अपनी बैठक का ब्योरा समिति को देंगे। मुनीर ने अमेरिका में ईरान-इजराइल युद्ध खत्म करने की वकालत की थी। हालांकि अमेरिकी पाकिस्तानियों को संबोधित करने के दौरान उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। लोगों ने मुनीर के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उन्हें तानाशाह और कातिल बताया। पाकिस्तान ने ईरान के साथ खड़े होने की बात कही पाकिस्तान ने अमेरिका के ईरान के परमाणु संयंत्रों पर हमले की निंदा की है। शहबाज शरीफ ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से फोन पर बात की। प्रधानमंत्री ने ईरान के लोगों और सरकार के साथ होने की बात कही और हमलों में हुए जानमाल के नुकसान पर अफसोस जताया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 13वें सरयू जयंती महोत्सव का किया शुभारंभ

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 25 जून। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को आपातकाल की 50वीं बरसी, संविधान हत्या दिवस पर लोकभवन में आयोजित %भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय% विषयक संगोष्ठी का शुभारम्भ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में संशोधन करके धर्म निरपेक्ष और समाजवादी शब्द जोड़ना भारत की आत्मा पर कुठाराघात था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को आपातकाल के लिए दलितों, वंचितों एवं पूरे देशवासियों से माफी मांगनी चाहिए। बाबा साहब अंबेडकर ने अपनी लेखनी के माध्यम से जिन दलितों एवं वंचितों को अधिकार दिलाया था, कांग्रेस ने उनकी आवाज को दबाने का कार्य किया। सीएम योगी ने इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को कैशलेस उपचार की सुविधा की घोषणा की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हो या आरजेडी दोनों ने संविधान हत्या दिवस पर न तो कोई बयान और न ही सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट किया। इन दोनों पार्टियों के वरिष्ठ नेता संविधान का गला घोंटने के कांग्रेस के कृत्य के खिलाफ थे, कांग्रेस की तानाशाहीपूर्ण कार्यवाही के विरोध में आंदोलनरत थे। आज वही लोग अपने स्वार्थ के लिए कांग्रेस के सामने नाक रगड़ते दिखाई पड़ते हैं। ये लोग लोकतंत्र और संविधान की दुहाई देते हैं लेकिन संविधान का गला घोंटने वालों और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान करने वालों को अपने गले का हार भी बनाते हैं। इनका यह दोहरा चरित्र लोकतंत्र के लिए खतरनाक है।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस, सपा एवं आरजेडी जैसी परिवारवादी पार्टियों को संविधान की दुहाई देने का कोई अधिकार नहीं है। इन पार्टियों को जब भी अवसर मिला इन्होंने लोकतंत्र का गला घोंटने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि आज का दिन उन लोगों के चेहरों को बेनकाब करने का अवसर प्रदान करता है, जिन लोगों ने लोकतंत्र की आड़ में भारत के मूल्यों एवं आदर्शों को अपने स्वार्थ के लिए बलि चढ़ाने का कुत्सित प्रयास किया है। समाजवादी पार्टी, आरजेडी एवं उनके सहयोगी दल उसी मार्ग का अनुसरण कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि जिस लोकतंत्र एवं संविधान के लिए समाज के प्रत्येक तबके के व्यक्ति ने अनगिनत बलिदान दिए थे। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने तमाम अपमान सहकर अपनी पूरी बुद्धिमत्ता के साथ भारत के नागरिकों के लिए संविधान का जो ड्राफ्ट तैयार करके दिया था, उस संविधान का गला घोंटने में कांग्रेस की सरकार को कोई समय नहीं लगा। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को कांग्रेस ने विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका के अधिकारों को बंधक बना लिया था। सेंसरशिप के माध्यम से मीडिया का गला घोंटने का कार्य किया था। उस समय भी बहुत सारे लोग लोकतंत्र के लिए एवं भारत के लिए समर्पित भाव के साथ कार्य कर रहे थे। एक लाख से अधिक लोकतंत्र सेनानी गिरफ्तार हुए थे। लोकतंत्र को बचाने के लिए समाज के प्रत्येक तबके के व्यक्ति ने लड़ाई लड़ी। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए 25 जून को किया गया पाप कभी भुलाया

नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को एक परिवार ने अपने संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों की प्रतिपूर्ति का माध्यम बना लिया था। व्यवस्था में ऐसे लोग आज भी हैं, जो उस परिवार के माया मोह में जकड़े दिखाई पड़ते हैं। सीएम योगी ने कहा कि कांतिकारी नारा देते थे तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहे न रहे और कांग्रेस उन संकल्पों को चकनाचूर करते हुए नारा देती है मेरी सत्ता बनी रहे, चाहे लोकतंत्र रहे न रहे। सीएम योगी ने कहा कि 1952 में बाबा साहब भीम राव अंबेडकर को देश की संसद न पहुंचने देना, 1975 में आपातकाल, 1984 सिखों का कत्लेआम और 2013 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा संसद में पारित अध्यादेश की प्रति फाड़ने वाला कृत्य अलोकतांत्रिक था। उन्होंने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की भावनाओं का अपमान करने वाला था। इस कृत्य के साथ कांग्रेस का वास्तविक आचरण जुड़ता हुआ दिखाई पड़ता है। संगोष्ठी के शुभारम्भ से पूर्व सीएम योगी ने %आपातकाल की त्रासदी% विषय पर आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के कवर पेज एवं चित्रों के माध्यम से लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष और तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार द्वारा उन पर किए अत्याचारों को प्रदर्शित किया गया था, जिसका सीएम योगी ने अवलोकन किया। कुछ लोकतंत्र सेनानियों ने आपातकाल के दौरान उन्हें मिली यातनाओं को कार्यक्रम में मौजूद लोगों से साझा किया। किसी ने अपने भूमिगत होने के किस्से सुनाए, तो किसी ने थाने एवं जेल के अपने अनुभवों को बताया। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि तत्कालीन सरकार ने इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बनाए रखने के लिए पूरे देश को जेल बना दिया था। उन्होंने कहा कि संविधान में प्रदत्त अधिकारों की रक्षा के लिए, लोकतंत्र सेनानियों ने जो यातनाएं एवं अत्याचार झेला है, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। वहीं विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने बरेली जेल के अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री ने अपनी निरंकुश सत्ता का वर्चस्व बरकरार रखने के लिए आपातकाल जैसा दमनकारी निर्णय लिया, जिसके खिलाफ आम जनता ने भी सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। कार्यक्रम में सीएम योगी ने 26 लोकतंत्र सेनानियों का पटका पहनाकर सीएम योगी ने सम्मान किया। सम्मानित होने लोकतंत्र सेनानियों में कृष्ण कुमार दीक्षित, गणेश राय, राकेश स्वरूप निगम, अजीत कुमार सिंह, सुरेश शिवजी रानी, डॉक्टर अजय शर्मा, जयदेव आहूजा, हरि श्याम रस्तोगी, राम किशोर शर्मा, अशोक शर्मा, डॉक्टर संतोष कुमार वाजपेयी, डॉक्टर बलवेंद्र अवस्थी, मधुकर मिश्रा, रामतीर्थ वर्मा, सुरेश चतुर्वेदी, सत्यप्रकाश जैन, रामचंद्र सिंह, आशुतोष पाठक, डॉक्टर राम लोलाक उपाध्याय, सरल मालवीय, सतीश चंद्र गौड़, दिनेश प्रताप सिंह, दिनेश अग्निहोत्री, संजय मिश्रा, भारत त्रिपाठी, धीरेन्द्र श्रीवास्तव कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी साथ मंच पर विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह, वित्त एवं ससंदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, विधान परिषद सदस्य विजय बहादुर पाठक, लोकतंत्र सेनानी एवं पूर्व सांसद डॉक्टर अशोक बाजपेयी, राजेंद्र तिवारी, रमाशंकर त्रिपाठी, विश्राम सागर एवं देवी दीन पाल उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अभिनव पहल

कौमी पत्रिका

देहरादून। गांवों का कायाकल्प होने से विकसित प्रदेश और विकसित राष्ट्र का सपना साकार किया जा सकता है। उत्तराखण्ड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के सुदूरवर्ती गांवों के चतुर्दिक विकास का बी?ा उठाया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को अपनी प्रथम नियुक्ति स्थल को गोद लेने का जिम्मा सौंपा गया है। योजना के तहत अधिकारियों ने गोद लिए गांवों के विकास के लिए काम करना शुरू कर दिया है। कई अधिकारियों

ने गांवों में रात्रि प्रवास के ग्रामीणों के जनजीवन और उनकी समस्याओं को करीब से समझा है। अधिकारियों की ओर से कार्ययोजना बनाए जाने के बाद प्रदेश सरकार गांवों के विकास के लिए अभियान चलाकर काम करेगी। बता दें कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की ओर से भारतीय प्रशासनिक सेवा के ?8700 या इससे अधिक ग्रेड-पे के अधिकारियों को अपने प्रथम नियुक्ति के कार्य क्षेत्र को गोद लेने की अपेक्षा की गई थी। इसी आधार पर राज्य के 40 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों ने अपनी प्रथम नियुक्ति स्थल को गोद लिया है। 20 मई 2025 को मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की ओर से इस आशय का आदेश भी जारी कर दिया गया था। सभी अधिकारियों से अपने प्रथम नियुक्ति स्थल क्षेत्र में हुए बदलावों पर टिप्पणी की अपेक्षा की गई थी। कहने का अर्थ यह है कि आज वहां विकास में कितनी तेजी आई है। गांव के सामाजिक और आर्थिक विकास में सीएसआर या अन्य संसाधनों के इस्तेमाल से कैसे सुधार लाया जा सकता है। जिला योजना, राज्य सेक्टर और वित्त आयोग से मिलने वाली धनराशि के शत प्रतिशत सही उपयोग की कार्ययोजना भी अधिकारियों को तैयार करनी है। मुख्यमंत्री धामी की अपेक्षा के अनुसार वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। अधिकारियों की ओर दूरस्थ गांवों के विकास की योजना तैयार किए जाने से गांवों का योजनाबद्ध तरीके से विकास हो सकेगा। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और स्वयंसेवी संगठनों का सहयोग भी अधिकारियों को मिल रहा है।

इटावा में जाति के नाम पर धर्म का अपमान, सनातन परंपरा हुई शर्मसार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के बकेवर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम दादरपुर में घटित एक घटना ने धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक हलकों में उबाल ला दिया है। भागवत कथावाचक मुकुट मणि यादव और उनके सहयोगी संत सिंह यादव के साथ कथित रूप से की गई अभद्रता, मारपीट और जातिगत अपमान ने न केवल सनातन परंपरा की आत्मा को झकझोरा है, बल्कि समाज की उस मानसिकता को भी उजागर कर दिया है, जो आज भी जातीय श्रेष्ठता के भ्रम में जी रही है। मुकुट मणि यादव का आरोप है कि वह गांव में श्रीमद्भागवत कथा कहने पहुंचे थे, जहां आयोजकों में से कुछ लोगों ने उनकी जाति पूछी। जब यह सामने आया कि वे यादव समुदाय से हैं, तो उनके साथ न केवल कथा रुकवा दी गई, बल्कि उन्हें मंच से हटाकर गाली-गलौज की गई, उनकी चोटी काटी गई, सिर मुंडवा दिया गया और कथित तौर पर उन्हें महिला के सामने नाक रगड़वाकर माफी मांगने के लिए विवश किया गया। आरोपों के अनुसार, उनके चेहरे पर पेशाब तक डाला गया और हारमोनियम तोड़ दिया गया। यह घटना कैमरे में कैद हुई और जैसे ही वीडियो वायरल हुआ, प्रदेशभर में तीखी प्रतिक्रियाएं शुरू हो गईं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस घटना को जातिगत वर्चस्व की पराकाष्ठा बताते हुए सत्तारूढ़ भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने लखनऊ में प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि अब कथा कहने के लिए जाति प्रमाणपत्र अनिवार्य हो गया है, तो योगी सरकार को इस पर कानून बना देना चाहिए। उन्होंने मुकुट मणि यादव और संत सिंह यादव को सम्मानित करते हुए 21-21 हजार रुपये की राशि भेंट की और पार्टी की ओर से 51-51 हजार रुपये देने की घोषणा की। उनका कहना था कि यह घटना भाजपा शासित प्रदेशों में क्ष्ठ यानी पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज के प्रति निरंतर अपमानजनक व्यवहार का उदाहरण है।

गुरुओं और महापुरुषों की यादगार, संघर्ष और आदर्शों को युवाओं के बीच लाना जरूरी

कौमी पत्रिका

यमुनानगर, 25 जून- बाबा बंदा सिंह बहादुर लोहगढ़ फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा आज गुरू नानक खालसा कॉलेज यमुनानगर में बाबा बंदा सिंह बहादुर के 309 वें शहीदी दिवस के उपलक्ष में उनके जीवन और विरासत पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में पूर्व मंत्री कंवर पाल गुर्जर सहित बाबा बंदा सिंह बहादुर लोहगढ़ फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक सदस्यों, इतिहासकारों व अन्य वक्ताओं ने बाबा बंदा सिंह बहादुर के जीवनी व विरासत तथा इतिहास के बारे में विस्तार से बताया। पूर्व मंत्री एवं बाबा बंदा सिंह बहादुर निगरानी समिति के चेयरमैन कंवर पाल गुर्जर ने सेमिनार में उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान केन्द्रीय मंत्री तथा हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के विशेष प्रयासों से बाबा बंदा सिंह बहादुर लोहगढ़ फाउंडेशन ट्रस्ट की स्थापना की गई तथा इतिहास में विशेष महत्व रखने वाले लोहगढ़ स्मारक के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि गुरुओं और महापुरुषों की यादगार, संघर्ष और आदर्शों को युवाओं के बीच लाना चाहिए ताकि उन्हें अपने असली इतिहास के बारे में जानकारी मिल सके कि किस प्रकार गुरूओं व महापुरूषों ने देश, धर्म और न्याय की लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा गुरुओं व महापुरुषों की जीवनियों को स्कूलों की किताबों में जगह दी जा रही है। मुख्यमंत्री के ओ.एस.डी. प्रभलीन सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार बाबा बंदा सिंह बहादुर लोहगढ़ फाउंडेशन ट्रस्ट के माध्यम से लोहगढ़ स्मारक के विकास के लिये प्रतिबद्ध है ताकि हमारी युवा पीढ़ी व आने वाली पीढि ?ां लोहगढ़ के इतिहास व बाबा बंदा सिंह बहादुर के जीवन, उनके संघर्ष व शहादत के बारे में जान सकें। उन्होंने बाबा बंदा सिंह के बहादुर के बारे में गुरू रविन्द्र नाथ टैगोर द्वारा लिखी गई कविता के माध्यम से उनकी शहादत को याद किया तथा उनकी बहादुरी व संघर्ष को नमन किया। मुख्य वक्ता एवं इतिहासकार डॉ.सुखदयाल सिंह ने बताया कि हरियाणा में बाबा बंदा सिंह बहादुर से सम्बन्धित काफी स्थान है। उन्होंने बताया कि बाबा बंदा सिंह बहादुर सिख सेनानायक थे और पहले ऐसे सिख हुए जिन्होंने मुगलों को पराजित कर उनके अजेय होने के भ्रम को तोड़ा। उन्होंने बताया कि गुरु गोबिन्द सिंह जी के आदेश पर बाबा बन्दा सिंह बहादुर पंजाब गए और सिक्खों के सहयोग से सढ़ौरा, सरहिन्द, राहों सहित अन्य स्थानों पर जीत हासिल करते हुए सतलुज नदी के दक्षिण में सिक्ख राज्य की स्थापना की। उन्होंने खालसा के नाम से शासन भी किया और गुरुओं के नाम के सिक्के भी चलवाये। बाबा बन्दा सिंह बहादुर ने जमींदारी प्रथा का अंत किया और किसानों को जमीने आबंटित कर जागीरदारों और जमींदारों की दासता से मुक्ति दिलाई। बाबा बंदा सिंह बहादुर लोहगढ़ फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य एस.एस. पाहवा ने अपने सम्बोधन में बताया कि बाबा बंदा सिंह बहादुर ने सिख राज की पहली राजधानी लोहगढ़ को बनाया था। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल ने लोहगढ़ को दुनिया के नक्शे पर लाने के विशेष प्रयास किये हैं तथा इसके विकास को प्राथकिता दी। उन्होंने बताया कि बाबा बन्दा सिंह बहादुर का जन्म चनाब नदी के किनारे वर्ष 1670 को हुआ था। उनका बचपन का नाम लक्ष्मण देव था। पन्द्रह वर्ष की आयु में उन्होंने एक गर्भवती हिरणी का शिकार किया जिसका उनके मन पर गहरा प्रभाव पड़ा और वह अपना घर-बार छोड ?र बैरागी बन गये और उनका नाम माधोदास बैरागी पड़ा। वह कुछ समय तक पंचवटी (नासिक) में रहे। वहाँ से योग की शिक्षा प्राप्त कर वह नान्देड क्षेत्र चले गए और गोदावरी के तट पर उन्होंने एक आश्रम की स्थापना की। नांदेड में सिक्खों के दसवें गुरु गुरु गोबिन्द सिंह ने इसी आश्रम में उन्हें सिक्ख बनाकर उनका नाम बन्दा सिंह बहादुर रख दिया। सेमिनार में अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे तथा बाबा बंदा सिंह बहादुर के जीवन और विरासत के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सेमिनार में सीईओ जिला परिषद वीरेन्द्र सिंह ढुल्ल, डीआईपीआरओ डॉ. मनोज कुमार, डॉ. सुखदयाल सिंह, एस.एस. पाहवा, कॉलेज प्रबंधन समिति के प्रधान रणदीप सिंह जोहर, उपप्रधान आर.एस. भट्टी, फाइनेंस सचिव अमरदीप सिंह, सदस्य डॉ. बी.एस. गाबा, कॉलेज प्रिंसिपल डॉ.प्रतिमा शर्मा, डॉ. कैथरीन मसीह, सहायक प्रो0 डॉ. अनुराग, डॉ. किरण पाल सिंह विर्क, डॉ. तिलक राज, मनीषा सहित अन्य गणमान्य लोग व कॉलेज स्टाफ मौजूद था।

डीसी ने नगर निगम क्षेत्र में जलभराव की स्थिति का लिया जायजा और सम्बन्धित अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

कौमी पत्रिका

यमुनानगर, 25 जून। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने नगर निगम क्षेत्र बस स्टैंड जगाधरी, संत थॉमस स्कूल के पास वाले नाले,मटका चौक, सेक्टर 17, अर्जुन नगर,मॉडल टाउन, प्रोफेसर कॉलोनी, विश्वकर्मा चौक यमुनानगर सहित अन्य क्षेत्रों के नालों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीसी ने नगर निगम आयुक्त अखिल पिलानी को निर्देश दिए कि बरसात के दिनों में सभी नाले-नालियों की साफ-सफाई का कार्य समय सही प्रकार से करवाते रहें ताकि बरसाती पानी की निकासी सुचारू रूप से होती रहे तथा जलभराव की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि 24 जून प्रात: 8 बजे से 25 जून प्रात: 8 बजे तक जगाधरी में 58 मिमी, व्यासपुर में 80 मिमी, रादौर में 35, छछरौली में 72, सरस्वती नगर में 25, सढ़ौरा में 30, प्रतापनगर में 100 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। बाढ़ राहत के लिये हेल्पलाइन नम्बर 01732-237801 पर सम्पर्क किया जा सकता है। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने नगर निगम क्षेत्र से बरसाती पानी कि निकासी को लेकर नगर निगम के प्रत्येक वार्ड में दो-दो वाटर पंप लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर में बरसात अधिक होने के कारण शहर के निचले इलाकों में पानी भर गया है उन इलाकों से वाटर पंप के माध्यम से पानी की निकासी जल्द से जल्द की जाएगी ताकि लोगों को जल भराव से राहत मिल सके। उपायुक्त ने मौके पर लोगों की समस्याएं भी सुनीं। उपायुक्त ने जन स्वास्थ्य विभाग के एसटीपी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पानी की निकासी के बारे में जानकारी ली कि पम्पों के द्वारा किस तरीके से पानी की निकासी की जा रही है। उन्होंने जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सीवर क्लीनिंग मशीन द्वारा सभी सीवरेज की सफाई करने के निर्देश दिए ताकि शहर में कहीं भी जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। इस मौके पर आयुक्त नगर निगम अखिल पिलानी, डीआईपीआरओ डॉ. मनोज कुमार, नगर निगम एक्सईएन विकास धीमान, जन स्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता सौरभ अहलावत, सीएसआई हरजीत सिंह, सीएसआई विनोद कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहें।

NAME CHANGE
I RAJBEER SINGH S/O SHRI CHAND R/O VILLAGE KHERI KALAN, FARIDABAD, HARYANA-12002 HAVE CHANGE MY NAME TO RAJBIR SINGH FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I,Gayarti Dubey D/O Raj Vallabh Dubey W/O Jitesh Kumar Singh R/O B-254 block-B Rajveer Colony Gharoli Extension, Vasundhra Enclave East Delhi110096 Have changed my name to Gayatri Singh for all the future purposes.

NAME CHANGE
I, Mukesh Singh s/o Devender Singh R/O B-293, Prem Nagar-2, Gali No.7, Kataria Road, Suleman Nagar, Kirari, Delhi-110086, have changed my name to Mukesh Kumar permanently

NAME CHANGE
I, Pooja Sinha w/o Mukesh Kumar R/O B-293, Prem Nagar-2, Gali No.7, Kataria Road, Suleman Nagar, Kirari, Delhi-110086, have changed my name to Pooja Kumari permanently

NAME CHANGE
I, YOGENDRA KUMAR S/o BRAJPAL SINGH, R/o C-401, TYPE-III, POLICE STAFF QUARTERS, PUNJABI BAGH Delhi-110026, have changed the name of my minor daughter namely SUHANI, aged 10 years and she shall hereafter be known as SUHANI SINGH.

NAME CHANGE
I hitherto known as Mahalaxmi Bhandari W/O Santosh Bhandari, R/O BHAGWAN MAHAVIR , MEMORIAL SAMITI, NEAR SOUTH CAMPUS, ANAND NIKETAN, Chanakya Puri, South West Delhi, Delhi, 110021, have changed my name and shall hereafter be known as Laxmi Bhandari.

NAME CHANGE
I, SONTKKE SATISH MAROTRAO S/o MAROTRAO R/o VILL-WANI PIMPALGOAN, PO-SHIKH RAJURA, TEHSIL-PALAM, DIST-PARBHANI, MAHARASHTRA-431720, have change my daughter's name from SHRAVANI SATISH SONTAKKE to SONTKKE SHRAVANI SATISH for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SONTKKE SATISH MAROTRAO S/o MAROTRAO R/o VILL-WANI PIMPALGOAN, PO-SHIKH RAJURA, TEHSIL-PALAM, DIST-PARBHANI, MAHARASHTRA-431720, have change my son's name from SONTAKKE SIDDHANT SATISH to SONTKKE SIDDHANT SATISH for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Santosh Kumar Singh S/o Siyasharan Singh R/o Kh.No-522, Near Sheela Bua Mandir, Ali Pur, North West Delhi, Delhi-110036 declare that name of mine has been wrongly written as Santosh Kumar in my minor son Krishna Kumar Singh aged 16 years in his 10th Class Educational Documents. The actual name of mine is Santosh Kumar Singh.

NAME CHANGE
I, Ritu Tyagi D/O Sonath Singh Tyagi W/O Kamal Kant Kaushaik R/O E-016 1st floor Gulshan Bellina, Near Ek Murti Chowk GH-02A Sector 16B Greater Noida West Gautam Budha Nagar Uttar Pradesh 201301 Have changed my name to Ritu Kaushik for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
M/s Macro Builders Pvt. Ltd. Owner of the Residential Plot/ House no 108 , Block -A , in U.P. Resident Co-Operative Housing Board Society Ltd., Sector -40, Noida, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P. , M/s Macro Builders Pvt. Ltd. have lost Original Allotment Letter dated 22.06.1994 issued by NOIDA in favour of Mr. K.P. Singh, for which complaint lodged to the police. That any person(s)/Appropriate authority etc. if find the misplaced Original Allotment letter aforesaid said person may come forward and inform the undersigned within 15 days from the date of Publication.
RAHUL KUMAR GUPTA (ADVOCATE)
Off.: 43B, Third Floor, Patpargang Village, Mayur Vihar Phase-I, Delhi-1
M-NO- 7252922875

NAME CHANGE
I Md Jahan S/O: Md. Rihasat Khan, R/O 10 futa gali, near chand masjid, pooja colony, Loni Dehat, Ghaziabad, Loni, Uttar Pradesh, 201102, have changed the name of my minor son namely Sharun15 years and he shall hereafter be known as SHAHARUKH.

NAME CHANGE
I, BELARANI SINHABABU Mother of No. 15437592M Rank-HAV/ORA Name-RAJES SINHABABU Presently residing at VILL-JOGMOHANPUR, PO-HETYAGARA, TEH-KHATRA, DIST-BANKURA, WEST BENGAL-722151, have changed my name from BELARANI SINHABABU to BELA SINHA BABU for all future purposes vide Affidavit dated 25/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 14849052X Rank-NK Name-A NARESH Father of A VAISHNAVI residing at VILL-WANALPAHAD, PO-SUNKLI, TEH-MODHOL, DIST-NIRMAL, TELANGANA-504109, have changed my minor daughter's name from A VAISHNAVI to ALEVAR VAISHNAVI for all future purposes vide Affidavit dated 25/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CORRECTION
I SATAYPAL, S/O ROOP CHAND, R/O A2/60/13, PHASE-5 KALI MATA MANDIR WALI GALI, AYA NAGAR EXTN., NEW DELHI -110047, DECLARE THAT MY NAME IS WRONGLY WRITTEN SATYAPAL, IN MY DAUGHTER'S (NIKITA YADAV) SCHOOL RECORD, WHILE MY RIGHT NAME IS SATAYPAL

NAME CHANGE
I, hitherto known as Madhu W/O Kamal Kishore, R/O D-1035-36 J.J.COLONY, NANGLOI, Tikri Kalan, West Delhi, Delhi, 110041, have changed my name and shall hereafter be known as RATI KISHOR

NAME CHANGE
I, NO-15696983Y RANK-HAV NAME-SOLANKI VIJAY KUMAR MULABHAI S/o MULABHAI permanently residing at VPO-MOTA KHANPUR, TEHSIL-KHANPUR, DIST-MAHISAGAR, GUJARAT-389230, have changed my name from SOLANKI VIJAY KUMAR MULABHAI to SOLANKI VIJAYKUMAR MULABHAI for all future purposes vide Affidavit dated 25/06/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Mr. Vivek Srivastava Owner of the Residential Flat/Dwelling Unit no. C-62, Block- 1, on Second floor, Phase-III, , Kendriya Vihar -II, Sector-82, Noida, G.B. Nagar, U.P. , Mr. Vivek Srivastava have lost Original 100 rupees 1 stamp paper of sub lease deed By New Okhla Industrial Development Authority AND Central Government Employees Welfare Housing Organization In favour of Mr. Vivek Srivastava . vide regd. Doc No. 8500, Book No.1, Vol no.2967, on pages 145-200, dated 24.10.2011, for which complaint lodged to the police. That any person(s)/Appropriate authority etc. if find the misplaced Original 100 rupees 1 stamp paper aforesaid said person may come forward and inform the undersigned within 15 days from the date of Publication.
RAHUL KUMAR GUPTA (ADVOCATE)
Off.: 43B, Third Floor, Patpargang Village, Mayur Vihar Phase-I, Delhi-1
M-NO- 7252922875

NAME CHANGE
I, No. 6495071H Rank-HAV/CHEF Name-SANJAY JANA Presently residing at VILL-DAMODAR PUR, TEH-CONTAI, DIST-EAST MEDINIPUR, WEST BENGAL-721446, have changed my father's name from SUDHANGSHU JANA to SUDHANSHU JANA for all future purposes vide Affidavit dated 25/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 6495071H Rank-HAV/CHEF Name-SANJAY JANA Presently residing at VILL-DAMODAR PUR, TEH-CONTAI, DIST-EAST MEDINIPUR, WEST BENGAL-721446, have changed my mother's name from SHANDAJANA to SANDHYA RANI JANA for all future purposes vide Affidavit dated 25/06/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Manish Jajoriya S/o Anil Kumar R/o H.No-G-88, Meer Vihar, Mubarak Pur Dabas, Mubarak Pur Dabas, North West Delhi, Delhi-110081 declare that name of mine and my father has been wrongly written as Manish and Anil in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of mine and my father are Manish Jajoriya and Anil Kumar.

NAME CHANGE
I, No-4590637K Rank-SEP Name-NIKAM RAMCHANDRA SHIVRAM Father of NIKAM ERA RAMCHANDRA residing at VPO-SHIRASGAON, TEH-CHALISGAON, DIST-JALGAON, MAHARASHTRA-424116, have changed my minor daughter's name from NIKAM ERA RAMCHANDRA to NIKAM IRA RAMCHANDRA for all future purposes vide Affidavit dated 25/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, KUSHUM SINGH Mother of No. 15691095A Rank-HAV, Name-DILIP KUMAR SINGH R/o VPO-DULLAHPUR, TEH-SIMRI, DIST-BUXAR, BIHAR-802118, have changed my name from KUSHUM SINGH to KUSUMA DEVI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1953 instead of my correct date of birth as 05/08/1950 Vide Affidavit dated 25/06/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I DEVINDER SINGH S/O CHANDER SINGH R/O H.N0-887 MUNDA MOHALLA, VILLAGE KHERI KALAN, FARIDABAD, HARYANA-12002 HAVE CHANGE MY NAME TO DEVENDER SINGH FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I, SWARNALI MANDAL Wife of No. 14840244N Rank-HAV/MT Name-ANATH MONDAL Presently residing at VILL-BAKJURI, TEH-BASHIRHAT, DIST-SOUTH 24 PARGANAS, WEST BENGAL-743425, have changed my name from SWARNALI MANDAL to SWARNALI MONDAL for all future purposes vide Affidavit dated 25/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-783779K Rank-NB SUB Name-GAWALE RAKESH HILAL Presently residing at VILL-AKLAD, PO-MORANE PR-NER, TEH+DIST-DHULE, MAHARASHTRA-424302, have changed my wife's name from SARALA to SARALA RAKESH GAWALE for all future purposes vide Affidavit dated 25/06/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Sarfaraj Alam S/O: Md Subhan Ali, R/O H 16/896, Block H 16, Gali No 5 ,Pyare Lal Road, Bapa Nagar, Karol Bagh, Central Delhi, Delhi, 110005, declare that name of mine has been wrongly written as Mohd Sarfaraj Alam in my minor daughter namely Kahkasha Parveen aged 13 years in her birth certificate no MCDOLIR 0113-005718515. The actual name of mine is Sarfaraj Alam, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Kanchid S/O Ram Lal, R/O Plot No-110, Block-c, Near Hanuman Chowk, Rajeev Nagar Extension, Begumpur, Begumpur, Saraswati Vihar, North West Delhi, Delhi-110086,declare that name of mine has been wrongly written as Kanchhid in my PPO NO 24680. The actual name of mine is KANCHID, Respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, ANJU SINGH W/o JITENDRA SINGH, R/o Kh.No. 28/23/2, Near Shivalaya Mandir, Badli, PO: Samai Pur, Dist. North West Delhi, Delhi-110042, declare that name of my husband has been wrongly written as JITENDER in my minor daughter namely ANSHIKA SINGH aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of my husband is JITENDRA SINGH.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client Mr. Kishor Singh is purchasing the Second Floor, without roof rights, area measuring 54 Sq. Yds. 45.15 Sq. Mtrs., part of built-up property bearing Plot No. T-57-58, out of Khasra No. 28, situated in revenue estate of Village Bindapur, area abadi known as colony South Extn., Part -III, T- Block, Uttam Nagar, New Delhi -110059 from Shri Lokesh Kumar who is the owner of the property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 17.06.2024 and Intend to mortgage the said property with Aditya Birla Housing Finance Ltd, . Public is being warned not to deal with the said document. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony, New Delhi-110048
Contact #011-49774545

NAME CHANGE
I, SUHAGH DEVI Mother of No-15723931P Rank-HAV Name-SANJEEV YADAV Presently residing at VILL-JOSHI NAGAR ETAWAH ROAD, PO-BHIND, TEHSIL & DISTT-BHIND, MADHYA PRADESH-477001, have changed my name from SUHAGH DEVI to SUHAGA DEVI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 10/10/1967 instead of my correct date of birth 01/01/1969 vide Affidavit dated 25/06/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, JANVED SINGH YADAV Father of No-15723931P Rank-HAV Name-SANJEEV YADAV Presently residing at VILL-JOSHI NAGAR ETAWAH ROAD, PO-BHIND, TEHSIL & DISTT-BHIND, MADHYA PRADESH-477001, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 05/06/1964 instead of my correct date of birth 05/01/1968 vide Affidavit dated 25/06/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Sarfaraj Alam S/O: Md Subhan Ali, R/O H 16/896, Block H 16, Gali No 5 ,Pyare Lal Road, Bapa Nagar, Karol Bagh, Central Delhi, Delhi, 110005, declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as Mohd Sarfaraj Alam and Mohd Ahmad Raza in my minor son namely Ahmed Raza aged 17 years in his birth certificate no MCDOLIR 0113-005595701. The actual name of mine and my minor son are Sarfaraj Alam and Ahmed Raza ,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I GARIMA W/O PULKIT GUPTA R/O 3838/7 KANHAYA NAGAR TRI NAGAR DELHI 110035 HAVE CHANGED MY NAME TO GARIMA SINGH GUPTA

NAME CHANGE
It is for general information that I, URMILA D/o PURAN SINGH R/o House No. 6C, Sahipur, Shalimar Bagh, PO: Shalimar Bagh, Dist. North West Delhi, Delhi-110088, declare that name of my father and my mother have been wrongly written as POORAN SINGH NEGI and HEMA DEVI in my 10th and 12th class Educational Documents and my Birth Certificate Registration No. 7530. The actual name of my father and mother are PURAN SINGH and HEEMA DEVI respectively.

NAME CHANGE
I AJAY RANA S/O Jagdish Chand,R/O Permanent Address VILLAGE KHANEU P.O. JOL LAMBARI TEHSIL SUJANPUR, Khanehu (60/8), Hamirpur, Himachal Pradesh 176111,Present adress Kh no 1193 ,1194 flat no 102 first floor Sai kunj vill Kapashera new delhi 110037. have changed the name of my minor daughter namely Akshita aged 14 years and she shall hereafter be known as Ishita.

सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री रोहित कुमार गुप्ता (50% शेयर के मालिक और स्वर्गीय श्री जितेंद्र कुमार गुप्ता के 25% शेयर के कानूनी वारिस) और श्रीमती कमलेश गुप्ता (स्वर्गीय श्री जितेंद्र कुमार गुप्ता के 25% शेयर की कानूनी वारिस), जो फ्लैट संख्या B2-902, 9वीं मंजिल, सुपर एरिया 1265 वर्ग फुट, रिहायशी ग्रुप हाउसिंग कॉम्प्लेक्स 'सेवियर पार्क', लोनी रोड, गाँव करहेड़ा, परगना लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित के मलिक है। प्रारंभ में, मेसर्स सवफैब बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड ने उक्त संपत्ति श्री जितेंद्र कुमार गुप्ता और श्री रोहित गुप्ता को आवंटित की, बाद में, मेसर्स सवफैब बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा उक्त संपत्ति के संबंध में श्री जितेंद्र कुमार गुप्ता पुत्र स्वर्गीय श्री नंद किशोर गुप्ता और श्री रोहित गुप्ता पुत्र श्री जितेंद्र कुमार गुप्ता के पक्ष में दिनांक 29.06.2018 को बिक्री विलेख निष्पादित किया। दस्तावेज संख्या 4961, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 13657 के पृष्ठ संख्या 277 से 312 पर दिनांक 29.06.2018 को SR-III-गाजियाबाद। बाद में, श्री जितेंद्र कुमार गुप्ता अपने कानूनी उत्तराधिकारियों (1) श्रीमती कमलेश गुप्ता और (2) श्री रोहित कुमार गुप्ता को पीछे छोड़ते हुए मर गए, जो उक्त संपत्ति को इच्छित उधारकर्ता को बेचना चाहते हैं, जो एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड के पास अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त अचल संपत्ति को गिरवी रखेगा। जिस किसी को भी उक्त गिरवी पर कोई आपत्ति है या किसी का संपत्ति पर दावा, अधिकार या हित है, वह 07 दिनों के भीतर आपत्ति के साथ नीचे दिए गए हस्ताक्षरकर्ता से संपर्क करे, अन्यथा यह माना जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।
नई दिल्ली
दिनांक: 25/6/2025
प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

किन्नर समाज की मनमानी को लेकर डीएसपी को सौंपा ज्ञापन

सिरसा। किन्नर समाज की मनमानी को रोकने की मांग को लेकर लोगों ने सिरसा के डीएसपी आदर्शदीप सिंह को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में किन्नर समाज की नाजायज मांगों पर रोक लगाने की मांग की गई है। अखिल भारतीय अरोड़ा एकता परिवार के अध्यक्ष भारत भूषण ऐलावादी ने बताया कि किन्नर समाज परिवार के खुशी के मौकों पर अचानक पहुंचकर उनके सामने नाजायज मांगें रखता है जिसे लोकलाज व किन्नर समाज की बद्दुओं के भय से पूरा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। उन्होंने बताया कि अरोड़ा एकता परिवार ने निर्णय लिया है कि अब किन्नर समाज की नाजायज मांगों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ज्ञापन में किन्नर समाज की ज्यादतियों को रोकने का आग्रह किया गया है तथा पुलिस अधीक्षक से आग्रह किया गया है कि वे किन्नर समाज को समाज द्वारा निर्धारित राशि लेने के लिए बाध्य किया जाए। भारत भूषण ऐलावादी ने बताया कि किन्नर समाज के लोग टोली में आते हैं और मनमानी बधाई न मिलने पर परिवार को लज्जा का सामना करना पड़ता है, इसलिए हर छोटी-बड़ी खुशी के लिए एक निर्धारित राशि तय होनी चाहिए ताकि खुशी के मौके पर किसी भी परिवार को परेशानी न हो। शिष्टमंडल ने डीएसपी को बताया कि कभी-कभार तो दो-तीन किन्नरों की टोलियां आ जाती हैं और उन्हें बधाई देनी पड़ती है।

सोनीपत में कोरोना की दस्तक, सीएमओ हुई संक्रमित, स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

सोनीपत। जिले में कोरोना वायरल ने एक बार फिर दस्तक दी है। सिविल अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. ज्योत्सना की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। रिपोर्ट के बाद उन्हें क्वारैंटाइन कर दिया गया है। यह जिले में कोरोना का तीसरा मामला है, जिससे स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों को अलर्ट रहने और सभी जरूरी एहतियात बरतने के निर्देश दिए गए हैं। सिविल अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. ज्योत्सना ने अपने को अस्वस्थ महसूस करने पर सोमवार को जांच कराई थी। संक्रमण की पुष्टि के लिए उनका सैंपल खानपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया था। जांच रिपोर्ट आने तक वे होम आइसोलेशन में थीं, लेकिन आज रिपोर्ट पॉजिटिव आने से विभाग में हड़कंप मच गया। चिकित्सकों की सलाह पर वे आवास पर एक सप्ताह के लिण् क्वारैंटाइन में हैं। अब स्वास्थ्य विभाग की टीम उनसे संपर्क में आने वाले लोगों की सूची तैयार कर रही है। इन लोगों की भी जांच कराई जाएगी ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। सीएमओ के संक्रमित होने का सीधा प्रभाव स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर पड़ा है। सीएमओ की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद जिले में सतर्कता बढ़ा दी गई है। सभी कर्मचारियों को मास्क पहनने, सैनिटाइजर के प्रयोग और सामाजिक दूरी बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

सीडीएलयू के कुलपति ने सीएम से की मुलाकात

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की। सीडीएलयू के प्रवक्ता ने बताया कि नियुक्ति के बाद सीएम के साथ कुलपति की यह पहली औपचारिक मुलाकात है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय को न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होना चाहिए, बल्कि शोध और विस्तार गतिविधियों में भी नए कीर्तिमान स्थापित करने चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि कुलपति के नेतृत्व में सीडीएलयू इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति करेगा। सीएम और वीसी की इस मुलाकात के दौरान विश्वविद्यालय के विकास और भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कुलपति को उद्योग जगत की मांग के अनुरूप नवीन पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय में शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) को भी प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। कुलपति प्रो. विजय कुमार ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय प्रशासन उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ शोध और सामाजिक विस्तार में भी उत्कृष्टता प्राप्त करना होगा।

पलवल में हुई पुलिस मुठभेड़ की मजिस्ट्रेट जांच शुरू

पलवल। पलवल में बीती दो फरवरी को हुए चर्चित पुलिस मुठभेड़ की जांच अब एसडीएम करेंगी। इस मुठभेड़ में दो ईनामी बदमाश मारे गए थे। मंगलवार को एसडीएम ज्योति ने आम जन को अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति या चश्मदीद गवाह इस मुठभेड़ से जुड़ी जानकारी या बयान देना चाहता है, तो वह आगामी एक सप्ताह के भीतर एसडीएम कार्यालय, पलवल में संपर्क कर अपना बयान दर्ज करा सकता है। मृतक बदमाशों की पहचान रेवाड़ी के भाखली माजरा निवासी जोरावर उर्फ हाबडिया और कुंडली निवासी नीरज उर्फ निरिया के रूप में हुई थी। यह दोनों अपराधी 19 जनवरी की रात को महेशपुर गांव के कृष्णा ढाबे पर जौहरखेड़ा के सरपंच मनोज और जैनपुर निवासी रॉकी पर फायरिंग की वारदात में वांछित थे। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे।

प्रदेश के सभी बूथों पर सुना जाए मन की बात कार्यक्रम : सैनी

कार्यकर्ता पीएम मोदी की मन की बात कार्यक्रम को सुनें और लोगों के साथ मन की बात करें

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए हरियाणा को विकसित राज्य बनाएंगे। मुख्यमंत्री सैनी पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय ''मन की बात' कार्यक्रम को लेकर आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यकर्ता सभी बूथों पर 100 प्रतिशत पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात भी सुनें और लोगों के

साथ मन की बात भी करें। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता कर्मठ और कर्तव्यनिष्ठ हैं। कार्यकर्ताओं की मेहनत और परिश्रम के कारण ही केंद्र और हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि कार्यकर्ता सभी बूथों पर 100 प्रतिशत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात को सुनना सुनिश्चित करें।सैनी ने कहा कि ''मन की बात'' कार्यक्रम राजनीति से ऊपर उठकर है। मन की बात कार्यक्रम के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाज व देश के लिए अच्छा काम करने वालों को प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के बाद कार्यकर्ताओं में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। सीएम सैनी ने कहा कि पीएम मोदी की अगुवाई में देश विकास के रास्तों पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 70 वर्ष से अधिक उम्र के जिन लोगों के आयुष्मान कार्ड नहीं बनें हैं उनका कार्यकर्ता आयुष्मान कार्ड बनवाने में मदद करें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता स्वयं भी पौधे लगाएं और दूसरे लोगों को भी एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तरक्की कर रहा है। कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा हर बूथ पर लोगों को मोदी और हरियाणा भाजपा सरकार की उपलब्धियां बताएं और योजनाओं से लोगों को अवगत कराएंकार्यशाला को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने भी संबोधित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को जनमानस से आत्मीय जुड़ाव का सशक्त माध्यम बताया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''मन की बात'' कार्यक्रम केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि जनमानस से आत्मीय जुड़ाव का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम सेवा, प्रेरणा और राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृद्ध करता है। कार्यशाला में बड़ौली ने अच्छा काम करने वाले कार्यकर्ताओं की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि पिछली बार 17 हजार 663 बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को सुना और अपलोड किया गया। इस बार कार्यकर्ता 20 हजार 629 बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को सुनें और अपलोड कर हरियाणा को नंबर-1 बनाएं।

हिसार महापंचायत में छात्रों का ऐलान,कुलपति को नहीं हटाया तो 27 को करेंगे विवि के सभी गेट बंद

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खिलाफ विद्यार्थियों द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन की कड़ी में मंगलवार को छात्र न्याय पंचायत का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न दलों व संगठनों के प्रतिनिधियों ने पहुंचकर छात्रों को अपना समर्थन दिया। छात्र न्याय पंचायत के दौरान ऐलान किया गया कि छात्र केवल दो दिन 26 जून तक इंतजार करेंगे। इस दौरान यदि एचएयू के कुलपति को नहीं हटाया गया तो 27 जून को विश्वविद्यालय के चारों गेट बंद किए जाएंगे। छात्रों को समर्थन देने के लिए विभिन्न किसान संगठन, खाप और राजनीतिक दल के प्रतिनिधि भी पहुंचे।

एक बेहतर मंच साबित होगा निकायों का राष्ट्रीय सम्मेलनः हरविन्द्र कल्याण

एजेंसी

चंडीगढ़। देश में पहली बार हो रहे शहरी स्थानीय निकायों का राष्ट्रीय सम्मेलन श्रेष्ठ प्रथाओं के आदान-प्रदान और अनुभव साझा करने का बेहतर मंच साबित होगा। इससे पूरे देश में शहरी प्रशासन को और अधिक सक्षम व उत्तरदायी बनाने में मदद मिलेगी। यह बात हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने विधानसभा सचिवालय में सभी नोडल अधिकारियों की बैठक में कही। यह बैठक सम्मेलन से संबंधित तैयारियों की गहन समीक्षा के लिए बुलाई गई थी।

इससे पूर्व विस अध्यक्ष ने हरियाणा सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी बैठक की। इस बैठक में शहरी स्थानीय निकाय विभाग के सचिव एवं आयुक्त विकास गुप्ता, सूचना एवं जन संपर्क विभाग के महानिदेशक के.एम. पांडुरंग, अतिरिक्त निदेशक विवेक कालिया उपस्थित रहे। सम्मेलन 3 और 4 जुलाई को गुरुग्राम जिले के मानेसर स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी परिसर में होगा। देशभर से शहरी स्थानीय निकायों से जुड़े जनप्रतिनिधि, नीति निर्माता, शहरी विकास विशेषज्ञ, प्रशासक और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष कल्याण ने स्पष्ट

किया कि सम्मेलन की हर व्यवस्था सुव्यवस्थित, समयबद्ध और गुणवत्ता पूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर विभाग के लिए नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं, जो अपनी-अपनी जिम्मेदारी के प्रति उत्तरदायी होंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि सम्मेलन में आने वाले प्रतिनिधियों के आवास, परिवहन, भोजन, सुरक्षा, जन-संपर्क और कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाएं उच्च स्तर की हों। उन्होंने कहा कि सम्मेलन हरियाणा की प्रतिष्ठा से जुड़ा है और इसकी सफलता के लिए हम सबकी सामूहिक सहभागिता और कर्तव्यपरायणता आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि वे अपने समकक्ष लोक सभा सचिवालय और गुरुग्राम जिला प्रशासन के सभी विभागों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखें और हर छोटी-बड़ी आवश्यकता की पूर्ति सुनिश्चित करें। विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि यह सम्मेलन शहरी विकास, स्थानीय स्वशासन, स्मार्ट सिटी योजनाओं, नागरिक सुविधाओं के सशक्तिकरण तथा सतत शहरी प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित रहेगा।

निजीकरण के विरोध में 9 जुलाई को राष्ट्र व्यापी हड़ताल पर रहेंगे बिजली कर्मचारी व अभियंता

एजेंसी

चंडीगढ़। बिजली कर्मचारियों एवं अभियंताओं की सर्वोच्च बॉडी नेशनल कोआर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी एम्पलाइज एंड इंजीनियर के बैनर तले चंडीगढ़ में उत्तरी जोन के राज्यों के बिजली कर्मचारियों की कन्वेंशन का आयोजन किया गया। इस कन्वेंशन में बिजली निजीकरण के विरोध में सभी संगठनों ने 9 जुलाई को बिजली कर्मचारियों ने राष्ट्र व्यापी हड़ताल पर रहने का ऐलान किया। इस कन्वेंशन में एनसीसीओईईई के संयोजक एवं ईईएफआई के जनरल सेकेट्री सुदीप दत्ता, इलेक्ट्रिसिटी एम्पलाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष लाम्बा, एचपीएसईबी (हिमाचल) के प्रधान कामेश्वर शर्मा व राज्य प्रधान सुरेश राठी ने संयुक्त रूप से एक बयान जारी कर कहा कि 9 जुलाई को हरियाणा में सभी संगठन एकजुटता के साथ बिजली कर्मचारी सफल हड़ताल करेंगे, जिसकी तैयारियां चल रही है। कन्वेंशन में सर्वसम्मत से बिजली निजीकरण और बिजली कर्मचारियों की मांगों के समर्थन में 9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल करने का ऐलान किया गया। हड़ताल की सफलता के लिए देशभर में कंज्यूमर व कर्मचारियों की संयुक्त सभाएं करने का ऐलान किया गया। कन्वेंशन में हरियाणा, पंजाब, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, चंडीगढ़, राजस्थान से बड़ी संख्या में

पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और कमेटी के संयोजक सुदीप दत्ता के हड़ताल के पेश किए प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। कन्वेंशन में उप्र सरकार के पूर्वांचल व दक्षिणांचल डिस्कॉम के निजीकरण के फैसले की घोर निंदा की गई और उप्र बिजली कर्मचारियों के चल रहे आंदोलन के समर्थन में 9 जुलाई को देशभर में एकजुटता प्रदर्शन करने का फैसला किया। नेशनल कोआर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी एम्पलाइज एंड इंजीनियर के संयोजक एवं ईईएफआई के जनरल सेक्रेटरी ने कहा कि केंद्र सरकार बिजली क्षेत्र को निजी हाथों में सौंपने की जल्दबाजी में है। इसलिए मंत्रियों का समूह बनाया गया है। मानसून सत्र में संसद में बिल पेश करने की तैयारी है। जिसके खिलाफ 27 लाख बिजली कर्मी और अभियंता 9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल करेंगे। ईईएफआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष लांबा ने कहा कि बिजली सरकार के लिए सेवा है और निजी कंपनी के लिए व्यापार है।

बल्क वेस्ट जनरेटर्स को ठोस कचरा प्रबंधन व जल संरक्षण पर जोर

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के अतिरिक्त आयुक्त यश जालुका ने नगर निगम सीमा में स्थित बल्क वेस्ट जनरेटर्स (बीडब्ल्यूजी) के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक का उद्देश्य ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2016 के तहत बीडब्ल्यूजी की जिम्मेदारियों को स्पष्ट करना और पर्यावरणीय संतुलन को बेहतर बनाने के प्रयासों को गति देना था। अतिरिक्त निगमायुक्त यश जालुका ने बताया कि जिन इकाइयों में प्रतिदिन 100 किलोग्राम या उससे अधिक कचरा उत्पन्न होता है अथवा जिनका क्षेत्रफल 5000 वर्ग मीटर या अधिक है, उन्हें बल्क वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में रखा गया है। ऐसे संस्थानों और आवासीय परिसरों के लिए अपने परिसर में ही कचरे का निस्तारण करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि बीडब्ल्यूजी अपने यहां से निकलने वाले गीले, सूखे और

हानिकारक कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में प्राथमिक स्तर पर ही अलग कराएं। गीले कचरे से खाद तैयार कर उसका उपयोग परिसर की हरियाली के लिए करें तथा सूखे व हानिकारक कचरे का निस्तारण अधिकृत रिसायकर्ल एजेंसी के माध्यम से सुनिश्चित करें। एक अनुमान के अनुसार, नगर निगम गुरुग्राम क्षेत्र में प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले कचरे में से लगभग 500 टन कचरा बल्क वेस्ट जनरेटर्स द्वारा उत्पन्न किया जाता है। बैठक में अतिरिक्त निगमायुक्त ने इस बात पर जोर दिया कि बीडब्ल्यूजी न केवल कचरे के उचित प्रबंधन को अपनाएं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करें कि जिन एजेंसियों को वे कचरा सौंपते हैं, वे उसका सही और पर्यावरण के अनुकूल निस्तारण कर रही हैं या नहीं। बैठक के दौरान सेक्टर-47 स्थित पार्क व्यू स्पा सोसाइटी द्वारा किए जा रहे सर्वोत्तम कचरा प्रबंधन की एक वीडियो प्रस्तुति भी दी गई, जिसमें सोसाइटी द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया और तकनीकों को दर्शाया गया। अतिरिक्त निगमायुक्त ने अन्य बीडब्ल्यूजी को भी इससे प्रेरणा लेने की सलाह दी।

कानून व्यवस्था को लेकर जीरो टोरलेंस की नीति अपनाई जाए

एजेंसी

जींद। प्रदेश में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से राज्य स्तर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) हरियाणा सरकार की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक के उपरांत स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में एडीसी विवेक आर्य की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह, नगराधीश डा. आशीष देशवाल सहित संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

एडीसी विवेक आर्य ने निर्देश दिए कि जिला में कानून व्यवस्था को लेकर शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जाए और किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि या अव्यवस्था को कतई बर्दाश्त न किया जाए। आमजन की सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी प्रकार का अवैध मूवमेंट विशेषकर हथियारों और संवेदनशील व्यक्तियों से जुड़ी गतिविधियों पर सख्त नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रशासन और पुलिस विभाग समन्वय बना कर नीलामी प्रक्रिया को पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराएं ताकि शराब ठेकों की नीलामी से उत्पन्न होने वाली संभावित अव्यवस्थाओं व आपसी टकराव की आशंकाओं को कम किया जा सके। उन्होंने विशेष टास्क फोर्स की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया।

निगमायुक्त ने जन शिकायतों को लेकर अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया ने अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में जन शिकायतों के समाधान को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों का समाधान पूरी गंभीरता और तत्परता के साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर समस्या का समाधान संभव है, बशर्ते कि उसे सही प्रक्रिया और समर्पण के साथ सुलझाया जाए। बैठक में जीएमडीए आईसीसीसी, पीएम विंडो, सीएम विंडो, समीर पोर्टल, एसएमजीटी, स्वच्छ सिटी पोर्टल सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त होने वाली शिकायतों की समीक्षा की गई। निगमायुक्त ने कहा कि नगर निगम को जनता की समस्याओं के समाधान की जिम्मेदारी मिली है, जिसे बिना किसी लापरवाही के निभाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन शिकायतों का समाधान हो चुका है, उनकी जानकारी संबंधित पोर्टल पर तत्काल अपडेट की जाए। इससे न केवल पारदर्शिता बनी रहेगी, बल्कि

जनता का विश्वास भी निगम प्रशासन पर और मजबूत होगा। इस कार्य की निगरानी की जिम्मेदारी संयुक्त आयुक्त और चीफ इंजीनियर को सौंपी गई है।

अतिक्रमण और अवैध निर्माण पर होगी सख्त कार्रवाई

बैठक में निगमायुक्त ने शहर की सडक़ों, फुटपाथों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के कारण आम नागरिकों, विशेषकर वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को भारी परेशानी होती है। साथ ही यह सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी चिंता का विषय है। इसलिए अतिक्रमण और अवैध निर्माण पर प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। निगमायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि जनसंवाद, समाधान शिविर, एसएमजीटी और सीएम विंडो के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए। इससे प्रशासन की कार्यक्षमता और नागरिकों की संतुष्टि दोनों में सुधार होगा।

कालांवाली नगरपालिका चुनावः पोलिंग पार्टियों को दी ट्रेनिंग

एजेंसी

सिरसा। नगरपालिका कालांवाली के आम चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न करवाने के लिए सीडीएलयू में पोलिंग पार्टियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम कालांवाली मोहित कुमार, सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं तहसीलदार रानियां शुभम शर्मा व नायब तहसीलदार कर्मपाल सिंह भी मौजूद रहे। इस दौरान मास्टर ट्रेनर प्रेम कुमार ने सभी पीठासीन अधिकारी एवं पोलिंग पार्टियों को उनके प्रत्येक कार्य और जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पोलिंग पार्टियों को ईवीएम व वीवीपैट मशीनों के संचालन के बारे में भी बताया गया व उन्हें मौके पर ही हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग भी दी गई। रिटर्निंग अधिकारी मोहित कुमार ने कहा कि चुनाव के दौरान पीठासीन अधिकारी एवं पोलिंग पार्टियां व सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि पीओ हैंडबुक में वे सारी हिदायतें व नियम लिखे हैं जिनकी जानकारी चुनाव करवाने वाले अधिकारी को होनी जरूरी है। उन्होंने बताया कि 29 जून को कालांवाली नगरपालिका चुनाव की मतदान प्रक्रिया होगी, 30 जून को मतगणना का कार्य होगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई समस्या आती है तो उसे अपने स्तर पर हल करें, यदि समाधान नहीं होता तो उच्च अधिकारियों को संपर्क करें। मास्टर ट्रेनर प्रेम कुमार ने धिकारियों को मतदान केंद्र की कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट वीवीपैट यूनिट की जांच, मॉक पोल, मतदान सामग्री प्राप्त करना, मिलान करना व मतदान सामग्री की जांच करने की विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने कर्मियों को सामग्री प्राप्त करने में बरतने वाली सावधानियां, बूथ पर बैठने की व्यवस्था, मतदान की प्रक्रिया, सील करने की प्रक्रिया, सभी तरह के मतदान में प्रयुक्त, पेपर सील करने का तरीका, पीओ के कार्य दायित्व के बारे में बताया।

पलवल में डीसी ने बारिश से पहले किया जलभराव संभावित क्षेत्रों का दौरा

एजेंसी

पलवल। दिल्ली-एनसीआर सहित पूरे हरियाणा में मानसून ने दस्तक दे दी है, और इसी के साथ पलवल में जलभराव की समस्या को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है। उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने शहर के विभिन्न इलाकों का दौरा किया और विशेष रूप से जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। डीसी ने अधिकारियों के साथ मिलकर पलवल-अलीगढ़ रोड का निरीक्षण किया, जहां बारिश के दौरान पानी भरने से यातायात बाधित होता है। धान मील के पास की स्थिति का जायजा लेते हुए डीसी ने निर्देश दिए कि इस क्षेत्र की पुरानी जलभराव समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। उन्होंने ड्रेनेज की नियमित सफाई और कैच पिट बनाने के आदेश दिए। साथ ही, गंदे पानी की निकासी को सीवर लाइन से जोड़ने के निर्देश भी दिए। पलवल-अलीगढ़ रोड पर लगभग 200 मीटर क्षेत्र में जलभराव से वाहन चालकों को परेशानी होती है। डीसी ने स्पष्ट किया कि इस समस्या के

समाधान से आसपास के मोहन नगर, राजीव नगर, शमशाबाद, इस्लामाबाद, हरिनगर, बसंतगढ़, नगला, बैंसलात और खादर के ग्रामीण क्षेत्रों को राहत मिलेगी।स्थानीय निवासियों ने बताया कि नाले कचरे से जाम पड़े हैं और पूर्व में दिए गए निर्देशों के बावजूद सफाई कार्य अधूरा है। डीसी ने इस पर नाराजगी जताते हुए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। उनका कहना था कि मानसून से पहले नालों की सफाई हो जानी चाहिए थी, लेकिन स्थिति अब भी जस की तस है। डॉ. वशिष्ठ ने राष्ट्रीय राजमार्ग -19 पर पप्पन प्लाजा, बस स्टैंड, किठवाड़ी चौक, रसूलपुर चौक और कुशलीपुर फ्लाईओवर के पास जलभराव की स्थिति का भी निरीक्षण किया। इन स्थानों पर पानी भरने से यातायात पर बुरा असर पड़ता है। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश के दौरान किसी भी स्थिति में हाईवे पर ट्रैफिक प्रभावित न हो, इसके लिए ठोस योजना बनाई जाए।

तन मन के स्वास्थ्य के लिए अपनाएं आयुष चिकित्साः डॉ. सुमन

एजेंसी

झज्जर। नागरिक अस्पताल बहादुरगढ़ में कार्यरत आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुमन देशवाल ने लोगों को स्थाई स्वस्थ तन और मन के लिए आयुष चिकित्सा पद्धति अपनाने की सलाह दी है। डॉ. सुमन देशवाल ने कहा कि वर्तमान दौर में भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति आयुष, विशेषकर पंचकर्म चिकित्सा विभिन्न बीमारियों के एक सशक्त समाधान के रूप में उभर रही है। शरीर, मन और आत्मा के समग्र स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कार्य करने वाली यह चिकित्सा प्रणाली न केवल बीमारियों के उपचार में सहायक है, बल्कि रोगों से बचाव, प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि और जीवन की गुणवत्ता सुधारने में भी प्रभावशाली सिद्ध हो रही है। इसी दिशा में, आयुष विंग बहादुरगढ़ में पंचकर्म चिकित्सा का अत्यंत सफल संचालन करते हुए लोगों को अनेक बीमारियों से उपचार प्रदान करते हुए स्वस्थ जीवन प्रदान किया जा रहा है। डॉ सुमन देशवाल ने बताया कि डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल के दिशा-निर्देशन में कार्य करते हुए आयुष विंग में विभिन्न प्रकार की शुद्धिकरण और उपचार प्रक्रियाएं अपनाकर रोगियों को विशेष लाभ प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पुरानी बीमारियों, प्रतिरक्षा विकारों, तथा जीवनशैली जनित रोगों का यहां जिन्हें पंचकर्म चिकित्सा के माध्यम से इलाज किया जा रहा है। प्रमुख पंचकर्म प्रक्रियाएं बस्ती, शिरोधारा, वामन चिकित्सा, विरेजना चिकित्सा, अग्निकर्म, रक्तमोक्षण व विद्ध कर्म आदि प्रमुख पंचकर्म प्रक्रियाएं जो केंद्र में संचालित हो रही हैं। आयुष विंग बहादुरगढ़ का यह प्रयास न केवल चिकित्सा के क्षेत्र में बल्कि जनजागरूकता और स्वास्थ्य-प्रोत्साहन की दिशा में भी सराहनीय है। यहाँ आने वाले रोगियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है, जो आयुर्वेदिक पद्धति पर उनके भरोसे को दर्शाती है।

NAME CHANGE

I,UMANNG GUPTA S/o PRAVEEN KUMAR GUPTA R/o H-368 A, Palam Vihar, Near Ansal Plaza, Palam Vihar Choma(62), Carterpuri Farrukhnagar, Gurgaon, Haryana-122017, have changed the name of my minor son RANBIR GUPTA aged 14 years and he shall hereafter be known as JIYANSH GUPTA.

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया तीन पैसी की गिरावट के साथ ही 86.08 रुपये पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 86.05 पर बंद हुआ था। रुपये में ये बढ़त तेल की कीमतों में गिरावट से आई हैं। इससे पहले गत दिवस सुबह डॉलर के मुकाबले रुपया 64 पैसे मज़बूत होकर 86.11 पर पहुंचा, जो सोमवार को 86.75 पर बंद हुआ था। यह 13 मई के बाद रुपया की सबसे बड़ी शुरुआती तेज़ी रही है। हालांकि जून महीने में अब तक रुपया कुल 0.61 फीसदी गिर चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान और इजराइल के बीच पूर्ण सीज़फायर की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। इससे भारत जैसे बड़े तेल आयातक देशों को राहत मिली है।

मंडी में हरे धनिया की भरपूर आवक फिर भी किसान हो रहा परेशान

मंडियों में 35 से 40 रुपए किलो बिक रहा, लागत भी नहीं मिल रही

नई दिल्ली।

बाजार में धनिया की भारी आवक से इसकी कीमतों में भारी गिरावट देखी गई। जैसे-जैसे कीमतें कम हो रही हैं, किसानों की समस्याएं बढ़ रही हैं। इस समय मंडियों में धनिया 35 से 40 रुपए किलो बिक रहा है जबकि इस दाम में किसानों को मेहनताना तक भी नहीं मिल पा रहा है। जौनसार बावर क्षेत्र में हरे धनिया की आवक हो रही है। क्षेत्र के किसान पिछले कुछ सालों से नगदी फसलों के साथ-साथ हरे धनिए का भी उत्पादन कर रहे हैं, लेकिन मंडी में धनिया की कीमत को लेकर किसानों की परेशानी बनी हुई है। हालत यह हैं कि किसानों को इसे मंडियों में लाने की लागत भी नहीं मिल रही है। किसानों का कहना है कि इस दाम में किसानों को निराई, गुड़ाई और बाजार तक अपने उत्पादन को पहुंचाने के बाद भी उचित दाम नहीं मिल रहे हैं, जबकि पिछले साल 100 से 150 रुपए प्रति किलो मंडियों में किसानों द्वारा हरा धनिया बेचा गया था, लेकिन इस बार किसान अपनी लागत भी नहीं निकाल पा रहे हैं। इससे कई निराश किसान अपनी उपज मंडी नहीं ले जा रहे हैं।

हुंडई एसयूवी वेन्यू का फेसलिफ्ट वर्जन लाने की तैयारी में

नईदिल्ली।

मारुति सुजुकी, हुंडई और महिंद्रा जैसी दिग्गज कंपनियां अगले कुछ महीनों में ग्राहकों को कई बेहतरीन विकल्प देने जा रही हैं। हुंडई अपनी लोकप्रिय एसयूवी वेन्यू का फेसलिफ्ट वर्जन लाने वाली है, जिसे भारत की सड़कों पर कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा जा चुका है। इस फेसलिफ्ट मॉडल में एक्सटीरियर को नया रूप देने के साथ ही आधुनिक फीचर्स जोड़े जाने की उम्मीद है। हालांकि, इंजन में कोई बड़ा बदलाव नहीं होने की संभावना है। रिपोर्ट्स के अनुसार यह कार साल के अंत तक लॉन्च हो सकती है। दूसरी ओर, महिंद्रा भी अपनी नई इलेक्ट्रिक कॉम्पैक्ट एसयूवी एक्सयूवी 3एक्सओ ईवी को लेकर चर्चा में है। यह कार एक्सयूवी 400 से नीचे पोजिशन की जाएगी और सीधा मुकाबला टाटा पंच ईवी से होगा। इसकी बैटरी एक बार चार्ज होने पर लगभग 400 किलोमीटर की रेंज देने में सक्षम हो सकती है। वहीं, देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी भी फ्रोंक्स का हाइब्रिड वर्जन लॉन्च करने की तैयारी में है। हाल ही में इसे टेस्टिंग के दौरान देखा गया है और इसमें 1.2 लीटर झेड12ई पेट्रोल इंजन के साथ हाइब्रिड सिस्टम मिलने की संभावना है। यह कार भी साल के अंत तक बाजार में दस्तक दे सकती है। इन तीनों एसयूवी के लॉन्च के बाद भारतीय ग्राहकों को कम बजट में बेहतर टेक्नोलॉजी और शानदार माइलेज वाले विकल्प मिल सकेंगे। बता दें कि भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में कॉम्पैक्ट एसयूवी की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में कई बड़ी कंपनियां अपनी नई-नई कॉम्पैक्ट एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में हैं।

गूगल ने 'एआई मोड इन सर्च' भारत में किया लॉन्च

अब यूजर्स लंबे और जटिल पूछ सकेंगे सवाल

नई दिल्ली।

गूगल ने भारत में अपने नए एआई-संचालित सर्च फीचर 'एआई मोड इन सर्च' की शुरुआत कर दी है। इस फीचर का पहले अमेरिका में परीक्षण किया जा चुका है और अब भारत में इसे गूगल लैंस के तहत एक प्रयोग के रूप में उपलब्ध कराया है। यह अंग्रेजी भाषा में ही इस्तेमाल किया जा सकता है। गूगल का दावा है कि यह फीचर लोगों के सर्च करने के तरीके को पूरी तरह से बदल देगा, क्योंकि अब यूजर्स लंबे और जटिल सवाल पूछ सकेंगे और उन्हें एआई द्वारा तैयार किए गए जवाब भरोसेमंद स्त्रोतों के लिंक के साथ मिलेंगे।

यह नया फीचर गूगल के मल्टीमॉडल एआई मॉडल जेमिनी 2.5 पर आधारित है। यूजर्स केवल टेक्स्ट ही नहीं, बल्कि गूगल लैंस के जरिए फोटो लेकर या अपलोड करके भी सवाल पूछ सकते हैं जैसे- कोई पौधे की फोटो लेकर उसकी देखभाल के तरीके पूछ सकता है, या फिर किसी टूटे सामान की तस्वीर भेजकर उसकी मरम्मत की सलाह ले सकता है। यह सुविधा एंड्रॉयड और आईओएस दोनों पर गूगल ऐप में उपलब्ध है।

गूगल का कहना है कि यह फीचर खासतौर पर उन जटिल सवालों के लिए है जिनके लिए पहले कई बार सर्च करना पड़ता था। चाहे स्मार्टफोन की तुलना करनी हो, ट्रिप प्लान करना हो या घरेलू काम सीखना हो- एआई मोड एक ही बार में विस्तृत जवाब देगा। साथ ही फॉलो-अप सवालों के लिए सुझाव और लिंक भी प्रदान करेगा। गूगल के मुताबिक यूजर्स अब दो से तीन गुना लंबी क्वेरी डाल रहे हैं, जिससे साबित होता है कि सर्च अब ज्यादा नेचुरल और डीटेल्ड दे रहा है।

27 जून को 7 दिनों की अवधि वाली वीआरआरआर की नीलामी करेगा आरबीआई

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) शुक्रवार यानी 27 जून को 7 दिनों की अवधि वाली वेरिएबल रेट रिवर्स रीपो (वीआरआरआर) की नीलामी करेगी। इसका उद्देश्य बैंकिंग सिस्टम में मौजूद अतिरिक्त नकदी को बाहर निकालना है। मौजूदा समय में वेटेड एवरेज कॉल रेट पॉलिसी रीपो रेट से नीचे है, जो नकदी अधिशेष का संकेत देता है। आरबीआई ने कहा कि वर्तमान और संभावित तरलता स्थितियों की समीक्षा के बाद यह फैसला किया गया है कि 27 जून को वीआरआरआर नीलामी की जाएगी। इसके साथ ही आरबीआई ने साफ किया कि 27 जून को 14 दिनों की मुख्य रिवर्स रीपो नीलामी नहीं की जाएगी। यह फैसला आने वाले पखवाड़े की नकदी स्थितियों को ध्यान में रखते हुए लिया है। पिछले दो हफ्तों में बैंकिंग सिस्टम में औसतन 2.5 लाख करोड़ की अतिरिक्त नकदी रखी है, जिसे आरबीआई हर दिन अलग-अलग माध्यमों से सिस्टम से बाहर करता रहा है। आरबीआई के लिक्विडिटी फ्रेमवर्क के मुताबिक अगर किसी ऑपरेशन की अवधि 14 दिन या उससे ज्यादा होती है, तो उसे मुख्य ऑपरेशन कहा जाता है। वहीं 14 दिन से कम अवधि वाले ऑपरेशन को फाइन ट्यूनिंग ऑपरेशन माना जाता है। जानकारों का कहना है कि आरबीआई की ओर से वेरिएबल रिवर्स रीपो रेट नीलामी कराना उम्मीद के मुताबिक ही था। ऐसा इसलिए किया क्योंकि टैक्स भुगतान के बावजूद बैंकिंग सिस्टम में लगातार तरलता बनी है। आरबीआई के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक बैंकिंग सिस्टम में नकदी की स्थिति सोमवार को 2.43 लाख करोड़ सरप्लस में थी। विशेषज्ञों का कहना है कि वेटेड एवरेज ओवरनाइट कॉल रेट अभी भी रीपो रेट से काफी नीचे है। अगर सरकार अगले महीने की शुरुआत में खर्च बढ़ाती है तो यह दर और भी नीचे जा सकती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 700 , निफ्टी 200 अंक ऊपर आया

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी ईरान-इजरायल के बीच संघर्ष विराम के कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से आई है। इससे बाजार में निवेशकों का भरोसा बढ़ा जिससे भी खरीददारी बढ़ी। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 700 अंक बढ़कर 82,755.51 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 200 अंक बढ़कर 25,244.75 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी पर टाइटन कंपनी, इंफोसिस, एमएंडएम, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए जबकि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कोटक महिंद्रा बैंक, आयशर मोटर्स, एक्सिस बैंक, ओएनजीसी के शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर रहे। ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, आईटी, टेलीकॉम, हेल्थकेयर, मीडिया के शेयरों में 1-2 फीसदी की तेजी रही। जिससे सभी सेक्टोरल इंडेक्स आज हरे निशान पर बंद हुए। बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 0.6 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी 1.6 फीसदी की तेजी आई। सभी सेक्टरों में आईटी के शेयर सबसे ऊपर रहे। वहीं व्यापक बाजारों में मिडकैप्स फ्रंटलाइन इंडेक्स पीछे रहे जबकि स्मॉलकैप्स ने 1.49 फीसदी बढ़कर अच्छा प्रदर्शन किया। बाजार पूंजीकरण बढ़ने से निवेशकों ने चार लाख करोड़ कमाये इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने से भी बाजार को बल मिला। इससे सेंसेक्स सुबह 442 अंक बढ़कर 82,497 के स्तर पर कामकाज करता दिखा जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126 अंक ऊपर आकर 25,170 पर पहुंचा। वहीं एशिया-पैसिफिक बाजारों में शुरुआती बढ़त के बाद अधिकतर सूचकांकों में सपाट कारोबार हुआ। ईरान और इज़रायल के बीच संघर्षविराम के बाद मध्यपूर्व में तनाव कम होने का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। जापान के निक्केई में 0.073 फीसदी की हल्की तेजी रही। वहीं टोपिक्स में 0.1 फीसदी का उछाल आया। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 और दक्षिण कोरिया का कोस्पी भी हल्की गिरावट के साथ सपाट कारोबार कर रहा था। निवेशकों की नजर अब ऑस्ट्रेलिया के महंगाई आंकड़ों पर बनी हुई हैं। दूसरी ओर अमेरिकी बाजारों की बात करें तो वहां तेजी रही। डाओ जोंस 1.19 फीसदी की बढ़त के साथ 43,089.02 पर बंद हुआ, जबकि एसएंडपी 500 में 1.11 फीसदी का उछाल आया और ये 6,092.18 पर पहुंच गया, जो कि इसके 52-हफ्ते के शीर्ष स्तर से केवल 0.9 फीसदी कम है।

सोने और चांदी की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने-चांदी की कीमतें बढ़ी हैं। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 0.24 फीसदी बढ़कर 97,260 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी की कीमत 0.30 फीसदी बढ़कर 1,05,234 रुपए प्रति किग्रा पर पहुंच गयी हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीलय बाजार में भी सोने-चांदी की कीमतों में उछाल आया है। इससे राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 900 रुपए गिरकर 98,900 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई। पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 99,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी जबकि 99.5 फीसदी शुद्धता वाला सोना 800 रुपए टूटकर 98,300 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया जबकि सोमवार को यह 99,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बाजार जानकारों के अनुसार तनाव बढ़ने की आशंका कम होने के साथ, निवेशक मुनाफावसूली कर रहे हैं और सोने की खरीद कम हुई है। वहीं गत दिवस को चांदी की कीमतें भी 1,000 रुपए घटकर 1,04,200 रुपए प्रति किलोग्राम रह गईं।

निवेशकों के लिए सेबी ने दी तीन बड़ी कंपनियों के आईपीओ को मंजूरी

नई दिल्ली।

शेयर बाजार में निवेश करने वाले कुछ ऐसे निवेशक भी हैं जो आईपीओ के इंतजार में रहते हैं। ये निवेशक आईपीओ पर दांव लगाकर कमाई करना चाहते हैं। ऐसे निवेशकों के लिए अब सेबी ने तीन बड़ी कंपनियों के आईपीओ को मंजूरी दी है। ये कंपनियां- इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार से जुड़ी जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक सेवा प्रदाता ग्लोटिस और दवा कंपनी अमांता हेल्थकेयर हैं।

सेबी ने बताया कि तीनों कंपनियों ने फरवरी-मार्च में नियामक के समक्ष अपने शुरुआती आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए थे और उन्हें 16 से 20 जून के बीच निष्कर्ष पत्र मिले। जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रस्तावित आईपीओ में 450 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम और प्रवर्तकों द्वारा 51 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में लैपटॉप और डेस्कटॉप का सबसे बड़ा रीफर्बिश्ड है। रीफर्बिश्ड के तहत पुराने प्रोडक्ट को सही कर बेचा जाता है।

यह कंपनी भारत, अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका और यूएई में मौजूदगी का दावा करती है। मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड, आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड और जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। इसी तरह, चेन्नई स्थित ग्लोटिस के आईपीओ में 160 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम

और 1.45 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। पैंटोमैथ कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड एकमात्र बुक-रनिंग लीड मैनेजर के रूप में काम करता है। इसके अलावा अमांता हेल्थकेयर का आईपीओ पूरी तरह से 1.25 करोड़ नए शेयरों पर आधारित होगा। इन तीनों कंपनियों के शेयरों को बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

जून में भारतीय आर्थिक गतिविधि 14 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली। एचएसबीसी फ्लैश पीएमआई डेटा के अनुसार, जून में भारतीय आर्थिक गतिविधि 14 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। कंपनियों ने कुल नए व्यवसाय के तेजी से बढ़ने और निर्यात ऑर्डर में रिकॉर्ड वृद्धि के जवाब में उत्पादन बढ़ाया। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कंपोजिट आउटपुट इंडेक्स भारत के विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के संयुक्त उत्पादन में मासिक आधार पर परिवर्तन को मापता है। इंडेक्स जून में 61.0 के साथ 14 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। मई में 59.3 से बढ़कर, लेटेस्ट रीडिंग विस्तार की तेज दर के अनुरूप थी, जो लंबी अवधि की सीरीज के औसत से काफी ऊपर थी। निर्माताओं ने व्यावसायिक गतिविधि में उछाल का नेतृत्व किया, हालांकि सेवा अर्थव्यवस्था में भी विकास ने गति पकड़ी। वृद्धि की दरें क्रमशः दो और दस महीने के उच्चतम स्तर पर थीं। पेंडिंग वर्कलोड के लगातार बढ़ने के साथ, फर्म भर्ती मोड में रही। इस बीच, एचएसबीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि इनपुट लागत में दस महीनों में सबसे धीमी गति से वृद्धि होने के कारण मुद्रास्फीति में नरमी आई। पैनलिस्टों के अनुसार, अनुकूल मांग प्रवृत्तियों, दक्षता लाभ और तकनीकी निवेश से उत्पादन में वृद्धि हुई। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई मई में 57.6 से बढ़कर जून में 58.4 हो गया, जो अप्रैल 2024 के बाद से परिचालन स्थितियों में सबसे बेहतर सुधार का संकेत देता है।

वॉलमार्ट का भारत से 10 अरब अमेरिका डालर के उत्पाद मंगाने का लक्ष्य

परिधान, खाद्य, खिलौने और अन्य श्रेणियों में निर्यात को देगा बढ़ावा

नई दिल्ली।

अमेरिका की खुदरा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वॉलमार्ट अपने वैश्विक परिचालन के लिए भारत में आपूर्तिकर्ताओं के साथ काम कर रही है। वॉलमार्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि वॉलमार्ट ने पिछले कुछ सालों में भारत से अपनी खरीद बढ़ा दी है और वह इस प्रगति से खुश हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में आप देख सकते हैं कि स्थिति कैसे बदल रही है और यह वास्तव में व्यापक और ज्यादा दिलचस्प होता जा रहा है। कंपनी ने 2027 तक भारत से 10 अरब अमेरिका डालर के उत्पाद मंगाने का लक्ष्य रखा है जिसका उद्देश्य परिधान, खाद्य, खिलौने और अन्य श्रेणियों में निर्यात को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में हम यहां से सीमित श्रेणियों के उत्पाद ले रहे थे लेकिन अब हम इसका विस्तार करने जा रहे हैं। सीईओ ने कहा कि इसमें बढ़ोतरी हुई है और अब हमारा लक्ष्य इसे प्रति वर्ष 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है, जो वास्तव में एक बड़ा आंकड़ा है और आपूर्तिकर्ता समुदाय के साथ मिलकर हम इसे प्राप्त करने के लिए काम कर रहे हैं। कंपनी के सीईओ भारत यात्रा पर हैं। यहां उन्होंने वॉलमार्ट की भारत में विकास गाथा का उल्लेख किया जिसमें निर्यात, डिजिटल नवाचार, समावेशी आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण व समुदायों को सशक्त बनाना शामिल है। इसके अलावा उन्होंने कुछ विक्रेताओं से भी बातचीत की जिन्हें आपूर्तिकर्ता विकास कार्यक्रम 'वॉलमार्ट वृद्धि के तहत प्रशिक्षित किया गया है। अपनी ई-कॉमर्स इकाई फ्लिपकार्ट और डिजिटल भुगतान समाधान फोनपे के बारे में उन्होंने कहा कि इन व्यवसायों को बढ़ाने के लिए हमारे दलों ने सालों से जो कुछ किया है, वह प्रेरणादायक है।

वॉलमार्ट ने पिछले साल कहा था कि उसने अपने वैश्विक परिचालन के लिए पिछले दो दशकों में भारत के बाजार से 30 अरब डॉलर से ज्यादा का सामान मंगाया है।

संभव स्टील का खुला आईपीओ, कंपनी जुटाना चाहती है 540 करोड़

रिटेल निवेशक 2,366 शेयर के लिए कर सकते हैं आवेदन

नई दिल्ली।

छत्तीसगढ़ की स्टील पाइप बनाने वाली कंपनी संभव स्टील ट्यूब्स का पब्लिक इश्यू आज यानी बुधवार से निवेश के लिए खुल गया। इस इश्यू के ज़रिए कंपनी 540 करोड़ जुटाना चाहती है। इश्यू का प्राइस बैंड 77 से 82 प्रति शेयर रखा गया है। इश्यू में 440 करोड़ के फ्रेश शेयर्स और 100 करोड़ का ऑफर फॉर सेल शामिल है। कंपनी इश्यू ओपन होने से पहले 19 एंकर निवेशकों से 161.25 करोड़ पहले ही जुटा चुकी है। इस आईपीओ में एक लॉट में 182 शेयर रखे गए हैं। निवेशकों को कम से कम 182 शेयरों के लिए बोली लगानी पड़ेगी।

82 के ऊपरी दाम पर देखें तो एक लॉट के लिए न्यूनतम निवेश 14,924 बनता है। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट यानी कुल 2,366 शेयर के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसकी कीमत करीब 1,94,012 होती है। इश्यू ओपन होने से पहले संभव स्टील के शेयर ग्रे मार्केट में 87 पर ट्रेड कर रहे थे, जो 82 के इश्यू प्राइस से 5 ज्यादा है यानी, ग्रे मार्केट प्रीमियम करीब 6.1 फीसदी का दिख रहा है। इश्यू के लिए सब्सक्रिप्शन विंडो 27 जून यानी शुक्रवार को बंद हो जाएगी। इसके बाद 30 जून को शेयरों का आवंटन होगा। कंपनी के शेयर 2 जुलाई बुधवार को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।

कंपनी जेड हेरिंग प्रॉसपेक्टस के मुताबिक फ्रेश इश्यू से मिले 390 करोड़ का इस्तेमाल पुराने कर्जों को चुकाने में करेगी। बाकी रकम सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए रखी है। इससे कंपनी की ब्याज लागत घटेगी और बैलेंस शीट मजबूत होगी। इस आईपीओ का रजिस्ट्रार केफिन टेक्नालॉजिस्ट है, जबकि लीड मैनेजर के तौर पर लुवामा वेल्थ मैनेजमेंट और मोटेल ओसवाल इंवेस्टमेंट एडवाइजर जुड़े हैं।

एक जुलाई से बदल जाएंगे कई नियम, आपके बजट पर पड़ेगा असर

अब पैन कार्ड को आधार से लिंक कराना जरुरी, नहीं तो लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली।

एक जुलाई से आम लोगों के लिए कई बदलाव हो रहे है। रेलवे टिकट बुकिंग, क्रेडिट कार्ड पेमेंट, ऑनलाइन वॉलेट ट्रांजैक्शन और पैन कार्ड जैसे ज़रूरी कामों के नियम बदले जा रहे हैं। ये छोटे-छोटे बदलाव आपके बजट पर बड़ा असर डाल सकते हैं। एक जुलाई से तत्काल टिकट बुक करने का तरीका बदल जाएगा। अब आईआरसीटीसी की वेबसाइट या मोबाइल ऐप से तत्काल टिकट बुक करते समय यात्रियों को मोबाइल पर एक ओटीपी भेजा जाएगा। जब तक यात्री वह ओटीपी सिस्टम में दर्ज नहीं करेगा, तब तक टिकट कंफर्म नहीं होगा। इस नए प्रोसेस से टिकटों की सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ेगी। बैंकिंग सेक्टर में खासकर क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में एचडीएफसी बैंक ने अपने क्रेडिट कार्ड धारकों के लिए कई नए चार्ज लगाए हैं। अगर आप एचडीएफसी कार्ड से ड्रीम11, एमपीएल, रुम्मी कल्चर जैसे गेमिंग ऐप्स पर महीने में 10,000 से ज्यादा खर्च करते हैं, तो आपको 1 फीसदी अतिरिक्त शुल्क देना होगा। यही चार्ज पेटीएम, मोबिक्विक, फ्रीचार्ज जैसे वॉलेट्स में 10,000 से ज्यादा लोड करने पर भी लगेगा। इसके अलावा यूटिलिटी बिल जैसे बिजली, पानी, गैस आदि पर 50,000 से ज्यादा भुगतान होने पर भी 1 फीसदी का अतिरिक्त चार्ज लगेगा। अगर किसी महीने में फ्यूल पर 15,000 से ज्यादा का खर्च करते हैं, तो वहां भी यही शुल्क लागू होगा। आईसीआईसीआई बैंक ने भी अपने ग्राहकों के लिए एटीएम ट्रांजैक्शन से जुड़े नियमों में बदलाव किए हैं। अब आईसीआईसीआई बैंक ग्राहक अगर किसी अन्य बैंक के एटीएम से महीने में तीन बार से ज्यादा पैसे निकालते हैं, तो प्रत्येक अतिरिक्त फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन पर 23 और नॉन-फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन पर 8.50 चार्ज देना होगा। इससे बैंकिंग से जुड़े खर्चों में बढ़ोतरी होगी। क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट को लेकर भी एक अहम बदलाव किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नए नियमों के मुताबिक एक जुलाई से सभी क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान अब भारत बिल पेमेंट सिस्टम (बीबीपीएस) के जरिए ही किया जा सकेगा। इससे फोनपे, सीआरईडी, बिलडेस्क जैसे प्लेटफॉर्म पर असर पड़ेगा, क्योंकि अब तक केवल आठ बैंकों ने बीबीपीएस पर यह सुविधा शुरू की है।इसके अलावा, पैन कार्ड बनवाने के नियम भी बदल गए हैं। अब नया पैन कार्ड बनवाने के लिए आधार कार्ड देना जरुरी होगा।

संभव स्टील का खुला आईपीओ, कंपनी जुटाना चाहती है 540 करोड़

रिटेल निवेशक 2,366 शेयर के लिए कर सकते हैं आवेदन

नई दिल्ली।

छत्तीसगढ़ की स्टील पाइप बनाने वाली कंपनी संभव स्टील ट्यूब्स का पब्लिक इश्यू आज यानी बुधवार से निवेश के लिए खुल गया। इस इश्यू के ज़रिए कंपनी 540 करोड़ जुटाना चाहती है। इश्यू का प्राइस बैंड 77 से 82 प्रति शेयर रखा गया है। इश्यू में 440 करोड़ के फ्रेश शेयर्स और 100 करोड़ का ऑफर फॉर सेल शामिल है। कंपनी इश्यू ओपन होने से पहले 19 एंकर निवेशकों से 161.25 करोड़ पहले ही जुटा चुकी है। इस आईपीओ में एक लॉट में 182 शेयर रखे गए हैं। निवेशकों को कम से कम 182 शेयरों के लिए बोली लगानी पड़ेगी। 82 के ऊपरी दाम पर देखें तो एक लॉट के लिए न्यूनतम निवेश 14,924 बनता है। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट यानी कुल 2,366 शेयर के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसकी कीमत करीब 1,94,012 होती है। इश्यू ओपन होने से पहले संभव स्टील के शेयर ग्रे मार्केट में 87 पर ट्रेड कर रहे थे, जो 82 के इश्यू प्राइस से 5 ज्यादा है यानी, ग्रे मार्केट प्रीमियम करीब 6.1 फीसदी का दिख रहा है। इश्यू के लिए सब्सक्रिप्शन विंडो 27 जून यानी शुक्रवार को बंद हो जाएगी। इसके बाद 30 जून को शेयरों का आवंटन होगा। कंपनी के शेयर 2 जुलाई बुधवार को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। कंपनी जेड हेरिंग प्रॉसपेक्टस के मुताबिक फ्रेश इश्यू से मिले 390 करोड़ का इस्तेमाल पुराने कर्जों को चुकाने में करेगी। बाकी रकम सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए रखी है। इससे कंपनी की ब्याज लागत घटेगी और बैलेंस शीट मजबूत होगी। इस आईपीओ का रजिस्ट्रार केफिन टेक्नालॉजिस्ट है, जबकि लीड मैनेजर के तौर पर लुवामा वेल्थ मैनेजमेंट और मोटेल ओसवाल इंवेस्टमेंट एडवाइजर जुड़े हैं।

नशीली दवाओं के खिलाफ महत्वाकांक्षी युद्ध का आह्वान

ललित गर्ग

नशे के ग्लैमर की चकाचौंध ने जीवन के अस्तित्व पर चिन्ताजनक स्थितियां खड़ी कर दी है। चिकित्सकीय आधार पर देखें तो अफीम, हेरोइन, चरस, कोकीन, तथा स्मैक जैसे मादक पदार्थों से व्यक्ति वास्तव में अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है एवं पागल तथा सुप्तावस्था में हो जाता है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है। कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है। नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है या अपराध की अंधी गलियों में धंसता चला जाता है

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस हर साल 26 जून को नशीली दवाओं मुक्त दुनिया को निर्मित करने के लक्ष्य को प्राप्त करने, कार्रवाई और सहयोग को मजबूत करने के लिए मनाया जाता है। इसका उद्देश्य गलत सूचनाओं का मुकाबला करना और नशीली दवाओं के बारे में तथ्यों को साझा करना है। साथ ही साक्ष्य आधारित रोकथाम, स्वास्थ्य जोखिमों और विश्व नशीली दवाओं की समस्या, उपचार और देखभाल से निपटने के लिए उपलब्ध समाधानों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। अवैध ड्रग्स एवं तस्करी मानव के लिए बहुत बड़ी पीड़ा एवं संकट का स्रोत हैं। सबसे कमजोर लोग, खास तौर पर युवा लोग, इस संकट का खामियाजा भुगतते हैं। ड्रग्स का इस्तेमाल करने वाले और नशे की लत से जूझ रहे लोग अंधेरी दुनिया में भटकते हुए कई चुनौतियों का सामना कर रहे है। नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के खुद के हानिकारक प्रभाव, उनके द्वारा झेला जाने वाला कलंक, स्वास्थ्य संकट और भेदभाव और अक्सर उनकी स्थिति के प्रति कठोर और अप्रभावी प्रतिक्रियाएं दुनिया को एक महासंकट में धकेल रही है। इसलिये नशे एवं नशीली दवाओं के बढ़ते प्रचलन एवं तस्करी को रोकने के लिये दुनिया को एकजुट होकर इस महत्वाकांक्षी युद्ध को सफल बनाना नितांत अपेक्षित है।

हर साल संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) वैश्विक जागरूकता अभियानों और नीति सिफारिशों का मार्गदर्शन करने के लिए एक थीम निर्धारित करता है। 2025 की थीम है- 'जंजीरों को तोड़ना : सभी के लिए रोकथाम, उपचार और पुनर्प्राप्ति!' यह नारा सामुदायिक समर्थन, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी से निपटने में वैश्विक एकजुटता की आवश्यकता पर जोर देता है। यूएनओडीसी की विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट 2020 के अनुसार, वर्ष 2018 में वैश्विक स्तर पर 269 मिलियन लोगों ने मादक पदार्थों का उपयोग किया, जो वर्ष 2009 की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक है; तथा अनुमान है कि 35 मिलियन लोग मादक पदार्थ उपयोग विकारों से पीड़ित हैं। यह दिवस न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और वैकल्पिक आजीविका सहित रोकथाम में निवेश का आह्वान करता है- जो टिकाऊ लचीलेपन के निर्माण के साथ उन्नत एवं स्वस्थ मानव जीवन का आधार हैं। दुनिया में सभी राष्ट्रों में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, सभी देशों में बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि दुनिया 'नशीले पदार्थों की राजनीति' के युग से गुजर रही है। इसलिये भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। जिससे समय के साथ दुनिया में हेरोइन, अफीम, गांजा, चरस के अलावा अन्य नशों के साथ कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन बढ़ने लगा है।

नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी वैश्विक स्तर पर चिंता का विषय बनी हुई है, जिससे लाखों व्यक्ति, परिवार और समाज प्रभावित हो रहे हैं। इसीलिये यह दिवस एक स्वस्थ और नशीली दवाओं से मुक्त समाज बनाने के लिए साक्ष्य-आधारित नीतियों, सामुदायिक सहभागिता और नुकसान कम करने की रणनीतियों के महत्व पर प्रकाश डालता है। पिछले वर्ष विश्वभर में 15-64 वर्ष की आयु के 300 मिलियन से अधिक लोगों ने नशीले पदार्थों का उपयोग किया है। मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकार से पीड़ित 8 में से 1 व्यक्ति को उपचार मिल पाता है, जिससे बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुंच की तत्काल आवश्यकता उजागर होती है। वैश्विक नशीली दवाओं का व्यापार प्रतिवर्ष 400 बिलियन डॉलर से अधिक उत्पन्न करता है, जिससे संगठित अपराध, भ्रष्टाचार और हिंसा को बढ़ावा मिलता है। इस बड़े संकट की रोकथाम की आवश्यकता को महसूस करते हुए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 दिसंबर, 1987 को संकल्प 42/112 के माध्यम से आधिकारिक तौर पर इस दिवस को स्थापित किया। इसका लक्ष्य नशीली दवाओं से संबंधित समस्याओं से निपटने में वैश्विक सहयोग को मजबूत करना और दंडात्मक उपायों के बजाय सार्वजनिक स्वास्थ्य-आधारित प्रतिक्रियाओं को बढ़ावा देना है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग शरीर में लगभग हर प्रणाली को प्रभावित करता है, जिससे गंभीर अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिणाम सामने आते हैं। मादक द्रव्यों के सेवन से दीर्घकालिक स्वास्थ्य स्थितियाँ पैदा होती हैं, जिसमें ओपिओइड, मेथ और सिंथेटिक ड्रग्स सबसे ज्यादा मृत्यु दर और दीर्घकालिक अंग क्षति का कारण बनते हैं। इसके अलावा, नशीली दवाओं के दुरुपयोग के मानसिक स्वास्थ्य परिणाम उपयोगकर्ता से परे तक फैल जाते हैं, जिससे अक्सर परिवार टूट जाते हैं, रोजगार छिन जाता है और अपराध दर बढ़ जाती है।

भारत में नशीली दवाओं का दुरुपयोग एक बढ़ता हुआ संकट है, जो भौगोलिक रूप से कमजोर, बढ़ती उपलब्धता और कम उम्र में इसकी शुरूआत से प्रेरित है। यह समस्या सभी आयु समूहों में फैली हुई है, लेकिन युवाओं में यह विशेष रूप से चिंताजनक है, जिसके स्वास्थ्य और सामाजिक परिणाम महत्वपूर्ण हैं। नशा मुक्त भारत अभियान - जागरूकता, शिक्षा और सामुदायिक कार्रवाई वाला एक राष्ट्रीय अभियान है। सीमा नियंत्रण और नारकोटिक्स ब्यूरो (एनसीबी)- बढ़ते नशीली दवाओं एवं नशे उत्पादों की तस्करी से निपटता है। यह नशीली दवाओं की जब्ती और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर काम करता है। नशे एवं ड्रग्स के धंधे की रोकथाम एवं जन-जागृति के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, नयी-नयी योजनाओं को लागू किया है। मोदी सरकार नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शिकार लोगों के कल्याण, नशामुक्ति एवं नशामुक्त भारत को निर्मित करने के प्रतिबद्ध है।

पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स को व्यापक स्तर पर फैलाया है, जिसके दुष्परिणाम विशेषतः पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र- गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। पंजाब के 26 प्रतिशत युवा चरस, अफीम तथा कोकीन व हेरोइन जैसे सिंथेटिक ड्रग्स लेने में लिप्त हैं। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में 'मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया।

पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पूर्व में 'ड्रग्स-फ्री इंडिया' अभियान चलाने की बात कहकर इस राष्ट्र की सबसे घातक बुराई की ओर जागृति का शंखनाद किया है। देश के युवा अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर सहित अनेक जानलेवा बीमारियां लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं, पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। ड्रग्स के सेवन से महिलाएं बांझपन का शिकार हो रही हैं। पुरुषों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। नशे के ग्लैमर की चकाचौंध ने जीवन के अस्तित्व पर चिन्ताजनक स्थितियां खड़ी कर दी है। चिकित्सकीय आधार पर देखें तो अफीम, हेरोइन, चरस, कोकीन, तथा स्मैक जैसे मादक पदार्थों से व्यक्ति वास्तव में अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है एवं पागल तथा सुप्तावस्था में हो जाता है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है। कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है। नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है या अपराध की अंधी गलियों में धंसता चला जाता है, पाकिस्तान युवाओं को निस्तेज करके एक नये तरीके के आतंकवाद को अंजाम दे रहा है। संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी के चक्र को तोड़ने के लिए समन्वित दीर्घकालिक कार्रवाई की आवश्यकता है। जरूरत है दुनिया की इस बड़े संकट एवं नासूर बनती इस समस्या को जड़मूल से समाप्त करने के लिये सरकारों के साथ गैर-सरकारी संगठन कमर कसे।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

सेमीफाइल न मानें

चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजों को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) काफी उत्साहित नजर आई। गुजरात की विसावदर सीट से गोपाल इटालिया व पंजाब की लुधियाना पश्चिम सीट पर जीते संजीव अरोड़ा, दोनों आप के उम्मीदवार हैं। केरल में नीलांबुर सीट कांग्रेसनीत यूडीएफ ने सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा को पछाड़ कर जीत हासिल की। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी से गुजरात की कड़ी सीट बरकरार रखते हुए राजेंद्र चावड़ा को जीत दिलाई। तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के नदिया जिले की कालीगंज विधानसभा सीट पर पुनः कब्जा किया। भाजपा के आशीष घोष को यहां अलीफा अहमद ने हराया। सभी पांचों सीटों पर इसी माह की 19 तारीख को मतदान हुए थे। इनमें लुधियाना के चुनाव पर विशेषज्ञों की कड़ी नजर थी। क्योंकि अरोड़ा राज्य सभा सांसद हैं। जहां से वे इस्तीफा देंगे। विपक्ष का दावा था कि इस खाली हुई सीट से अरविंद केजरीवाल उच्च सदन जा सकते हैं। बहरहाल उन्होंने इस सवाल को टालते हुए कहा कि यह फैसला आप की राजनीतिक मामलों की कमेटी लेगी। इसके बाद कयास मनीष सिसोदिया को भेजने का है। हालांकि लंबी जेल भुगतने वाले सत्येंद्र जैन को भी दावेदार माना जा रहा है। मतगणना के वक्त कालीगंज के बाराचंदगर इलाके में हुए विस्फोट में नौ साल की बच्ची की मौत से उपजा मसला अभी शांत नहीं हुआ है। हालांकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आासन फौरन ही दिया। हालांकि उपचुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने काफी उदासीनता बरती। मगर भाजपा शीर्ष को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। क्योंकि प. बंगाल को लेकर वे ममता सरकार पर जिस तरह की तोहमतें लगाते रहे हैं। उसका नतीजा सबक लेने वाला है। जिसमें भाजपा को भारी मतों से मात मिली है। गुजरात और पंजाब में 2027 में विधानसभा होने हैं, यहां दोगुने अंतर से मिली जीत को केजरीवाल सेमीफाइनल के तौर पर देख रहे हैं। दोनों जगह मिली हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने पद से इस्तीफा देते हुए इसे पार्टी की हार की बजाए अपनी विफलता बताकर दांव चलने कोशिश की। इस पर कांग्रेस कौन सी करवट लेती है, यह भी स्पष्ट होना जरूरी है। फिलवक्त कहा जाना चाहिए कि जनता आम से लेकर विधानसभा चुनाव के दरम्यान चौंकाने वाले निर्णय ले सकती है। जो उपचुनावों को सेमी फाइनल नहीं मानती।

चिंतन-मनन

बदला हुआ आदमी

स्कॉटलैंड के एक राजा को शत्रुओं ने पराजित कर दिया। उसे धन-जन की बड़ी हानि हुई और संगी-साथी भी छूट गए। अब बस उसका जीवन बचा था, पर शत्रु उसकी टोह में थे। प्राण बचाने के लिए वह भागा-भागा फिर रहा था। स्थिति यह थी कि राजा अब मरा कि तब मरा। राजा एक खोह में छिपा अपनी मौत की प्रतीक्षा करते हुए सोच रहा था- शत्रु की तलवार पल भर में मेरा काम तमाम कर देगी।

तभी राजा ने देखा- एक मकड़ी खोह के दरवाजे पर जाला बनाने में व्यस्त थी। वह कई बार कोशिश करती, नाकाम रहती, लेकिन फिर से उठकर जाला बनाने लगती। राजा ने सोचा- यह व्यर्थ प्रयत्न कर रही है। बिना आधार के जाला भला कैसे बना पाएगी। किंतु आश्चर्य, मकड़ी का एक झीना-सा सूत्र खोह के मुंह पर अटक ही गया। बस फिर एक के बाद एक सूत्र अटकते चले गए और देखते-देखते जाला तेजी से बुना जाने लगा। थोड़ी देर में पूरी खोह के मुंह पर जाला तैयार था।

तभी शत्रु के सिपाही वहां आ पहुंचे। लेकिन खोह के मुंह पर मकड़ी का जाला बना देख वापस लौट गए। करीब आई हुई मौत तो वापस चली गई पर राजा को एक गहरे विचार में छोड़ गई। उसने सोचा- मकड़ी बार-बार गिरकर भी निराश और परास्त नहीं हुई तो मैं इंसान होकर भी क्यों डर रहा हूं? मैं भी अवश्य अपने शत्रुओं को परास्त करूंगा। इस मकड़ी ने मेरा संकल्प मजबूत कर दिया है। यह सोचते ही वह खोह से बाहर निकल गया।

आओ भारतीय भाषाओं को विलुप्त होने से बचाएं

किशन सनमुखदास भावनानीं

भारत देश संस्कृति, भाषाओं, उपनिषद साहित्य से पिरोई ऐसी खूबसूरत माला है जो वैश्विक रूप से अनमोल है इस भारतीय विरासत को देखने हजारों की संख्या में सैलानी भारत आते हैं और यह भारतीय खूबसूरती विश्व प्रसिद्ध हैं। साथियों इस भारत रूपी माला में पिरोए मोतियों में से भाषा एक अनमोल मोती है।

साथियों बात अगर हम भाषा की करें तो,भाषा, मुख से उच्चारित होने वाले शब्दों और वाक्यों आदि का वह समूह है,जिनके द्वारा मन की बात बताई जाती है।किसी भाषा की सभी ध्वनियों के प्रतिनिधि स्वर एक व्यवस्था में मिलकर एक सम्पूर्ण भाषा की अवधारणा बनाते हैं।सामान्यतः भाषा को वैचारिक आदान-प्रदान का माध्यम कहा जा सकता है।

साथियों बात अगर हम भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची की करें तो,इसमें 22 भाषाएँ तो आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त हैं ही पर यदि सब गिनी जाएँ तो हमारे देश में 30 से अधिक भाषाओं के साथ 100 से अधिक क्षेत्रीय भाषाएँ भी हैं। अनुसूचित भाषाएं 1) असमिया, (2) बंगला, (3) बोड़ो, (4) डोगरी, (5) गुजराती, (6) हिंदी, (7) कन्नड़, (8) कश्मीरी, (9) कोंकणी, (10) मैथिली, (11) मलयालम, (12) मणिपुरी, (13) मराठी, (14) नेपाली, (15) उड़िया, (16) पंजाबी, (17) संस्कृत, (18) संथाली, (19) सिंधी, (20) तमिल, (21) तेलुगू और (22) उर्दू। साथियों बात अगर हम हिंदी भाषा की करें तो,यह विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है।जो हमारे पारम्पारिक ज्ञान, प्राचीन सभ्य)ता औरआधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु भी है। हिंदी भारत संघ कीराजभाषा होने के साथ ही ग्यारह राज्यों और तीन संघ शासित क्षेत्रों की भी प्रमुख राजभाषा है।संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल अन्य इक्कीस भाषाओं के साथ हिंदी का एकविशेष स्थान है। साथियों बात अगर हम सभी अनुसूचित और गैर-अनुसूचित भाषाओं की करें तो यह भारतीयता की खूबसूरती है कि,इतनी भाषाओं के बीच भारत अपनी खूबसूरती बिखेर रहा है।यह भारतवर्ष के लिए आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान रखता है। क्योंकि मुख से उच्चारित भाषा के आदान-प्रदान से ही ज्ञान की ज्योत प्रजवलित होती हैं।हमें इन सभी भाषाओं, जो अनुसूचित नहीं भी हैं,उसका संरक्षण करना जरूरी है। साथियों बात अगर हम अंग्रेजी भाषा की करें तो आज के आधुनिक डिजिटलाइजेशन युग में अंग्रेजी बोलचाल का फैशन सा हो गया है,जो मातृभाषा में बात करता है उसे हम पुराने जमाने की सोच का दर्जा देते हैं।हम अपने सामाजिक भाषाओं की विलुप्तता को प्रोत्साहन देने का काम करते हैं जिसे रोकना होगा।क्योंकि हमारे भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, मुख्य न्यायाधीश सहित अनेक प्रशानिक व्यक्तित्व की प्राथमिक शिक्षा अपनी मातृभाषा में ही हुई है। इसलिए भारतीय भाषाएं भारत रूपी माला में पिरोए वह मोती हैं जिसके प्रकाश से ही आज भारत विश्व में जगमगा रहा है।इसलिए भारतीय भाषाओं का वैज्ञानिक और तकनीकी स्तर पर संरक्षण जरूरी है। साथियों बात अगर हम भारतीय भाषाओं के संरक्षण में माननीय उपराष्ट्रपति के एक भारतीय भाषादिवस के अवसर पर वर्चुअल संबोधन की करें तो पीआईबी की प्रेसविज्ञप्ति के अनुसार,उपराष्ट्रपति ने इसका उल्लेख किया कि भाषा न केवल हमारी पहचान का प्रतीक है, बल्कि यह हमारे आत्मविश्वास को भी बढ़ाती है।इसके लिए, उन्होंने प्राथमिक शिक्षा अपनी मातृभाषा में होने की जरूरत को रेखांकित किया,जिसकी परिकल्पना राष्ट्रीय शिक्षा नीति में की गई है और आखिरकार उच्चतर व तकनीकी शिक्षा तक इसे विस्तारित किया जाना है।उन्होंने व्यापक पहुंच को सुविधाजनक बनाने के लिए भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली में भी सुधार का सुझाव दिया। और कहा,यह आत्मविश्वास आत्मनिर्भरता की ओर ले जाएगा और धीरे-धीरे आत्मानिर्भर भारत की राह बनाएगा।भारतीय भाषाओंके इस्तेमाल को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए कुछ उपायों की सूची बनाते हुए,उपराष्ट्रपति ने प्रशासन में स्थानीय भाषाओं के उपयोग, बच्चों के बीच पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने और शहरों व गांवों में पुस्तकालयों की संस्कृति को प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया।उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओंके साहित्यिक कार्यों का अनुवाद करने के लिए और अधिक पहल करने का भी आह्वाहन किया। उन्होंयने इस बात की इच्छा व्यक्त की कि बच्चों को खेल और गतिविधियों के जरिए सरल तरीके से भाषा की बारीकियां सिखाया जाएं।भाषा की जीवंत संस्कृति को बनाए रखने के लिए एक जन आंदोलन की जरूरत है।उन्होंने इस बात पर भी अपनी प्रसन्नता व्यक्त की कि सांस्कृतिक और भाषाई पुनर्जागरण को लोगों का अधिक से अधिक समर्थन मिल रहा है।उन्होंने इस बात पर भी अपनी प्रसन्नता व्यक्त की कि सांस्कृतिक और भाषाई पुनर्जागरण को लोगों का अधिक से अधिक समर्थन मिल रहा है।भाषा और संस्कृति के बीच गहरे संबंध को देखते हुए,उन्होंने युवाओं को अपनी जड़ों से फिर से जुड़ने के लिए भाषा का इस्तेमाल करने की सलाह दी। और कहा,भाषा संचार के एक माध्यम से कहीं अधिक है,यह अदृश्य धागा है जो हमारे अतीत,वर्तमान और भविष्य को जोड़ता है।मातृभाषा को महत्व देने का मतलब अन्य भाषाओं की उपेक्षा नहीं है। उन्होंने इस धारणा को खारिज किया कि कोई व्यक्ति अंग्रेजी में अध्ययन करने पर ही जीवन में सफलता प्राप्त कर सकता है।इसके लिए उन्होंने अपना और राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री और भारत के मुख्य न्यायाधीश का उदाहरण दिया कि,इन चारों ने अपनी-अपनी मातृभाषा में विद्यालय की शिक्षा प्राप्त की और इसके बावजूद बहुत उच्च संवैधानिक पदों पर आसीन हुए।उन्होंने सुझाव दिया कि बच्चों को अधिक से अधिक भाषा सीखने के लिए प्रोत्साहित करें, इसकी शुरूआत अपनी मातृभाषा में एक मजबूत नींव के साथ करें।लोगों से अपनी मातृभाषा को बोलने में गर्व महसूस करने का आग्रह करते हुए श्री नायडु ने कहा कि दैनिक जीवन में भारतीय भाषाओं के इस्तेमाल में हीनता की भावना नहीं होनी चाहिए।आज भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने और उन्हें बदलते समय के अनुकूल बनाने के लिए अभिनव तरीकों के साथ आगे आने का आह्वान किया,यह देखते हुए कि भाषा एक स्थिरअवधारणा नहीं है,उन्होंने भाषाओं को समृद्ध करने के लिए एक गतिशील और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत पर जोर दिया। अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि,भारतीय भाषाओं का वैज्ञानिक और तकनीकी स्तर पर संरक्षण करना जरूरी है।क्योंकि भाषा यह संचार के एक माध्यम से कहीं अधिक अदृश्य धागा है जो हमारे अतीत, वर्तमान और भविष्य को जोड़ता है और भारतीय भाषाएं भारत की माला में पिरोए मोती हैं जिसके प्रकाश से भारत आज विश्व में जगमग आ रहा है।

अर्थव्यवस्था : युवा हाथों में है प्रगति की पटकथा

प्रह्लाद सबानानी

विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की अपनी अपनी विशेषताएं हैं, जिसके आधार पर यह अर्थव्यवस्थाएं विश्व में उच्च स्थान पर पहुंची हैं एवं इस स्थान पर बनी हुई हैं।

प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज भी कई विकसित देश भारत से आगे हैं। इन समस्त देशों के बीच चूंकि भारत की आबादी सबसे अधिक अर्थात 140 करोड़ नागरिकों से अधिक है, इसलिए भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बहुत कम है।

भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है तथा प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद केवल 2,880 अमेरिकी डॉलर है। भारत के पीछे आने वाले देशों में हालांकि सकल घरेलू उत्पाद का आकार कम जरूर है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में यह देश भारत से बहुत आगे हैं। जैसे जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.18 लाख करोड़ है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 33,960 अमेरिकी डॉलर है। ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.84 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 54,950 अमेरिकी डॉलर है। फ्रांस के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.21 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 46,390 अमेरिकी डॉलर है। इटली के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 41,090 अमेरिकी डॉलर है। कनाडा के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 53,560 अमेरिकी डॉलर है।

ब्राजील के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.13 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 9,960 अमेरिकी डॉलर है। सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व की सबसे बड़ी 10 अर्थव्यवस्थाओं में भारत शामिल होकर चौथे स्थान पहुंच जरूर गया है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत इन सभी अर्थव्यवस्थाओं से अभी भी बहुत पीछे है।

इस सबके पीछे सबसे बड़े कारणों में शामिल है भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात, आर्थिक विकास की दौड़ में बहुत अधिक देर के बाद शामिल होना। भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों की शुरू आत वर्ष 1991 में प्रारम्भ जरूर हुई परंतु इसमें इस क्षेत्र में तेजी से कार्य वर्ष 2014 के बाद ही प्रारम्भ हो सका है। इसके बाद, पिछले 11 वर्षों में परिणाम हमारे सामने हैं और भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था से छलांग लगते हुए आज 4थी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। दूसरे, इन देशों की तुलना में भारत की जनसंख्या का बहुत अधिक होना, जिसके चलते सकल घरेलू उत्पाद का आकार तो लगातार बढ़ रहा है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अभी भी अत्यधिक दबाव में है।

अमेरिका में तो आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रम 1940 में ही प्रारम्भ हो गए थे एवं चीन में वर्ष 1960 से प्रारम्भ हुए। आज भारत सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व में चौथे पर पहुंच गया है परंतु भारत को प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में जबरदस्त सुधार करने की आवश्यकता है।

भारत पूरे विश्व में आध्यात्म के मामले में सबसे आगे है अतः भारत को धार्मिक पर्यटन को सबसे तेज गति से आगे बढ़ाते हुए युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर निर्मित करने चाहिए जिससे नागरिकों की आय में वृद्धि करना आसान हो। दूसरे, भारत में 80 करोड़ आबादी का युवा (35 वर्ष से कम आयु) होना भी विकास के इंजिन के रूप में कार्य कर सकता है।

भारत की विशाल आबादी ने भारत को विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में अपना योगदान दिया है। भारत की अर्थव्यवस्था में विविधता झलकती है और यह केवल कुछ क्षेत्रों पर निर्भर नहीं है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान 16 प्रतिशत है तथा रोजगार के अधिकतम अवसर भी कृषि क्षेत्र से ही निकलते हैं, जिसके चलते प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद विपरीत रूप से प्रभावित होता है। सेवा क्षेत्र का योगदान 60 प्रतिशत से अधिक है, परंतु विनिर्माण क्षेत्र का योगदान बढ़ाने की आवश्यकता है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई जानकारी के

अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत में 81 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हुआ है अर्थात विदेशी निवेशक भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना करते हुए दिखाई दे रहे हैं। आज विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास बढ़ा है। आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी 694 अरब अमेरिकी डॉलर की आंकड़े को पार कर गया है। आगे आने वाले समय में अब विश्वास किया जा सकता है कि भारत में भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि होती हुई दिखाई देगी।

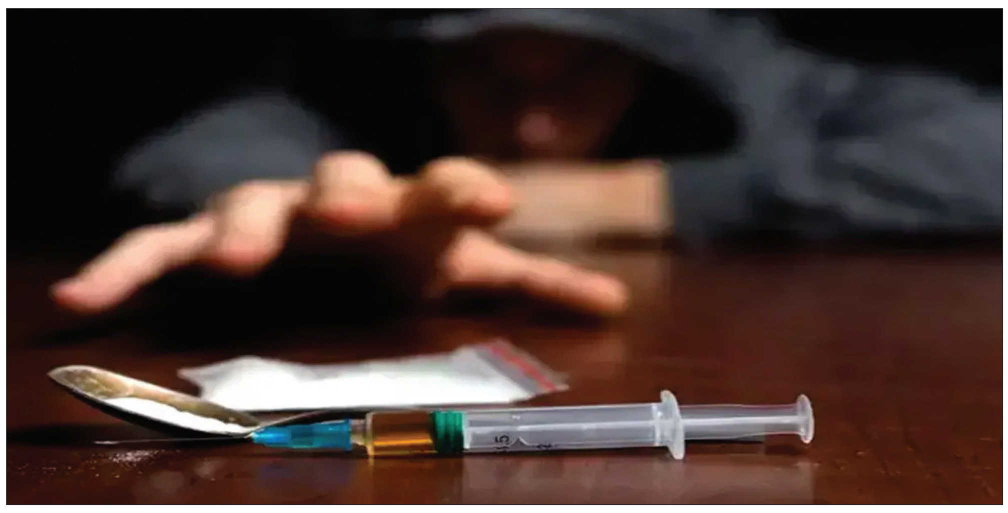

घुसपैठ की कोशिश करते राजोरी के केरी सेक्टर में आतंकी ढेर, घेराबंदी कर तलाशी जारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के राजोरी के केरी सेक्टर के बारात गाला क्षेत्र में सुबह पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ की कोशिश कर रहे आतंकियों में से एक को सेना ने ढेर कर दिया। आतंकी तीन से चार की संख्या में बताए जा रहे हैं। सतर्क जवानों के फायरिंग शुरू करते ही अन्य आतंकी उल्टे पांव भाग निकले। मारे गए आतंकी का शव नियंत्रण रेखा के पास ही पड़ा है। आतंकी घुसपैठ नाकाम करने के बाद सेना ने पूरे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर घेराबंदी करके तलाशी अभियान शुरू किया है। सेना ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि यदि कहीं कोई संदिग्ध दिखे तो फौरन सेना को सूचित करें। सूत्रों के अनुसार सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच भारतीय सेना ने बारात गाला क्षेत्र में एलओसी के उस पार संदिग्ध हरकत देखी गई। घुसपैठ की कोशिश का पता चलते ही सतर्क जवानों ने फायरिंग शुरू कर दी। सैन्य सूत्रों के अनुसार पाकिस्तानी सेना ने शाम को मारे गए आतंकी का शव उठाने के लिए प्रयास भी किया, लेकिन जवानों ने गोलीबारी कर इस प्रयास को भी विफल बना दिया। शव नियंत्रण जीरो लाइन पर ही पड़ा हुआ है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस इलाके में यह दूसरी बार घुसपैठ की कोशिश थी। सूत्रों के अनुसार इसी क्षेत्र में 15 जून की मध्यरात्रि को भी पाकिस्तान की ओर से आतंकियों के एक ग्रुप ने घुसपैठ करने का प्रयास किया था।

बिहार में आकाशीय बिजली से 5 लोगों की मौत

पटना (एजेंसी)। बिहार में बीते 8 दिनों से मानसून सक्रिय है। बुधवार को पटना, जमुई, नवादा में तेज बारिश हुई है। मौसम विभाग ने राज्य के 28 जिलों के लिए बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, 10 जिलों में मौसम सामान्य बना रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले चार दिनों में अधिकतम तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। हालांकि, न्यूनतम तापमान में अगले 5 दिनों के दौरान कोई खास परिवर्तन नहीं होने की संभावना है। वहीं बिहार में आकाशीय बिजली से 5 लोगों की मौत हो गई। 7 लोग झुलसे हैं। बक्सर जिले के पुराने भोजपुर में ठनका गिरने से 1 बच्ची की मौत हो गई। केसठ में 2 युवक गंभीर रूप से झुलस गए। गया के बांकेबाजार प्रखंड के वैरी वनवास गांव में वज्रपात से 15 साल के लड़के की मौत हो गई। 3 बच्चे झुलस गए। बच्चे जामुन के पेड़ के नीचे खेल रहे थे। तभी अचानक बिजली गिरी। औरंगाबाद के वन गांव में धान के बिचड़े को देखने गया युवक ठनका की चपेट में आ गया। उसकी मौत हो गई। वहीं वासुदेवपुर चंदेल में 35 साल की महिला की मौत हो गई, जबकि महिला के पति और एक रिश्तेदार झुलस गए। नवादा के नेमदारगंज थाना क्षेत्र के महानंदपुर गांव में 45 साल के किसान मौत हो गई।

32 साल बाद पोस्टमास्टर को मिला न्याय, लेकिन कानूनी प्रणाली पर सवाल

बैतूल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के एक पोस्टमास्टर को एक छोटी सी गलती के लिए तीन दशक तक कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी। अब मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने उसकी सजा को अपराध न मानकर विभागीय चूक मानकर बरी किया। यह मामला एक छोटी सी क्लर्कियल गलती से शुरू हुआ था। साल 1983 में एक जांच में पता चला कि पोस्टमास्टर मनकाराम ने ब्रांच रजिस्टर में 3,596 रुपये जमा करने की एंट्री नहीं की थी। हालांकि, यह राशि सरकारी खजाने में जमा हो गई थी और खाताधारक की पासबुक में भी दिख रही थी। भले ही मामले में कोई वित्तीय गड़बड़ी नहीं थी, फिर भी गलती को आपराधिक गबन माना गया। साल 1993 में, निचली अदालत ने मनकाराम को दोषी ठहराया। उन्हें जेल की सजा सुनाकर 3,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। मनकाराम ने फैसले के खिलाफ अपील की, लेकिन सत्र न्यायालय ने दोषसिद्धि को बरकरार रखा। हालांकि, उन्होंने हार नहीं मानी और मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का रुख किया। इस प्रक्रिया में उन्हें परिणाम मिलने में 32 साल लगे। 32 साल बाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति एम.एस. भट्टी ने निचली अदालत के फैसले को पलटकर मनकाराम को बरी कर दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह गलती केवल एक विभागीय चूक थी, आपराधिक अपराध नहीं।

मुंबई में 9 करोड़ का सोना जब्त, 7 गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने सोना गलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। बताया गया है कि मुंबई के मस्जिद बंदर इलाके में छापेमारी में 9 करोड़ रूपये का सोना जब्त कर सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह छापामारी रविवार को की गई थी। दरअसल डीआरआई विदेश से स्थानीय नागरिकों की मदद से सोने की तस्करी के एक मामले की जांच कर रही थी। उस समय पता चला कि इसमें एयरपोर्ट के कुछ कर्मचारी भी शामिल हैं। आरोपी विदेश से तस्करी कर लाए गए सोने को आरोपियों तक पहुंचाते थे। उसके बाद मस्जिद बंदर स्थित यूनिट में इसे पिघलाया जाता था और गुप्त तरीके से स्थानीय बाजार में बेचा जाता था। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए डीआरआई की टीम ने रविवार को मस्जिद बंदर स्थित सोना गलाने वाली यूनिट पर छापेमारी की और पांच लोगों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में आठ करोड़ 93 लाख कीमत के आठ किलोग्राम 747 ग्राम वजन के छह सोने के बार जब्त किए गए। इस मामले में मीनानाथ भुले, विश्वास यादव उर्फ अमोल, उदय जंगम, रोहित मोहिते और विक्रम मोटे तथा राजकुमार पवार को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से जब जब्त किए गए सोने की खरीद की रसीद मांगी गई तो उन्होंने आधिकारिक दस्तावेज पेश नहीं किए। जांच के दौरान मिली जानकारी के अनुसार, इस मामले में सोना पिघलाने वाली इकाई के मालिक राजकुमार पवार और ड्राइवर रविंद्र सालुंखे को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

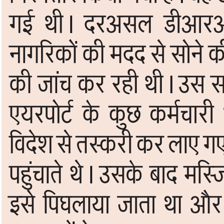

- एयरपोर्ट कर्मचारी रडार पर

एयरपोर्ट कर्मचारियों से तस्करी का सोना ले जाया जा रहा था। इसमें कौन-कौन कर्मचारी शामिल हैं, इसकी जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में संदेह है कि हवाला के जरिए पैसा भेजा गया था।

अंतरिक्ष यात्रा पर रवाना हुआ बेटा तो माता पिता के छलके आंसू

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी की राजधानी लखनऊ में जन्मे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के बुधवार को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर (केएससी) से स्पेसएक्स फाल्कन 9-रॉकेट पर सवार होकर अंतरिक्ष के लिए रवाना होने के साथ नवाबों के शहर लखनऊ के गौरवशाली इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया।

रॉकेट जैसे ही फ्लोरिडा के आसमान में पहुंचा, लखनऊ के कानपुर रोड स्थित सिटी मोंटेसरी स्कूल के वर्ल्ड यूनिटी कन्वेंशन सेंटर ऑडिटोरियम में इस पल का सजीव प्रसारण देख रहे शुक्ला के परिजन भावुक हो गये। हों भी क्यों ना, आखिर 1984 में राकेश शर्मा द्वारा सोयूज अंतरिक्ष यान पर सवार होकर इतिहास रचने के बाद 41 साल बाद शुभांशु शुक्ला के रूप में भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान में वापसी जो हुई है। मेहमानों से भरा ऑडिटोरियम स्पेसएक्स फाल्कन 9-रॉकेट के रवाना होते ही शुक्ला के गौरवान्वित माता-पिता और बहनों, वरिष्ठ रक्षा कर्मी, सिटी मोंटेसरी स्कूल के शिक्षक, शहर के प्रमुख लोग, और

जिंदगी में पहली बार ऐसे नजारे को देख रहे छात्रों की भीड़ की तालियों और हिप हिप हुर्रेश् के नारों से गूंज उठा। शुक्ला के भावुक माता-पिता और रिश्तेदारों की आंखों में आंसू आ गए। जैसे ही रॉकेट ने उड़ान भरी, शुक्ला के माता-पिता, शिक्षक और छात्र खुशी से भांगड़ा नृत्य करने लगे।

शुभांशु के पिता शंभू शुक्ला ने कहा कि यह न केवल हमारे लिए बल्कि हमारे देश के लिए भी एक महान क्षण है। हम इस समय क्या कह सकते हैं, मेरे पास अब शब्द नहीं हैं। मेरा आशीर्वाद हमेशा मेरे बेटे के साथ है। वहीं शुभांशु शुक्ला की मां आशा शुक्ला ने कहा कि इस समय मेरे पास कहने के लिए और कुछ नहीं है। मैं बहुत खुश हूं। मुझे पता है कि वह सफल होगा। हालांकि मैं एक सफल मिशन के बाद उसके लौटने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं, लेकिन मुझे यह भी पता है कि धरती पर वापस लौटने के बाद भी उसे हमारे बीच आने में कुछ समय लगेगा।

साल 1985 में लखनऊ में जन्मे और सिटी मोंटेसरी स्कूल की अलीगंज शाखा में बारहवीं कक्षा तक की शिक्षा प्राप्त करने वाले शुक्ला ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और 2006 में भारतीय वायु सेना में शामिल हुए। उन्हें 2019 में भारत के गगनयान मानव अंतरिक्ष यान कार्यक्रम के लिए चुना गया और बाद में एएक्स-4 के लिए पायलट के रूप में चुना गया। नासा के वरिष्ठ डॉक्टर पैगी व्हिटसन (मिशन कमांडर) और हंगरी और पोलैंड के अंतरिक्ष यात्रियों के साथ शुक्ला का 14-दिवसीय मिशन मानव शरीर क्रिया विज्ञान, पोषण और अंतरिक्ष में बीज अंकुरण सहित क्षेत्रों में सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अनुसंधान में योगदान देगा।

तमिल के लिए झूठा लगाव, सारा पैसा संस्कृत के लिए दिया

-सीएम स्टालिन का मोदी सरकार पर आरोप

चैन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भाषा के वित्तपोषण में कथित पक्षपात को लेकर मोदी सरकार की आलोचना की और उस पर तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं की उपेक्षा कर संस्कृत को महत्व देने का आरोप लगाया। सीएम स्टालिन ने लिखा, संस्कृत को करोड़ों मिलते हैं, तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं को मगरमच्छ के आंसू के अलावा कुछ नहीं मिलता। तमिल के लिए झूठा लगाव, सारा पैसा संस्कृत के लिए! दरअसल एक रिपोर्ट से पता चला है कि केंद्र ने 2014-15 और 2024-25 के बीच संस्कृत को बढ़ावा देने पर 2,532.59 करोड़ खर्च किए। जबकि तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और उड़िया -पांच अन्य शास्त्रीय भारतीय भाषाओं के लिए संयुक्त आवंटन 147.56 करोड़ रुपये था। रिपोर्ट के अनुसार, तमिल, जिस 2004 में शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया था, को भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के लिए अनुदान योजना के तहत 113.48 करोड़ रुपये मिले, जो संस्कृत से 22 गुना कम है। तेलुगु और कन्नड़ को संस्कृत पर खर्च किए गए धन का 0.5 प्रतिशत से भी कम मिला, जबकि मलयालम और ओडिया को 0.2 प्रतिशत से भी कम मिला।

सुरक्षित अमरनाथ यात्रा की तैयारी अंतिम दौर में, सुरक्षा हुई सख्त, संवेदनशील इलाकों में सेना तैनात

बारामुला (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा के कुछ ही दिन शेष हैं। यात्रा में कहीं कोई दिक्कत न हो इसका पूरा ख्याल रखा जा रहा है। तैयारियां अंतिम दौर में है और संवेदनशील इलाकों में सेना ने मोर्चा संभाल लिया है। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस समेत अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने सुरक्षित व शांतिपूर्ण तीर्थयात्रा सुनिश्चित कराने के लिए कई संयुक्त अभियान शुरू किए हैं। गौरतलब है कि श्री अमरनाथ जी यात्रा तीन जुलाई से शुरू होने वाली है जो नौ अगस्त को संपन्न होगी। बता दें कि श्री अमरनाथ जी की वार्षिक यात्रा हमेशा से आतंकवादियों के निशाने पर रही है।

सुरक्षाबलों ने संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी है। अतिरिक्त चेक पॉइंट बनाए गए हैं। यात्रा के बेस कैंपों की ओर जाने वाले मार्गों पर इलाके का सेनिटाइजेशन अभियान चलाया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यात्रा के मार्ग पूरी तरह से आतंकवादियों से मुक्त हैं। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, सेना के पैरा स्पेशल फोर्सेज सहित विशिष्ट इकाइयों को तैनात किया गया है। दक्षिण कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में कई सर्च एंड डोमिनेशन ऑपरेशन (साडो) चलाए जा रहे हैं। इसके साथ ही, मध्य और उत्तरी कश्मीर के ऊपरी इलाकों में भी लगातार आतंकरोधी अभियान चल रहे हैं, जिनमें सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील माने जाने वाले इलाकों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि ये अभियान समन्वित सुरक्षा रणनीति का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य किसी भी खतरे को रोकना और तीर्थयात्रियों तथा स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

पहले हो चुके हैं आतंकी हमले

इससे पहले अमरनाथ यात्रियों पर हुए हमलों के कारण सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान रखा जा रहा है। साल 2000 में नुनवन में हुए आतंकी हमले में दो दर्जन अमरनाथ तीर्थयात्रियों सहित 32 लोग मारे गए थे। इसके बाद 2001 में शेषनाग में आतंकी हमले में 13 लोग मारे गए और 2002 में चंदनबाड़ी कैंप पर आतंकी हमला हुआ जिसमे 11 अमरनाथ यात्री मारे गए थे। इसी तरह 2017 में कुलगाम जिले में अमरनाथ यात्रा बस पर हुए हमले में आठ तीर्थयात्री मारे गए थे

ईरान ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन नहीं किया: पूर्व उपराष्ट्रपति अंसारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने कहा, कि किसी भी देश ने यह नहीं कहा है कि उन्होंने (ईरान ने) अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया है। आरोप हैं, संदेह है, लेकिन उन्होंने उल्लंघन नहीं किया है। किसी ने यह नहीं कहा है कि उन्होंने बम बनाया है, लेकिन हम उन्हें प्रौद्योगिकी तैयार करने से कैसे रोक सकते हैं।

इजराइल और ईरान संघर्ष में अमेरिका की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर अंसारी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन से निपटने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति हैं, इसलिए आपको उनसे निपटना ही होगा, आप यह नहीं कह सकते कि आप उनसे निपट नहीं सकते। उनका काम करने का एक खास तरीका है और दुनिया अब धीरे-धीरे उसे समझने लगी है।

पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने ईरान पर अमेरिका और इजरायल की हालिया सैन्य कार्रवाई को मंगलवार को 'अवैध आक्रमण' करार दिया। एक सप्ताह से अधिक समय पहले शुरू हुए संघर्ष के दौरान इजरायल और ईरान ने एक-दूसरे के शहरों

और सैन्य तथा सामरिक प्रतिष्ठानों पर सैकड़ों मिसाइल और ड्रोन दागे हैं। ईरान के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों पर रविवार सुबह अमेरिका की बमबारी के बाद तनाव काफी बढ़ गया। पूर्व राजनयिक अंसारी ने एक इंटरव्यू में कहा कि आक्रामकता का मूल कारण इजरायल के नेतृत्व का ईरान के साथ संबंधों के प्रति दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा, वे बिना लाग-लपेट के साफ़-साफ़ कह रहे हैं कि ईरानियों के नेतृत्व को अवश्य ही बदलना चाहिए। इसलिए यह युद्ध इजरायल द्वारा रचा गया। अंसारी ने युद्ध के लिए अमेरिका को भी दोषी ठहराया।

पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा, इसे स्वीकार किया गया है। यह अमेरिका के सहयोग से किया गया था और यह एक आक्रामक युद्ध था। इसमें कोई दो राय नहीं है। यह एक आक्रामक युद्ध था, जिसे अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अवैध कहा जाना चाहिए।

अंसारी ने कहा कि ईरान का नेतृत्व स्थिर है और उसे अपने लोगों का समर्थन हासिल है। उन्होंने ईरान की वैज्ञानिक प्रगति और परमाणु क्षमताओं सहित प्रौद्योगिकी विकसित करने के उसके अधिकार पर जोर दिया और कहा कि इसके लिए उसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने वाला नहीं बताया जाना चाहिए। अंसारी ने कहा कि अमेरिका के साथ दोस्ती होनी चाहिए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि जो कहा जाए वही किया जाए। पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा, भारत और ईरान के बीच बहुत पुराना रिश्ता है और इसमें बहुत मजबूती है। इसलिए, इस रिश्ते को आसानी से नहीं तोड़ा जाना चाहिए। यह हमारे और ईरान के हित में है। जब भी मौका आया है, ईरान ने हमारी मदद की है। जब भी मौका आया है, हमने ईरान की मदद की है।'' उन्होंने कहा, 'इसलिए हमें इस रिश्ते को सावधानी से संभालना होगा। हमें इसे छोटी-छोटी बातों पर खराब नहीं करना चाहिए। हमारी एक पारंपरिक नीति रही है।

फिर देवदूत बनी भारतीय वायू सेना, सुरक्षित वतन वापसी में निभा रही बड़ी भूमिका

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतय वायूसेना ने अब तक कुल 431 भारतीयों को कॉन्फ्लिक्ट जोन से बाहर निकाला। वायुसेना ने अपने बयान में कहा कि मिस्र और जॉर्डन से भारतीयों को एयरलिफ्ट कर के सकुशल भारत लाया गया। ईरान और इजरायल की जारी जंग के बीच सैकड़ों भारतीय नागरिक फंसे हुए थे। कॉन्फ्लिक्ट जोन से भारतीयों को सकुशल बाहर निकालने के लिए सरकार ने ऑपरेशन सिंधु लॉन्च किया। पहले इस ऑपरेशन में सिविल एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल किया गया, फिर जिम्मेदारी भारतीय वायुसेना को सौंपी गई। भारतीय वायुसेना के सी-17 ग्लोबमास्टर को लॉन्च किया गया।

ईरान से भारतीयों को निकालने के लिए विदेश मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंधु की शुरुआत से पहले ही वायुसेना का एवैक्युएशन प्लान तैयार कर लिया था। इस तरह के इवैक्यूएशन में अगर सिविल एयरक्राफ्ट का ऑपरेशन सामान्य होता है तो लोगों को उसी के जरिए निकाला जाता है। शुरुआत भी सिविल फ्लाइट

के जरिए की गई। अगर हालात सामान्य नहीं होते तो भारतीय वायुसेना को बुलाया जाता है।इस बार भी वैसा ही किया गया। दुनिया में जब भी किसी कॉन्फ्लिक्ट या युद्ध के हालात होते हैं तो एयरफोर्स उसे मॉनिटर करती रहती है और अपने इवैक्यूएशन प्लान को तैयार रखती है। इस बार भी वैसा ही हुआ। प्लान तैयार था, जैसे ही सरकार की तरफ से हरी झंडी मिली, एयरक्राफ्ट ने टेकऑफ कर लिया। प्लान पहले से ही तैयार था, इसलिए एयरक्राफ्ट लॉन्च करने या प्लान बनाने में समय बिल्कुल खराब नहीं हुआ।

बता दें कि भारतीय वायुसेना की खासियत है कि वह कॉन्फ्लिक्ट जोन से सुरक्षित अपने नागरिकों को बाहर निकाल सकती है। पिछले कुछ बड़े इवैक्यूएशन ऑपरेशन की बात करें तो साल 2006 में इजरायल-लेबनान जंग के दौरान ऑपरेशन सूकून चलाया गया था, जिसमें 2,280 भारतीयों को सुरक्षित वतन वापस लाया गया था। साल 2015 में यमन में जंग के दौरान सना एयरपोर्ट से भारतीयों को जिबूती लाया गया और फिर सी-17 के जरिए भारत। साल 2021 में तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जे के दौरान सरकार ने ऑपरेशन देवी शक्ति चलाया था, जिसमें 800 भारतीयों की वतन वापसी कराई गई थी। 2022 में यूक्रेन युद्ध के दौरान ऑपरेशन गंगा लॉन्च किया गया था, जिसमें 18,000 के करीब भारतीयों को यूक्रेन और पड़ोसी देशों से रेस्क्यू किया गया था। साल 2023 में सूडान में संघर्ष के दौरान सरकार ने ऑपरेशन कावेरी लॉन्च किया था, जिसमें भारतीय वायुसेना ने 3,900 भारतीयों को सुरक्षित घर वापस लाया था। इसके अलावा दर्जनों ऑपरेशन राहत बचाव के लिए सरकार की तरफ से चलाए गए हैं।

आप सरकार पर लगा अस्पताल घोटाले का आरोप, सौरभ और सत्येंद्र के खिलाफ होगी जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्रियों सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ एसीबी जांच की मंजूरी दे दी।दोनों नेताओं पर दिल्ली सरकार के अस्पतालों से जुड़ी परियोजनाओं में देरी से संबंधित कथित घोटाले का आरोप है। दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा जांच के लिए की गई सिफारिश की थी। दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्रियों सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ एसीबी जांच की मंजूरी दे दी गई है। दोनों पर अस्पतालों से जुड़ी परियोजनाओं में घोटाले का आरोप है। आरोप के मुताबिक, कुल 6800 बिस्तर की क्षमता वाले सात आईसीयू अस्पतालों को सितंबर 2021 में छह महीने के भीतर पूर्व इंजीनियरिंग संचरनाओं के उपयोग से बनाया जाना था। जिसके लिए 1125 करोड़ रुपये की लागत मंजूर की गई थी। लेकिन, तीन साल से अधिक समय बीत जाने और 800 करोड़ की लागत के बाद भी इनका केवल 50 फीसदी काम ही पूरा

हुआ।

सूत्रों के मुताबिक, एसीबी द्वारा इस घोटाले की जांच विजेन्द्र गुप्ता की ओर से 22 अगस्त 2024 को की गई शिकायत के आधार पर की जाएगी। शिकायत में कहा गया कि वर्ष 2018-19 में 24 अस्पताल परियोजनाओं को कुल मिलाकर 5590 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई थी, लेकिन बेवजह हुई देरी के चलते इनकी लागत में बढ़ोतरी हुई। आरोप है कि परियोजनों में यह देरी जानबूझकर की गई।इसी प्रकार, एनएलजेपी अस्पताल के न्यू ब्लॉक प्रोजेक्ट के लिए 465 करोड़ रुपये की लागत की मंजूरी दी गई थी। चार वर्षों में तीन गुना बढ़कर 1125 करोड़ रुपये हो गई। पालीक्लीनिक्स परियोजना भी भ्रष्टाचार के गठजोड़ के चलते पूरी नहीं हो सकी। स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन प्रणाली को लागू करने में भी एक दशक से अधिक समय की देरी हुई। आरोप है कि इसे जानबूझकर रोका गया ताकि वित्तीय लेन-देन में अस्पष्टता बनी रहे।

मुंबई में रेल हादसों में 22 साल में 72,000 मौतें, एक तिहाई शव लावारिस

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई से सटे मुंब्रा में हुए लोकल ट्रेन हादसे के बाद मुंबई की लाइफलाइन मौत की लाइन क्यों बनती जा रही है? यह सवाल उठ रहा है। लोकल ट्रेन हादसों में मौतों की संख्या और कारण सुनकर हर कोई चौंक जाएगा। क्योंकि खबर है कि पिछले 22 सालों में ट्रेन हादसों में 72 हजार यात्रियों की मौत हो चुकी है। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से एक तिहाई शव लावारिस हैं। उनकी पहचान नहीं हो पाई है या उनके परिवार वाले उन्हें ढूंढ नहीं पाए हैं। दरअसल ट्रेन हादसों में इतने लोग क्यों मर रहे हैं? इस बारे में जानकारी सामने आई है। बताया गया है कि पिछले 15 सालों में मुंबई और उसके उपनगरों में रेल की पटरियों पर मरने वालों में से एक तिहाई शव लावारिस हैं। यह जानकारी आरटीआई के जरिए मिली है। जानकारी के अनुसार, पिछले 10 से 15 वर्षों में लोकल ट्रेन दुर्घटनाओं में मरने वाले कुल (46,969) यात्रियों में से 31 प्रतिशत (1,4513) की पहचान नहीं हो पाई है और उन्हें लावारिस के रूप में दर्ज किया गया है। रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने मृतकों के परिवारों का पता लगाने की कोशिश की, लेकिन वे उनके परिवारों तक नहीं पहुंच सके। दरअसल ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. सरोश मेहता ने आरटीआई याचिका दायर की थी। इसमें खुलासा हुआ कि 2019 के बाद लावारिस शवों की संख्या में वृद्धि हो रही है।

- ट्रेन दुर्घटनाओं का क्या है कारण?

2002 से 2024 के बीच 22 वर्षों में विभिन्न कारणों से 72,000 से अधिक लोग रेलवे ट्रैक पर मारे गए हैं। इनमें से अधिकांश मौतें रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेनों से हुई टक्करों के कारण हुईं। आंकड़ों के अनुसार, 2012 से हर साल मौतों की संख्या में कमी आ रही है। केवल 2022 इसका अपवाद रहा। कोरोना महामारी के कारण घर लौटते समय कई लोगों की ट्रेन दुर्घटनाओं में मौत हो गई। आरटीआई कार्यकर्ता डॉ. मेहता कहते हैं कि कई लोग ट्रैक पार करते समय ट्रेन से गिरकर मर चुके हैं। बंद दरवाजे वाले लोकल कोच बनने से ये हादसे रुक नहीं रहे हैं। रेलवे पुल और एस्केलेटर बनाए जा रहे हैं, जिससे रेलवे ट्रैक पार कर सकें। लेकिन फिर भी हर साल मौतों की संख्या अधिक है। रेलवे के जीरो डेथ मिशन को अभी भी लंबा सफर तय करना है।

- हादसे में मृतकों की पहचान करना मुश्किल

रेलवे पुलिस का कहना है कि रेल हादसे में मृतकों की पहचान करना चुनौतीपूर्ण है। ट्रेन की जोरदार टक्कर से शव क्षत-विक्षत हो जाते हैं जिससे

उनकी पहचान करना असंभव हो जाता है। शवों के पास मोबाइल फोन या पहचान पत्र नहीं मिलने से अक्सर दुर्घटना में मृतकों की पहचान करना मुश्किल हो जाता है। लावारिस शवों की पहचान के लिए जीआरपी की ओर से शोध नाम की वेबसाइट चलाई गई थी। इस वेबसाइट पर मृतकों की तस्वीरें या जानकारी प्रकाशित की जाती थी, जिससे परिजनों को तलाश करने में मदद मिलती थी। लेकिन यह वेबसाइट बंद हो गई। इसके बाद, रेलवे स्टेशन पर दुर्घटना पीड़ित की तस्वीर प्रदर्शित की गई, लेकिन इसे रोक दिया गया क्योंकि इससे यात्रियों को असुविधा हो रही थी।

शरीर में पोटेशियम कितना जरूरी

- पोटेशियम आपके तंत्रिका तंत्र और रक्त संचार को सुचारू बनाए रखने में मदद करता है
- शरीर के कुछ अंगों में हमेशा झनझनाहट, पोटेशियम की कमी के कारण होती है
- कब्ज की शिकायत भी हो सकती है क्योंकि पाचन प्रक्रिया सुचारू नहीं हो पाती

- पोटेशियम की कमी की वजह से कई लोगों को तनाव हो जाता है

हमारा शरीर पांच तत्वों से बना है। हमारे शरीर को सबसे ज्यादा किस चीज की जरूरत होती है। हमारे शरीर को स्वस्थ रहने के लिए हर प्रकार के पोषक तत्व की आवश्यकता होती है। इन्हीं में से एक पोटेशियम नामक तत्व भी होता है। अगर शरीर में इसकी कमी हो जाती है तो कई प्रकार के रोग और विकार, मनुष्य के शरीर को घेर लेते हैं। इसकी कमी की वजह से कई लोगों को तनाव भी हो जाता है। इसीलिए आपने देखा होगा कि तनावग्रस्त लोगों को काला नमक डालकर केला खाने की सलाह दी जाती है।

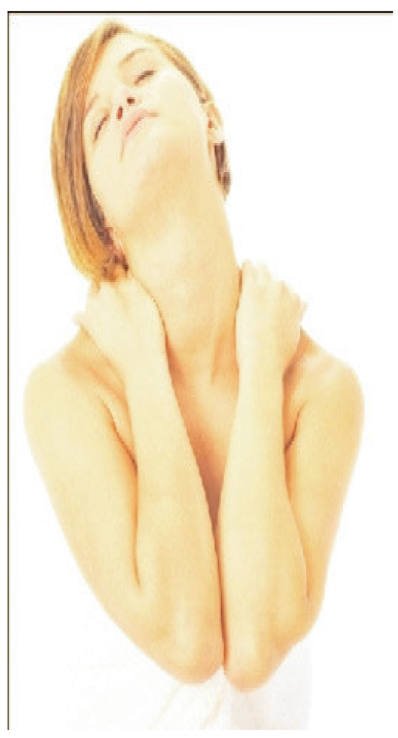

पोटेशियम की कमी होने के लक्षण

मांसपेशियां कमजोर: अगर आपको रोज ही मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और टीस रहती है तो शायद आपके शरीर में पोटेशियम की कमी हो गई है।

झनझनाहट : शरीर के कुछ अंगों में हमेशा झनझनाहट, पोटेशियम की कमी के कारण होता है, क्योंकि पोटेशियम ही आपके तंत्रिका और रक्त संचार को सुचारू रूप से होने में मदद करता है।

दिल तेजी से धड़कना : पोटेशियम की कमी से हार्ट की मांसपेशियों में संकुचन आ जाता है। जिसकी वजह से वह सामान्य रूप से नहीं धड़क पाता।

कब्ज : पोटेशियम की कमी से व्यक्ति को कब्ज की शिकायत हो सकती है क्योंकि पाचन प्रक्रिया सुचारू नहीं हो पाती है।

मानिसक दबाव: पोटेशियम की कमी से मानिसक दबाव होने लगता है और कई बार व्यक्ति तनाव में रहने लगता है। अवसाद की स्थिति में पोटेशियम की कमी ही कुछ हद तक जिम्मेदार होती है।

हाइपरटेंशन: शरीर में पोटेशियम कम होने पर रक्त वाहिकाओं में समस्या आने लगती है और मस्तिष्क तक रक्त का संचार ठीक ढंग से नहीं हो पाता है और व्यक्तिको सोचने व समझने में दिक्कत होती है। यह एक गंभीर स्थिति होती है।

मतली: अगर आपको बिना वजह ही मतली आती रहती है तो पोटेशियम की कमी आपके शरीर में हो चुकी है। आपको शीघ्र ही शरीर में पोटेशियम तत्व भरपूर करने वाले खाद्यो की पूर्ती करनी चाहिए।

नीम की चाय बीमारियों को करे गुड बाय

नीम नाम सुन कर ही हमें कड़वेपन का ऐहसास होने लगता है। जिस तरह सच्ची बात हमेशा ही कड़वी होती है, उसी तरह नीम भी कड़वापन लिए आपकी बीमारियों के लिए सच्ची तरह दूर करने में सहायक होता है। यूं तो नीम की पत्तियों और दांतून आपकी दांतो और त्वचा की देखभार करता ही है पर अब यदि आप नीम की चाय या फिर नीम का काढ़ा बना कर पींए तो आपका स्वास्थ्य और भी ज्यादा निखर सकता है। जाने कैसे :

1. **बैक्टीरिया और वायरस का करता है नाश :** नीम शरीर में बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में असरदार है। यह आपके शरीर की बीमारियों को जड़ से निकालने की कोशिश करता है।
2. **सांसो की बदबू दूर करे:** यदि सांसो से बदबू आने की समस्या है तो नीम की चाय से आपकी यह प्रॉब्लम भी दूर हो सकती है। नीम दांतों की सड़न से भी बचाती है।

3. **कब्ज दूर करे :** यदि आपको कब्ज की समस्या है तो आप नीम से बनी हुई चाय पी सकते हैं। यह आपकी पाचन क्रिया को दुरूस्त करके आपकी कब्ज की प्रॉब्लम दूर करता है।
4. **खून साफ करे:** नीम को खून साफ करने में महारत हांसिल है। यह खून को साफ कर के हमें निरोगी बनाती है। नीम की चाय बड़ी-बड़ी बीमारियां जैसे, निमोनिया, मलेरिया, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और दिल के रोग से बचाती है। नीम की चाय कैसे बनती है और इसे पीते वक्त क्या-क्या सावधानियां रखनी चाहिए।

नीम की चाय बनाने की विधि:- जरूरत के हिसाब से पानी उबाल लें। एक कप में मुठ्ठीभर नीम की पत्तियां डालें और ऊपर से उबला पानी डालें। नीम की पत्तियों को पानी में 5-7 मिनट तक भिगोए रखने के बाद पत्तियों को छान लें। फिर कप के पानी में शहद या नींबू का रस मिक्स करें। आप चाहें तो नीम की पत्तियों के अलावा नीम की पत्तियों का पॉवडर भी डाल सकते हैं।

नीम की चाय का साइड इफेक्ट:

1. वैसे तो नीम की चाय स्वास्थ्य के लिए अच्छी होती है पर इसके कुछ साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं। यदि कोई महिला गर्भवती हैं या फिर गर्भवती होने वाली है, तो इस चाय को पीने से बचें। यह चाय आपका गर्भपात कर सकती है।
2. नीम की चाय केवल दो कप ही पीनी चाहिए क्योंकि यह बहुत तेज होती है इसलिए इसे ज्यादा पीने से आपको उल्टी जैसा महसूस हो सकता है।
3. नीम की चाय रोज न पीएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-1-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-5-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होगें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ङ्कचता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-1-3-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मङ्कचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-5-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-8

लॉफिंग ज़ोन

एक बार एक कंजूस सेठ किराये की टैक्सी मे बैठा जा रहा था कि अचानक ही ड्राइवर बोला- साहब मेरी गाडी के ब्रेक फेल हो गये हैं.

इस पर सेठ जल्दी से बोला- अरे ब्रेक फेल हो गये हैं तो क्या हुआ पहले जल्दी से टैक्सी का मीटर तो बंद कर.

☺ ☺ ☺

एक पाठक ने किसी पत्रिका में एक प्रश्न पूछा कि पापड़ और झापड़ में क्या अंतर है?

संपादक ने उत्तर दिया - 'बेकार में दिमाग खपाने से कुछ नहीं होता. दोनों खाकर देख लीजिए, फर्क अपने आप समझ में आ जाएगा.'

☺ ☺ ☺

मनोज (दुकानदार से)- 'कैसी कुर्सियां बनाते हो? पिछले हफ्ते कुर्सी खरीदी थी, दो दिन भी नहीं चली.'

दुकानदार (मनोज से)- माफ कीजिएगा साहब, कुर्सी चलने के लिए नहीं होती, बैठने के लिये होती है.

☺ ☺ ☺

राकेश (मुकेश से)- 'फांसी के फंदे और शादी के फंदे में क्या अन्तर है?'

मुकेश (राकेश से)- 'फांसी के फंदे के बाद तमाम मुसीबतें खत्म हो जाती है और शादी के फंदे के बाद मुसीबतों की शुरूआत होती है.'

☺ ☺ ☺

काकुरो पहेली - 4095

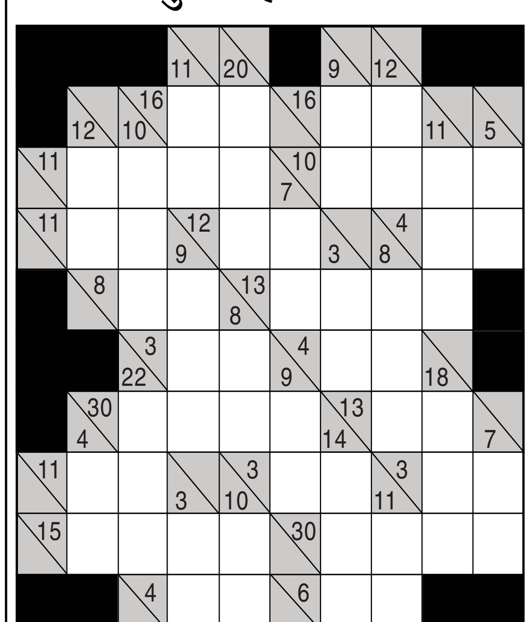

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

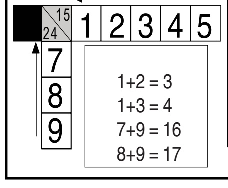

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 4094 हल

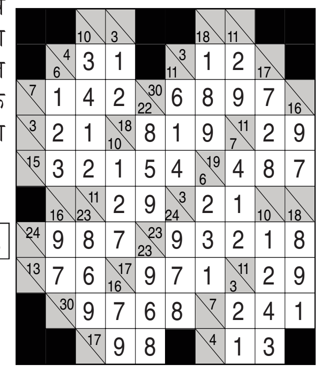

फिल्म वर्ग पहेली- 4095

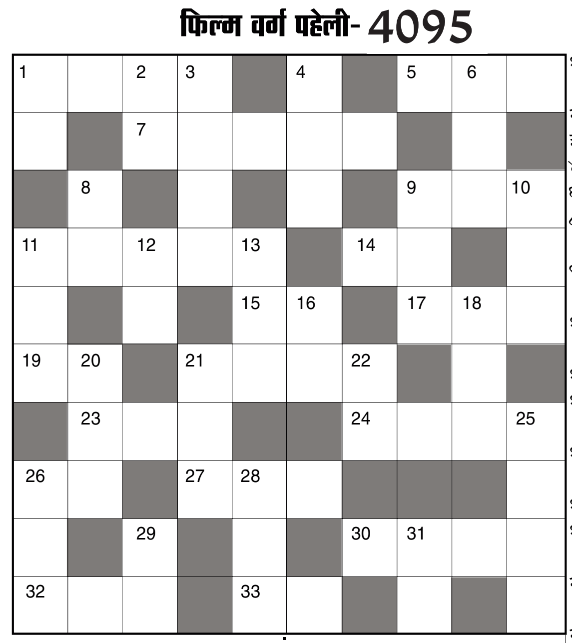

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२.फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4094

बा	ग	बा	न		खु		स	ल	मा
गी		द		आ	शी	र्वा	द		लि
	स	ल	मा	न			मा	शू	क
खौ	फ		या		वा	दा		ल	
	र	न		पा	प		भू		प
का		या	दे		स	पू	त		रा
म	नो	ज		जीं		र्णि		छा	या
चो		मा	चि	स		मा	ला		ध
र	वी	ना			ब्लै		ड़		न
	रू		न	म	क	ह	ला	ल	

सूडोकु -4095

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4094 हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली -'4095

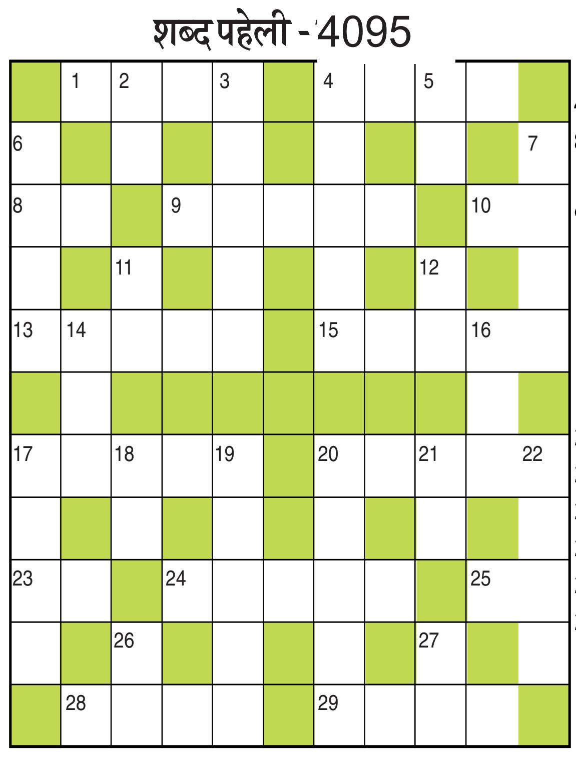

बाएँ से दाएँ

1.जानकारी-4
4.मांसाहार का उलट-4
8.'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9.कायाकल्प-5
10.पिता के छोटे भाई-2
13.कहानी लिखने वाला-5
15.नाम रखना-5
17.बेवक्त,अकाल-5
20.प्रयास,कोशिश-5
23.टोंटी,नलका-2
24.कामदेव,पुष्कर-2,3
25.डर,भय-4
28.शोर-शराबा-4
29.बेवफा,व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे

2.बिंदु,बिंदी,शून्य-2
3.गोलाकार-3
4.सम्मिलित होना-3,2
5.घाटा,नुकसान-2
6.मूर्ख,बेवकूफ-4
7.बिना कारण,बेवजह-4
11.राजा की पत्नी-2
12.वहम,संदेह-2
14.दुर्घटना-3
16.खाना बनाने की जगह,किचन-3
17.एकाएक, सहसा-4
18.अलमस्त-2
19.कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20.आरामदायी-5
21.सम्मान-2
22.भलमानसता-4
26.सद्,अच्छा-2
27.मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली '4094 हल

	अ	ल	ख				मु	स्का	न	
ग	न्ना		रा	त	की	रा	नी		बी	च
ल			ब	ल		ह	म			म
त	न	खा		ना	मि	त		र	ह	न
	र	ज	नी		त्र		क	स	म	
	क		ड	ल		दा	म		व	
	गा	फि	ल		पा		ला	न	त	
स	मी	र		सु	रा	ही		म	न	न
म			म	म		न	र			र
य	क्ष		हा	ति	म	ता	ई		आ	म
	मा	लि	न				स	ई	स	

मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग 25 हजार ईवीएम देगा महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग को

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग 25 हजार इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग को स्थानीय निर्वाचन के लिये किराये पर देगा। इस संबंध में मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग और महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग के बीच एमओयू हुआ। इस अवसर पर मप्र के राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि आयोग महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग की जरूरत अनुसार उन्हें ईवीएम उपलब्ध करा रहा है। इसके पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग को भी ईवीएम उपलब्ध करवाई गई थी।महाराष्ट्र के राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे ने मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयुक्त का ईवीएम उपलब्ध कराने के लिये आभार व्यक्त किया। कहा कि महाराष्ट्र में एक साथ स्थानीय निर्वाचन करवाना है, इसके लिये अत्यधिक संख्या में ईवीएम की जरूरत थी। मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा ईवीएम उपलब्ध कराने पर वे आसानी से निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी करा सकेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव अभिषेक सिंह ने मध्य प्रदेश के स्थानीय निर्वाचन में उपयोग की जा रही ईवीएम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बताया कि एक कंट्रोल यूनिट और तीन बैलेट यूनिट का कुल किराया 1000 रुपये होगा।

सीडीएस को तीनों सेनाओं के लिए संयुक्त आदेश-निर्देश जारी करने का मिला अधिकार

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेनाओं के लिए संयुक्त निर्देश और आदेश जारी करने के लिए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और सैन्य मामलों के विभाग के सचिव जनरल अनिल चौहान को अधिकृत किया है। इससे पहले तीनों सेनाओं के लिए अलग-अलग निर्देश/आदेश जारी किए जाते थे।?रक्षा मंत्रालय के मुताबिक सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और परिवर्तन की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेनाओं के लिए संयुक्त निर्देश और संयुक्त आदेश जारी करने के लिए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) और सैन्य मामलों के विभाग के सचिव (डीएमए) को अधिकृत किया है। यह पहले की प्रणाली में एक बदलाव का प्रतीक है?, जिसमें दो या अधिक सेवाओं से संबंधित निर्देश?, आदेश प्रत्येक सेवा द्वारा अलग-अलग जारी किए जाते थे।मंत्रालय ?की ओर से आज जारी 'संयुक्त निर्देशों और संयुक्त आदेशों के अनुमोदन, प्रख्यापन और क्रमांकन' पर पहला संयुक्त आदेश प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, अतिरेक को खत्म करने और क्रॉस-सर्विस सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देता है। यह पहल तीनों सेनाओं में बेहतर पारदर्शिता, समन्वय और प्रशासनिक दक्षता की नींव रखती है।

भारत ने इजरायल-ईरान सीजफायर का किया स्वागत, पश्चिम एशिया की स्थिति पर चिंता भी जताई

नई दिल्ली। भारत ने इजरायल ईरान के बीच संघर्ष विराम की खबरों का स्वागत किया है। साथ ही क्षेत्र की समग्र और स्थाई सुरक्षा पर चिंता भी जताई है। भारत ने एक बार फिर दोहराया है कि संवाद से ही समाधान निकलेगा। भारत इन प्रयासों में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। विदेश मंत्रालय की ओर से पश्चिम एशिया की स्थिति पर आज जारी एक बयान में कहा गया है कि भारत ईरान और इज़रायल के बीच संघर्ष के हालिया घटनाक्रमों पर नज़र बनाए हुए है। इसमें ईरान की परमाणु सुविधाओं पर अमेरिका की कार्रवाई और कतर में अमेरिकी सैन्य अड्डों पर ईरान की जवाबी कार्रवाई शामिल है।मंत्रालय ने कहा, ÷जहां हम समग्र और स्थायी क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता की संभावनाओं को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं, वहीं हम ईरान और इज़राइल के बीच युद्धविराम की खबरों और इसे संभव बनाने में अमेरिका और क़तर की भूमिका का स्वागत करते हैं।÷ भारत ने दोहराया कि क्षेत्र में संघर्षों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति का कोई विकल्प नहीं है। भारत इन प्रयासों में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है और आशा करता है कि सभी संबंधित पक्ष स्थायी शांति और स्थिरता की दिशा में कार्य करेंगे।

मायावती ने उड़ीसा में दलित युवकों के साथ अमानवीय कृत्य की निंदा की

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने उड़ीसा राज्य में दलितों की पिटाई और उन्हें गंदा पानी पिलाने की घटना की निंदा की है। उन्होंने उड़ीसा और केंद्र सरकार से इस घटना का संज्ञान लेने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग भी की है। मायावती ने उड़ीसा की घटना को लेकर सोशलमीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा कि उड़ीसा के गंजाम जिले में कुछ जातिवादी संगठनों ने दो दलित युवकों के हाथ-पैर बांधकर उनकी बेरहमी से पिटाई की। उनके आधे बाल काट दिए गए। उन्हें घुटनों के बल चलने और नाले का गंदा पानी पीने पर मजबूर किया गया। यह बहुत ही अमानवीय कृत्य है, जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है। मायावती ने मांग की है कि उड़ीसा राज्य सरकार के साथ-साथ केंद्र सरकार भी इस घटना का संज्ञान ले और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

देशभर में मानसून सक्रिय, कर्नाटक, गुजरात, हरियाणा, दिल्ली समेत कई राज्यों में भारी बारिश के आसार

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में मानसून अब पूरी तरह सक्रिय हो गया है। कई राज्यों में आज झमाझम बारिश होने का अनुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि आज देश के उत्तरी, पूर्वी, पश्चिमी और दक्षिणी हिस्सों में कई स्थानों पर तेज बारिश, गरज-चमक और तूफानी हवाओं का असर देखने को मिलेगा। आईएमडी के अनुसार तटीय कर्नाटक, गुजरात, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर अत्यधिक वर्षा हो सकती है। इसके मद्देनजर स्थानीय लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इन क्षेत्रों में जलभराव, भूस्खलन और यातायात में बाधा की संभावना भी बनी हुई है।अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, बिहार, छत्तीसगढ़, पूर्वी राजस्थान, आंतरिक कर्नाटक, झारखंड, केरल, मध्य प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, सौराष्ट्र एवं कच्छ, विदर्भ, पश्चिम बंगाल और सिक्किम जैसे क्षेत्रों में भी भारी वर्षा की आशंका है। इन क्षेत्रों में बिजली

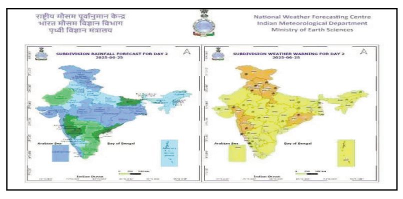

चमकने की घटनाएं भी हो सकती हैं। केरल, लक्षद्वीप और उत्तराखंड में कहीं-कहीं तेजहवाओं के साथ बिजली गिरने और गर्जन-तर्जन की चेतावनी जारी की गई है, जहां हवा की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, बिहार, पश्चिम बंगाल, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, झारखंड, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, ओडिशा, राजस्थान और पश्चिम मध्य प्रदेश जैसे इलाकों में बिजली और गरज के साथ वर्षा होने की संभावना है। इन इलाकों में हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। इसके साथ ही अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश, तटीय कर्नाटक, पूर्वी मध्य प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, आंतरिक कर्नाटक, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, विदर्भ में तूफानी गतिविधियों की चेतावनी दी गई है। अरब सागर के पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य, उत्तर और दक्षिणी हिस्सों में भी समुद्री गतिविधियों में तीव्रता देखने को मिलेगी, जहां हवाओं की गति 45 से 55 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है और कुछ स्थानों पर यह 65 किमी प्रति घंटे तक भी हो सकती है। पूर्व-मध्य और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी, कोंकण, गोवा, कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों और ओडिशा व पश्चिम बंगाल के तटीय इलाकों में भी तेजहवाएं चलने की संभावना है। इन क्षेत्रों में समुद्री गतिविधियों में बाधा आ सकती है और मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

इंजीनियरिंग सीट आवंटन घोटाले में ईडी की कर्नाटक में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी

एजेंसी

बेंगलुरु। इंजीनियरिंग सीट आवंटन घोटाले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने कर्नाटक राज्य में विभिन्न स्थानों पर छापे मारे हैं। सूत्रों के अनुसार ईडी की टीम बेंगलुरू सहित 18 स्थानों पर इंजीनियरिंग कॉलेजों और कॉलेज शासी निकाय के सदस्यों के घरों पर छापे और निरीक्षण की कार्रवाई कर रही है। पिछले साल बेंगलुरु के मल्लेश्वरम में सीईएन पुलिस स्टेशन में प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों में अवैध रूप से सीटें आवंटित करने का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने इस मामले में मुख्य व्यक्ति सहित 10 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया था। कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण के एक कर्मचारी की मदद से प्राप्त पासवर्ड का उपयोग करके आरोपित उन छात्रों की सीटें ब्लॉक कर रहे थे, जिन्होंने सरकारी सीटें तो हासिल कर ली थीं, लेकिन कॉलेज नहीं चुना था। फिर वे उन सीटों को लाखों रुपये में मैनेजमेंट कोटे के तहत दूसरों को

बेच रहे थे। यह धंधा कॉलेज प्रबंधन और बिचौलियों की मदद से चल रहा था। पुलिस जांच में पता चला है कि यह धंधा उन लोगों को निशाना बनाकर किया जा रहा था जो कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण की काउंसलिंग में शामिल हुए थे, लेकिन कॉलेज के लिए चयनित नहीं हुए थे। ईडी अधिकारियों ने घोटाले में धन के कथित अवैध हस्तांतरण की अलग से जांच शुरू की थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को वैश्विक मंच पर दी नई पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने न केवल आंतरिक विकास की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति की है, बल्कि वैश्विक मंच पर भी भारत की आवाज़ को निर्णायक और सम्मानजनक मान्यता मिली है। ऑपरेशन सिंदूर इस बात का प्रतीक है कि भारत अब अपने नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और प्रतिष्ठा के लिए किसी भी सीमा तक जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह विश्वास दिलाया है कि हर भारतीय, चाहे वो कहीं भी हो, भारत सरकार उसकी ढाल बनकर खड़ी है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव वाराणसी में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में सहभागिता कर संबोधित कर रहे थे। बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित उक्त राज्यों के मुख्य सचिव, केंद्र सरकार एवं संबंधित राज्य के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि

आज भारत 'विकसित भारत 2047' के जिस मार्ग पर चल रहा है, उसमें राज्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। नीति आयोग, मुख्यमंत्री परिषद् और क्षेत्रीय परिषद जैसे संस्थागत तंत्र ने इन्हें केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि 'समाधान का माध्यम' बनाया है। हमें सिखाया गया है कि विचारधाराएँ अलग हो सकती हैं, लेकिन देश का भविष्य साझा है; दृष्टिकोण भिन्न हो सकते हैं, लेकिन लक्ष्य एक 'सशक्त, समावेशी और आत्मनिर्भर भारत' होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्रीय परिषद केवल प्रशासनिक विचार-विमर्श का मंच नहीं, बल्कि सहकारी संघवाद की जीवंत अभिव्यक्ति है। प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा इस बात पर बल दिया है कि भारत की शक्ति उसकी विविधता में है लेकिन उसकी गति, उसका विकास 'टीम इंडिया' की भावना में निहित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा विश्वनाथ की धरती काशी में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक का आयोजन हो रहा है। हमारा सौभाग्य है कि हम भगवान श्रीराम, आराध्य श्रीकृष्ण की जन्मस्थली और भगवान शिव के प्रिय निवास स्थान उत्तर प्रदेश की पुण्यभूमि पर एकत्रित हुए हैं।

सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, संचार और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना जरूरी: धामी

एजेंसी

वाराणसी। मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक यहां नदेसर स्थित एक होटल में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, संचार और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने का आग्रह किया। इस महत्वपूर्ण बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी भाग लिया। बैठक में भाग लेने के बाद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि बैठक के दौरान उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, संचार और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के माध्यम से अधिक सहयोग का आग्रह किया है। साथ ही वाइब्रेंट विलेज योजना के अंतर्गत सीमांत गांवों में सुविधाओं के विकास, भारत नेट और सैटेलाइट संचार सेवाओं के शीघ्र विस्तार पर उन्होंने अपने विचार रखे। धामी ने

बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अनुदान प्रक्रिया को सरल बनाने, 1989 की दूरस्थ घाटी अधिसूचना को निरस्त करने और मानसून के दौरान उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन, अतिवृष्टि व बादल फटने जैसी आपदाओं से सड़कों को होने वाली क्षति के दृष्टिगत प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के सुचारू संचालन के लिए राज्य को अतिरिक्त सहयोग देने की आवश्यकता पर सुझाव दिया। राज्य में ग्लेशियर अध्ययन केंद्र, जैव विविधता संरक्षण संस्थान और अंतरराष्ट्रीय साहसिक खेल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा। साथ ही नंदा राजजात यात्रा (2026) और 2027 के कुंभ मेले के सफल आयोजन के लिए केंद्र सरकार से सहयोग का अनुरोध किया। धामी ने अपनी पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के विकल्प रहित संकल्प को पूर्ण करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य कर रहे हैं। हमारी सरकार भी इसी लक्ष्य के अनुरूप प्रदेश को विकसित उत्तराखंड के रूप में स्थापित करने के लिए तीव्र गति से कार्य कर रही है, ताकि राज्य का हर नागरिक विकास की मुख्यधारा से जुड़ सके और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदार भी बन सके। बैठक में सीमा सुरक्षा और अवैध घुसपैठ का भी मामला उठा।

छत्तीसगढ़ में विकास कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार से सहयोग की अपेक्षा : विष्णुदेव साय

एजेंसी

मुवाराणसी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साई ने अपने प्रदेश में विकास कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार से सहयोग की अपेक्षा की है। यहां आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में चर्चा के दौरान प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति सुधारने के लिए अधिक केंद्रीय सहायता देने सहित कई आवश्यक सुझाव भी दिए। बैठक के पहले छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव के दरबार में विधिवत दर्शन-पूजन किया। कालभैरव दरबार में काशी के परम्परा के अनुसार पुजारी से नजर भी उतरवाई। दर्शन-पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि सनातन संस्कृति, अध्यात्म और भारत के दर्शन और पूजन का परम सौभाग्य प्राप्त किया। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर एवं भव्य काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का भी भ्रमण किया। दर्शन के

की प्राचीन विरासत से सुसज्जित उत्तर प्रदेश की पुण्यभूमि काशी में, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप के साथ श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचकर बाबा विश्वनाथ बाद बाबा विश्वनाथ से प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। कालभैरव मंदिर में दर्शन पूजन के बाद लिखा कि आज देवों के अधिदेव, भगवान शंकर की पावन नगरी काशी में स्थित 'काशी के कोतवाल' श्री काल भैरव जी महाराज के मंदिर में दर्शन और पूजन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस पावन अवसर पर बाबा की आराधना की और संपूर्ण राष्ट्र के कल्याण के लिए प्रार्थना की। बाबा भैरवनाथ की कृपा समस्त देशवासियों पर बनी रहे और सभी के जीवन में सुरक्षा, समृद्धि व मंगल का आलोक निरंतर प्रसारित होता रहे यही कामना है। बैठक के बाद सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहकारी और प्रतिस्पर्धी संघवाद के मंत्र को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में आज वाराणसी में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी की अध्यक्षता में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में सहभागिता की।

राष्ट्रपति से मिले अभिनेता आमिर खान, फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' और फिल्म उद्योग पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रसिद्ध अभिनेता और फिल्म निर्माता आमिर खान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राष्ट्रपति भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों के बीच आमिर खान की हालिया फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' समेत भारतीय फिल्म उद्योग के विविध पहलुओं पर चर्चा हुई। आमिर इस अवसर पर पारंपरिक सफ़ेद कुर्ता और नीली जींस में नज़र आए। इस दौरान आमिर ने राष्ट्रपति के साथ तस्वीर भी खिंचवाई, जिसे राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा किया गया। पोस्ट में लिखा गया, प्रसिद्ध फिल्म निर्माता एवं अभिनेता आमिर खान ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि आमिर खान दिल्ली में ओलंपिक चैंपियनों के लिए अपनी फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' की विशेष

स्क्रीनिंग में भाग लेने आए थे। यह फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई है और इसे दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों से भी सराहना मिल रही है। आमिर खान की यह मुलाकात न सिर्फ उनकी फिल्म को लेकर चर्चा में रही, बल्कि फिल्म जगत और समाज के बीच संवाद को भी नया आयाम देने वाली मानी जा रही है।

नीतीश सरकार बनायेगी हर पंचायत में विवाह भवन, 46 प्रस्तावों पर लगी मुहर

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में 'मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजना' को मंजूरी दे दी गई। इसके तहत पंचायतों में विवाह भवनों के निर्माण के लिए 40 अरब 26 करोड़ 50 लाख रुपये की स्वीकृति सहित 46 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। बैठक के बाद कैबिनेट की जानकारी देते हुए बिहार सरकार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीना ने बताया कि इन विवाह भवनों का संचालन जीविका दीदियों के द्वारा किया जाएगा। पंचायत स्तर पर विवाह भवनों के निर्माण से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बहुत फायदा होगा। उन्होंने कहा कि जीविका द्वारा संपोषित 'दीदी की रसोई' का संचालन बहुत ही अच्छे

ढंग से हो रहा है। राज्य के सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पतालों तथा विभिन्न सरकारी संस्थानों में 'दीदी की रसोई' का प्रति थाली न्यूनतम खर्च लगभग 40 रूपये है जिसे सरकार 20 रुपये में उपलब्ध करायेगी। 20 रूपये प्रति थाली की क्षतिपूर्ति राज्य सरकार द्वारा जीविका को उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्य सचिव मीणा ने कहा कि महिलाओं से विमर्श के बाद नीतीश सरकार ने जीविका दीदी के वेतन में वृद्धि का फैसला लिया है। उन्हें मिलने वाले कर्ज में भी बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों के वेतन भत्ता में भी वृद्धि की गई है। इसके साथ ही 94 लाख परिवारों की बेहतरीन के लिए कमेटी के गठन का फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि 12 जून को सीएम ने पंचायती राज संस्थाओं और ग्राम कचहरियों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया था। पंचायती राज संस्थाओं के सभी स्तर के प्रतिनिधियों के मानदेय में बढ़ोतरी डेढ़ गुना कर दी गई। पंचायती राज प्रतिनिधि के सदस्यों की आकस्मिक और सामान्य मृत्यु तक 5 लाख की राशि देय होगी। सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि 400 से बढ़ाकर 1100 करने को कैबिनेट ने दी स्वीकृति दी है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने राहुल गांधी के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मतदाता बढ़ने के दावों को बताया तर्कहीन

एजेंसी

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बढ़े मतदाताओं के आंकड़ों को तर्कहीन और हताशा से भरा बताया है। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी से इस संदर्भ में और भी अध्ययन करने की अपील की है देवेंद्र फडणवीस ने मीडिया से बातचीत में कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बढ़े हुए मतदान प्रतिशत को लेकर चुनाव आयोग ने साफ तौर पर सफाई दी है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की सफाई पर विश्वास न करते हुए एक बार फिर वही संदेह जताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मालाड विधानसभा क्षेत्र में 11 फीसदी (38625) मतदाता बढ़े हैं। वहां कांग्रेस के असलम शेख चुनाव जीते हैं, जबकि

पश्चिम नागपुर निर्वाचन क्षेत्र में 7 प्रतिशत (27065) मतदाताओं की संख्या बढी है, वहां कांग्रेस के विकास ठाकरे चुनाव जीते हैं। इसी तरह कांग्रेस के ही नितीन राउत के विधानसभा क्षेत्र में भी 7 प्रतिशत मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। उन्होंने कहा कि पुणे जिले के वडगांव शेरी निर्वाचन क्षेत्र में 10 प्रतिशत (50911) मतदाता बढ़े हैं और वहां शरद पवार गुट के बापूसाहेब पठारे जीते हैं।

मुंब्रा विधानसभा क्षेत्र में 9 प्रतिशत मतदाता बढ़े, वहां भी शरद पवार गुट के जितेंद्र आव्हाड जीते हैं। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अगर राहुल गांधी अपनी पार्टी से इस परिणाम की जानकारी ली होती, तो इस तरह उनपर अथवा भाजपा पर निरर्थक आरोप नहीं लगाते। दरअसल राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के चुनाव क्षेत्र में विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की वृद्धि का आरोप लगाया था। साथ ही यह भी कहा था कि चुनाव बाद भी मुख्यमंत्री विधानसभा क्षेत्र में लगातार मतदाताओं की बढ़ोत्तरी हो रही है और चुनाव आयोग इसकी छानबीन नहीं कर रहा है।

मध्य प्रदेश में कोरोना पॉजिटिव पांचवीं महिला की मौत

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में एक और कोरोना पॉजिटिव महिला की मौत हो गई है। इस साल प्रदेश में कोरोना संक्रमित मरीज की यह पांचवीं मौत है। भिंड निवासी 52 वर्षीय महिला के फेफड़ों में गंभीर सूजन थी, जिससे उसे सांस लेने में काफी परेशानी हो रही थी। ग्वालियर के एक अस्पताल में महिला का इलाज चल रहा था, जहां सोमवार की रात उसकी मौत हो गई। चिकित्सकों के अनुसार, महिला को हाइपरसेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिस (एक्यूट लंग इंजरी) थी और वह कोरोना से भी संक्रमित थीं। इस साल कोरोना से मरने वाले सभी मरीज महिलाएं थीं। इससे पहले बीते सप्ताह मंडला जिले के नारायणगंज निवासी कोरोना संक्रमित महिला की जबलपुर के मेडिकल कॉलेज में मौत हुई। वह गर्भवती थी और उसे डिलीवरी के लिए भर्ती कराया गया था।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा ने बताया कि नारायणगंज से रेफर होकर आई महिला का सर्दी और खांसी के लक्षण देखकर कोरोना टेस्ट कराया गया था, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इसके बाद महिला की सर्जरी की गई, उसने बच्चे को जन्म दिया और उसे मेडिसिन वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया, जहां उसकी मौत हो गई। इसके अलावा प्रदेश में इस साल तीन और कोरोना संक्रमित महिलाओं की मौत हुई है। इनमें रतलाम की 52 वर्षीय महिला की मौत 11 जून को इंदौर में इलाज के दौरान हुई। उन्हें टीबी, ब्रोंकाइटिस और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां थीं। वहीं, खरगोन की 44 वर्षीय महिला की मौत 6 जून को एमआरटीबी अस्पताल में हुई थी। उन्होंने हाल ही में एमटीएच अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया था।

तेहरान से 11 दिनों की जद्दोजहद के बाद कोलकाता लौटे बंगाल के पर्वतारोही फाल्गुनी देय

एजेंसी

कोलकाता। तेहरान में युद्ध के हालात के बीच करीब 11 दिनों तक संघर्ष करने के बाद पश्चिम बंगाल के पर्वतारोही और कोलकाता के भूगोल प्रोफेसर फाल्गुनी देय आखिरकार कोलकाता लौट आए हैं। दिल्ली से एयर इंडिया की फ्लाइट जैसे ही सुबह लगभग आठ बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी, फाल्गुनी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। उनकी आंखों में राहत, डर और आभार के मिले-जुले भाव थे। 40 वर्षीय फाल्गुनी देय ने इन 11 दिनों की त्रासदी को याद करते हुए बताया कि ईरान में अपने ठहराव के दौरान न केवल जान का जोखिम उठाया, बल्कि करीब तीन हजार किलोमीटर का सड़क का सफर भी तय किया। वे 13 जून को ईरान से भारत लौटने वाले थे, लेकिन तेहरान हवाई अड्डा युद्ध की वजह से बंद हो गया, जिससे वे वहीं फंस गए। युद्ध के साए में बीता हर दिन बना चुनौतीफाल्गुनी 11 जून को तेहरान लौटे थे, जब उनका माउंट डेमावंद पर्वत की चढ़ाई का प्रयास असफल रहा। 13 जून को उनकी वापसी की फ्लाइट थी, लेकिन उसी रात तेहरान एयरपोर्ट बंद हो गया। इसके बाद उन्होंने 16 जून

को सड़क मार्ग से तेहरान छोड़कर अलग-अलग सीमा चौकियों से ईरान से निकलने की कोशिश की। सबसे पहले वे 500 किलोमीटर की कठिन यात्रा कर अज़रबैजान की अस्तारा सीमा तक पहुंचे, लेकिन यहां बिना विशेष इमिग्रेशन कोड के उन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं मिली।पांच रातें उन्होंने वहीं सीमा टर्मिनल के प्रतीक्षालय में गुजारीं।

होटल का खर्च वहन करने के लिए पैसे नहीं थे, इसलिए उन्होंने सड़क किनारे ढाबों में खाना खाया और कई बार सॉफ्ट ड्रिंक के साथ सूखा चावल भी खाया। बाद में उन्होंने अर्मेनिया का वीज़ा मांगा, लेकिन वह भी अस्वीकार हो गया। आखिरकार 21 जून को उन्होंने 1600 किलोमीटर की एक और सड़क यात्रा की योजना बनाई और 20 घंटे की नॉनस्टॉप टैक्सी यात्रा के बाद माशहद शहर पहुंचे। लेकिन रास्ते में नेशाबूर नामक स्थान पर ईरानी पुलिस ने उन्हें रोक लिया। उनके सामान की तलाशी ली गई, डायरी की प्रविष्टियों का अनुवाद करवाया गया और मोबाइल ऐप्स तक की जांच की गई।

यों होती हैं महिलाएं बातूनी

पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं ज्यादा बातूनी होती हैं। अभी तक तो यह सिर्फ आम धारणा ही थी, मगर अब यह बात प्रमाणित हो चुकी है। महिलाएं पुरु षों की तुलना में तीन गुना ज्यादा गपशप करती हैं

कैलिफोर्निया
यूनिवर्सिटी की मनोचिकित्सक डॉ. लॉन ब्रिजेडीन ने अपनी किताब ''द फीमेल माइंड' में महिलाओं के ज्यादा बातूनी होने का खुलासा किया है। उन्होंने अपनी क्लीनिक में ''फीमेल मूड एंड हार्मोन' को लेकर एक हजार लोगों के मस्तिष्क का वैज्ञानिक अध्ययन किया है। उसके मुताबिक, महिलाएं बातचीत करने में अपने दिमाग का ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। दिनभर में एक महिला औसतन 20 हजार शब्द बोलती हैं। जबकि इसके अनुपात में एक पुरुष दिनभर में केवल 7000 हजार शब्द ही बोल पाता है। यानी महिलाओं से 13000 हजार शब्द कम। डॉ. ब्रिजेडीन के मुताबिक, महिलाओं में बोलने का नशा जैसा होता है। उनके मस्तिष्क में पाए जाने वाले एक खास किस्म के कैमिकल की अधिकता से उनके बोलने की प्रवृत्ति ज्यादा ही होती है। महिलाओं को ज्यादा बातूनी बनाने में सेक्स हार्मोन टेस्टोस्टेरोन की अहम भूमिका है। ब्रिजेडीन का कहना है कि मस्तिष्क के जिस हिस्से में संप्रेषण, भावना और स्मरण ही क्षमता होती है, यह टेस्टोरेटेरोन पुरु ष के मस्तिष्क के उस हिस्से के कम होता है। यही वजह है कि पुरु ष अपनी भावनाएं व्यक्त करने में महिलाओं की अपेक्षा कमजोर होते हैं। महिलाओं और पुरु षों के मस्तिष्क की क्षमताओं में जन्मजात अंतर पाया जाता है।

इस शोध से अलग, चेकोस्लोवाकिया के समाजशास्त्रियों ने एक अध्ययन दल ने दूसरा अधिक बातूनी या गपोड़ी होने का अभियोग बच्चों पर लगाया है। अध्ययन से प्राप्त रिपोर्ट से पता चलता है कि पांच से दस वर्ष तक के बच्चे सबसे अधिक चहकते हैं। जब वे बोलते हैं, तो उन्हें पता नहीं कि वे कितना कुछ बोल गए। इस आयु वर्ग के बच्चे औसतन 14000 शब्द प्रतिदिन बोलते हैं। बच्चों के बाद दूसरे नंबर पर मल्लाह या नाविक आते हैं, क्योंकि उन्हें समुद्र से लंबी यात्रा से लौटकर अपनी यात्रा का लंबा विवरण जो सुनाना पड़ता है। तीसरे नंबर पर 10 से 25 वर्ष के आयु के युवक आते हैं, जो रोजाना औसतन दस हजार शब्द बोलते हैं।

जाने कब यह मान्यता बनी कि महिलाएं कभी-भी बात करते नहीं थकतीं और ज्यादातर महिलाएं बहुत गपोड़ी होती है। टोरंटो की वर्जिनिया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का यह भी कहना है महिलाएं भले ही गपोड़ी मानी जा रही हों, पर सच तो यह है कि पुरु ष महिलाओं से कहीं ज्यादा गपशप करते हैं। वे अपने गुप्त संबंधों, प्रेमिकाओं व अधिक वेतन प्राप्त करने वालों के बारे में ज्यादा गपशप करते हैं, इससे उनका विास बढ़ता है। लंदन बिजनेस स्कूल के मनोवैज्ञानिक प्रो. निजल निक्लसन कहते हैं कि पुरुष तो आजकल गपशप को नेटवर्किंग कहने लगे हैं। महिलाओं की अपेक्षा पुरु ष गप्पबाजी में ज्यादा लाभान्वित भी होते हैं। जब वे दूसरों से व्यवहार की आलोचना करते हैं, तो उनकी अपने प्रति भावना अच्छी हो जाती है और वे स्वयं को दूसरों से ऊपर मानने लगते हैं। वे दूसरों को यह भी बताते हैं कि उन्हें सही व गलत का ज्ञान उनकी अपेक्षा अधिक है।

वैज्ञानिकों की माने तो महिलाओं में लेंग्वेज प्रोटीन का स्तर अधिक होता है। 2001 में पाया गया था कि ''एफओएक्सपी 2' नामक जीन भाषा को बनाने के लिए जिम्मेदार होता है। वैज्ञानिकों ने बच्चों के दिमाग विश्लेषण किया और पाया कि लड़कियों के दिमाग में इस प्रोटीन की मात्रा लड़को से 30 प्रतिशत का अंतर था।

मैरीलैंड यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं के अनुसार भी एक महिला दिन में करीब 20000 शब्द बोलती है जबकि पुरुष 7000 हजार शब्द। इसके मान से महिलाएं ज्यादा बोलती हैं और बोलने में दौरान अधिक दिमाग लगाती है।

-किरण बाला

स्टाइल स्टेटमेंट बना आईना

कहते हैं महिलाएं दिनभर में जितनी देर दर्पण की ओर देखती हैं उतनी देर तो अपने बच्चे को भी नहीं देखती होंगी। खैर, ये तो हुई मजाक की बात। लेकिन यह सच है कि महिलाएं आदिकाल से ही घंटों दर्पण में अपना सौंदर्य निखारने के लिए ''विख्यात' रही हैं। मेकअप के सामान में दर्पण न हो, ऐसा संभव नहीं। लेकिन जहां पहले दर्पण को सिर्फ रूप निहारने के ''उपकरण' के तौर पर ही इस्तेमाल किया जाता था, वहीं अब यह घर, दफ्तर या शोरूम के लिए परफेक्ट स्टाइल स्टेटमेंट बन गया है।

आप भी अपने आशियाने में बेडरूम से लेकर बाथरूम तक को निखारने के लिए तरह-तरह के आकार और प्रकार के आईने इस्तेमाल कर सकती हैं-

फ्रेमलेस मिरर
आईना खरीदते वक्त सबसे महत्वपूर्ण बात यह ध्यान में रखें कि इसका शेप कमरे में मौजूद दूसरी चीजों से मैच करता हुआ हो। आजकल साज-सज्जा वाले मॉडर्न रूम्स में फ्रेमलेस मिरर गजब के लगते हैं। इनकी सबसे अच्छी खासियत यह है कि इन्हें दीवार पर टांगना जरूरी नहीं, इन्हें आप अपने बेडरूम के कोने में, जहां बहुत रोशनी न हो, लगाकर फुल लेंथ ड्रेसिंग मिरर के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं।

रॉड आइरन मिरर-
इन दिनों ये मिरर काफी पॉपुलर हैं। कई तरह के डिजाइनों में उपलब्ध होने के कारण ये कहीं भी अपना प्रभाव छोड़ सकते हैं। बच्चों का रूम हो या थीम बेस्ड बेडरूम, ये हर जगह सुंदर लगते हैं। अगर बेडरूम को आपने खुले आसमान की थीम से सजाया है तो वहां अर्धचन्द्राकार डिजाइन वाले रॉट आइरन मिरर लगा सकती हैं। इस तरह के मिरर फैशनेबल होने के साथ-साथ अफोर्डेबल भी हैं, इसलिए इन्हें खूब पसंद किया जाता है।

फाइन आर्ट मिरर
कमरे की कलात्मक अपील को बढ़ाने वाले ये मिरर इंटीरियर डेकोरेटर्स की खास पसंद हैं। ये लाइट रिफ्लेक्ट करने के साथ-साथ खुद एक कलात्मक सजावटी पीस का काम भी करते हैं। फाइन आर्ट मिरर हर तरह के इंटीरियर के साथ फिट एंड फाइन लगते हैं चाहे व मॉडर्न रूम हो या ट्रेडिशनल। ये मिरर हॉट केक की तरह बिकते हैं।

ऑर्नेट एवं कर्लड मिरर
आप चाहें तो हैंड हैर्मड कॉपर फ्रेम या नैचुरल टिन फ्रेम्ड मिरर चुन कर अपने कमरे को रस्टिक या स्पैनिश कॉलोनियल लुक दे सकती हैं। ऑर्नेट मिरर कमरे को गहराई और रोशनी देते हैं। अगर बजट सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हैं, तो आप एंटीक वेनेटियन स्टाइल के हैंडमेड रिप्रोडक्शन वाले कर्लड मिरर चुन सकती हैं। कर्लड वैराइटी ये आप कमरे के रंग से मैच करते या कॉन्ट्रास्ट वाले रंग चुन सकती हैं।

- अंजू जैन

बाल नजर आएं फैशनेबल

भागदौड़ भरी इस लाइफ में जब मेकअप के लिए भी पर्मानेंट ऑप्शन्स उपलब्ध हैं, तब भला बाल कैसे पीछे रह सकते हैं। बिना किसी परेशानी के बाल चुटकियों में मैनेज होने के साथ-साथ फैशनेबल भी नजर आएं, इसके लिए जानते हैं हेयर स्टाइलिंग के पर्मानेंट टिप्स

रिबांउडिंग- कर्ली बालों को सीधा करने का यह एक पर्मानेंट सॉल्यूशन है जिससे बाल कम से कम 8 महीने से लेकर साल भर के लिए बिल्कुल स्ट्रेट हो जाते हैं। हालांकि यूं तो बालों को प्रेसिंग मशीन के जरिए भी टेम्परेरी तौर पर स्ट्रेट किया जा सकता है लेकिन टेम्परेरी स्ट्रेटनिंग आपक रज-रज करनी पड़ती है जिससे बार-बार हीट लगने से बाल खराब भी हो जाते हैं। जबकि पर्मानेंट स्ट्रेटनिंग यानी रिबांउडिंग में यूज होने वाले प्रोडक्ट से बालों की कंडीशनिंग होती है और बाल लंबे दिखने के साथ-साथ खूबसूरत भी नजर आते हैं। इसे करवाने के कम से कम 3 दिन, और हो सके तो हफ्ते भर तक बालों को टाई न करें और न ही बार-बार कान के पीछे ले जाएं। इसके साथ ही स्वीमिंग, स्टीम, सॉउना और जिम से जुड़ी एक्टिविटीज को ज्यादा से ज्यादा अवॉइड करें। जब भी सोएं बाल सीधे लटकाकर सोएं और कम से कम तीन दिन तक बालों में शैंपू न करें।

स्मूदनिंग- लैस स्ट्रेटनिंग के साथ-साथ बालों को नैचुरली सॉफ्ट स्मूद लुक देने व साथ ही उन्हें मैनेजेबल बनाएं रखने के लिए स्मूदनिंग करवाना एक अच्छा ऑप्शन है। इससे बाल बिल्कुल भी आर्टीफिशियल नजर नहीं आते हैं और इतने सिल्की हो जाते हैं कि आप जब चाहें फिंगर कम्ब करके ही अपने बालों को संवार सकती हैं। स्मूदनिंग बहुत ज्यादा कर्ली बालों पर नहीं बल्कि वेवी बालों पर अच्छे से होती है। क्योंकि हमारे यहां अक्सर लड़कियों के बाल हेवी होते हैं, ऐसे में स्मूदनिंग करवा लेने से उनके बालों को एक अच्छा चेंज मिल जाता है। बस, स्मूदनिंग के बाद अच्छी क्वालिटी का शैंपू व कंडीशनर इस्तेमाल करना चाहिए। चाहें तो स्मूदनिंग को खूबसूरती से रिफलेक्ट करने के लिए कोई अच्छा सा स्टाइलिश हेयर कट भी करवा सकती हैं। स्मूदनिंग को मेनटेन करने के लिए भी रिबांउडिंग वाले स्टेप्स को फॉलो करना चाहिए।

पर्मिंग- बेशक स्ट्रेट बाल इन दिनों लाखों दिलों की चाहत बन गए हों लेकिन अपनी चीज भला किसे अच्छी लगती हैं। खूबसूरती का ये तोहफा जिन्हें कुदरती तौर पर मिला है और जो इसके कारण खुद से बोर हो चुके हैं, उनके लिए पमिंग..एक बेस्ट ऑप्शन है। इसके अंतर्गत आपके बालों को रोलर्स व अन्य पर्मानेट सॉल्यूशंस द्वारा कलर कर दिया जाता है जिससे बाल मुड़े हुए दिखाई देते हैं। जिनके बाल पतले हैं, उनके लिए भी पमिंर्ग स्टाइल काफी अच्छी है क्योंकि इससे बाल काफी घने नजर आते हैं। पर्मिंग में इस्तेमाल होने वाले केमिकल से बाल रूखे हो जाते हैं इसलिए सबसे अहम है, इसकी आफ्टर केयर। बालों के रूखेपन को कम करने के लिए ये पैक बना लें। इसके लिए एक केले को मिक्सी में मैश कर लें, फिर इसमें 3 चम्मच दूध, शहद और जैतून का तेल मिक्स करके अपने बालों में लगाएं। कुछ घंटे बाद बालों को सादे पानी से धो दें। ध्यान रहे इस पैक के बाद बालों को शैंपू तुरंत नहीं बल्कि कम से कम दो घंटे बाद ही करें साथ ही शैंपू के बाद कंडीशनर का इस्तेमाल जरूर करें।

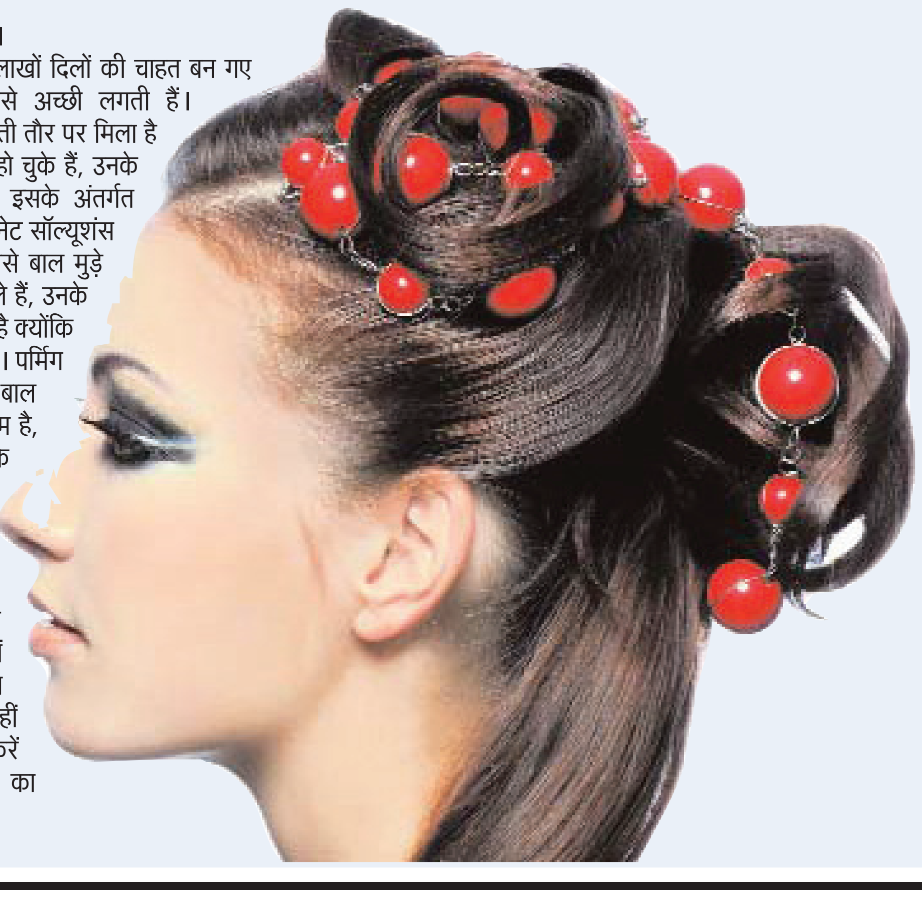

खाना - खजाना

चावल की टिक्की

सामग्री
1/4 कप उबले चावल, नमक स्वादानुसार, 2 टीस्पून बारीक कटा प्याज, 1 टीस्पून बारीक कटा अदक, 2 टीस्पून बारीक कटी हरी धनिया, 1 टीस्पून बारीक कटी हरी मिर्च, 1 टीस्पून पुदीने की चटनी, 2 टेबलस्पून कॉर्न स्टार्च, 2 टेबलस्पून तेल पैन में लगाने के लिए, भरावन के लिए - 1/2 कप मुरमुरे, 1टीस्पून बारीक कटा हरा धनिया, 1टीस्पून बारीक कटी हरी मिर्च, 1 टीस्पून बारीक कटा अदरक, 1टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, सजाने के लिए - इमली की चटनी आवश्यकतानुसार, बारीक कटे चेरी टमाटर आवश्यकतानुसार, धनिया पत्ती आवश्यकतानुसार।

विधि
मिश्रण बनाने के लिए एक बाउल में उबले चावल, नमक, बारीक कटा प्याज, बारीक कटा अदरक, बारीक कटी हरी धनिया, बारीक कटी मिर्च, पुदीने की चटनी और कॉर्न स्टार्च को मसल लें। भरावन के लिए एक बाउल में मुरमुरे, बारीक कटी धनिया, बारीक कटी हरी मिर्च, अदरक और लाल मिर्च पाउडर डालकर मिलाएं। मिशण्रका छोटा भाग लेकर इसके बीच में थोड़ा सा भरावन रखकर उसे अच्छी तरह बंद कर दें। इसी तरह से और भी टिक्की बना लें। पैन में तेल लगा लें और टिक्कियों को दोनों ओर से सेंक लें। उसके बाद टिशू पेपर पर निकाल लें। इमली की चटनी को प्लेट पर निकालें और उस पर चावल की टिक्की रखें। बारीक कटे चेरी टोमैटो और धनिया पत्ती से सजाएं।

लेंटिल पैनकेक बर्गर

सामग्री
1 टेबलस्पून तेल, 2 टीस्पून बारङ्खी कटी लहसुन, 2 टीस्पून बारीक कटी अदरक, 1 टेबलस्पून बारीक कटा प्याज, 1 टीस्पून बारीक कटी हरी मिर्च, 1 टीस्पून बारीक कटी अजवाइन, नमक स्वादानुसार, डेढ़ टीस्पून बारीक कटा गाजर, डेढ़ टीस्पून बारीक कटे फ्रेंच बीन्स, 2 टेबलस्पून उबले और कद्दूकस किये आलू, 1/2 कप उबली हुई मिक्स दालें, 1 टेबलस्पून ब्रेडक्रम्स, 2 टीस्पून बारीक कटी धनिया, 2 टीस्पून तेल पैन में लगाने के लिए 3-4 प्याज के टुकड़े, 1/2 टुकड़ा टमाटर, 1/2 खीरे का टुकड़ा, 2-3 गर्किन (छोटे खीरे), पैनकेक घोल के लिए - 1/2 कप मैदान, डेढ़ टेबलस्पून बेसन, 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर, कुटी काली मिर्च स्वादानुसार, नमक स्वादानुसार, 1/2 कप दूध, 1 टीस्पून बेकिंग सोडा, सर्व करने के लिए टोमैटो कैचप आवश्यकतानुसार।

विधि
एक पैन में तेल गर्म करके इसमें बारीक कटा अदरक, लहसुन, प्याज, हरी मिर्च, अजवाइन, नमक , गाजर और बारीक कटे फ्रेंच बीन्स डालकर भूनें। भरावन के लिए एक बाउल में भुनी सब्जियां, उबले और कद्दूकस किये आलू, उबली हुई मिक्स दालें, ब्रेडक्रम्स और बारीक कटी हरी धनिया डालकर मिलाएं। पैनकेक का घोल तैयार करने के लिए एक बाउल में मैदा, बेसन, हल्दी पाउडर, कुटी काली मिर्च, नमक, दूध और बेकिंग सोडा डालकर फेंट लें। एक गर्म पैन में तेल डालें। इसमें भरावन की पैटी तैयार करें। दोनों ओर से सेंक लें। दूसरे पैन में घोल डालें और पैनकेक तैयार करें। जब पक जाए तो पैन से निकाल कर रिंग मोल्ड से काट लें। ऐसा ही एक और बना लें। एक पैन केक को प्लेट पर रखें। उस पर प्याज के टुकड़े, बनाई गयी पैटी, पतले कटे टमाटर, खीरा, गर्किन रखकर दूसर पैन केक से ढक बर्गर जैसा बनाएं। लेंटिल पैन केक वर्गर को टोमैटो कैचप के साथ सर्व करें।

मैंगलोर बोंडा

सामग्री
1 कप टंगा दही, 1/4 कप बारीक कटा प्याज, 1 टेबलस्पून बारीक कटी हरी मिर्च, 2 टेबलस्पून बारीक कटी हरी धनिया, नमक स्वादानुसार, डेढ़ टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टेबलस्पून मैदा, एक चुटकी बेकिंग सोडा, तलने के लिए तेल, कोट करने के लिए तेल, अनन्नास के टुकड़ों को तैयार करने के लिए - 1 टेबलस्पून मक्खन, 5 अनन्नास के टुकड़े, नमक स्वादानुसार, 1-2 टीस्पून पिसी चीनी, कुटी काली मिर्च आवश्यकतानुसार, 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, सजाने के लिए -
फेंटा हुआ दही आवश्यकतानुसार,
एक चुटकी लाल मिर्च पाउडर,
1 डंठुल हरी धनिया

विधि
एक बाउल में टंगा दही, बारीक कटा प्याज, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा धनिया, नमक, लाल मिर्च पाउडर, मैदा, बेकिंग सोडा डालकर अच्छी तरह मिलाएं। 2-3 मिनट के लिए अलग रख दें। फ्राइंग पैन में तेल गर्म करें। बनाये गये मिशण्रसे बॉल्स तैयार करें और डीप फ्राई कर लें। फिर टिशू पेपर पर निकालें। मक्खन को पैन में गर्म करें। इसमें अनन्नास के टुकड़े, नमक, पिसी चीनी, कुटी काली मिर्च, लाल मिर्च पाउडर डालकर मिलाएं। एक केले के पत्ते को प्लेट पर रखें और फिर उस पर अनन्नास के टुकड़ों को रखकर बनाये गये बोंडा को उस पर रखें। पाइपिंग बैग में फेंटे हुए दही को भर और बोंडा को इससे डेकोरेट करें। ऊपर से लाल मिर्च पाउडर छिड़कें और धनिया पत्ती से सजाकर कर सर्व करें।

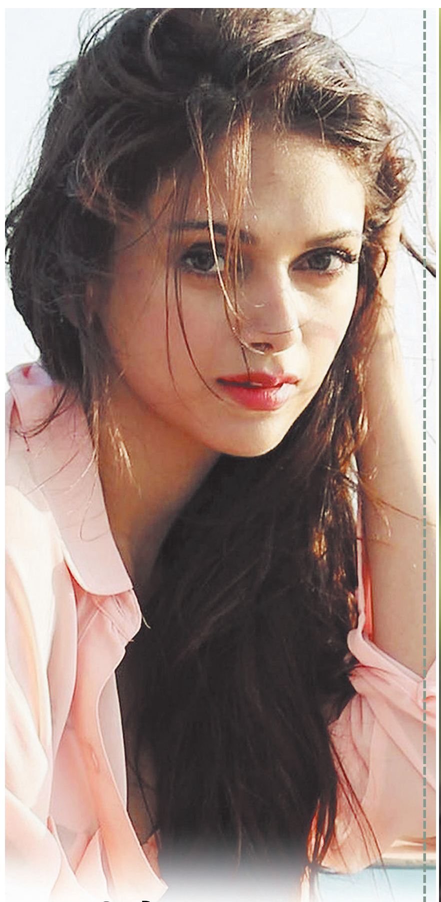

शादी के बाद ज्यादा फिल्मों के ऑफर नहीं मिले हैं

फिल्म इंडस्ट्री में बेशक बदलाव आया है। हीरोइनों को अब पहले से मजबूत भूमिकाएं मिल रही हैं। शादी और बच्चों के बाद भी वे इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। मगर, एक सच्चाई ये भी है कि शादी के बाद जहां अभिनेताओं के करियर पर बड़ा असर नहीं होता, लेकिन अभिनेत्रियों का करियर किसी न किसी रूप में प्रभावित होता है। शादी के बाद अदिति राव हैदरी भी कुछ ऐसा ही महसूस कर रही हैं।

शादी के बाद कैसा है अदिति का करियर?

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी और एक्टर सिद्धार्थ ने बीते वर्ष सितंबर में शादी रचाई। काफी वक्त एक-दूसरे को डेट करने के बाद कपल शादी के बंधन में बंधा। हाल ही में अदिति राव हैदरी शादी के बाद अपने करियर को लेकर बात करती दिखीं। उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में एक बातचीत में अदिति राव हैदरी ने खुलासा किया कि शादी के बाद से उन्हें बहुत ज्यादा फिल्मों के ऑफर नहीं मिले हैं। अपनी खूबसूरती और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली अदिति की इस टिप्पणी से पता चलता है कि निजी जिंदगी में माइलस्टोन के बाद अभिनेत्रियों को अक्सर इंडस्ट्री में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

नजरिया बदलने की जरूरत

अदिति की लोकप्रियता और अदाकारी को देखते हुए दर्शकों के लिए इस पर यकीन करना शायद मुश्किल हो कि उन्हें फिल्मों के कम ऑफर मिल रहे हैं। हालांकि, वे अपने करियर को लेकर सकारात्मक हैं। फिर भी अदिति की टिप्पणी ने इस बात पर जोर दिया है कि शादी के बाद अभिनेत्रियों के प्रति नजरिया बदलने की जरूरत है। अदिति को बीते वर्ष सीरीज हीरमंडी में देखा गया। इसमें उन्होंने बिब्बोजान का किरदार निभाया था।

मीना कुमारी की बायोपिक में नजर आ सकती हैं कियारा

मीना कुमारी की बायोपिक की घोषणा के बाद से ही कई बड़ी एक्ट्रेसेस इस फिल्म का हिस्सा बनने की दौड़ में हैं। अब खबर है कि इस आइकोनिक रोल के लिए मेकर्स ने कियारा आडवाणी को अप्रोच किया है। इस मेगाबजट फिल्म के राइट्स सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने सारेगामा और अमरोही परिवार के साथ मिलकर खरीदे हैं। बड़े स्तर पर बनाई जा रही इस फिल्म को लेकर पहले से ही जबरदस्त चर्चा है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म की टीम मानती है कि मीना कुमारी जैसी दिग्गज अदाकारा का किरदार निभाने के लिए कियारा एक बेहतरीन चॉइस हैं।

स्क्रिप्ट कियारा को सुनाई जा चुकी है और उन्हें कहानी काफी पसंद भी आई है। हालांकि अभी उन्होंने आधिकारिक तौर पर हामी नहीं भरी है। अगर कियारा इस प्रोजेक्ट के लिए हां करती हैं, तो यह उनकी प्रेग्नेंसी के बाद शूट होने वाली पहली फिल्म हो सकती है, जो इस प्रोजेक्ट को और खास बना देती है। कियारा के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स पर नजर डालें तो 'वार 2', 'टॉक्सिक' और अब मीना कुमारी की बायोपिक उनकी फिल्मों की लाइनअप वाकई दमदार दिख रही है। अब एक बड़ा सवाल ये भी है कि फिल्म में कमाल अमरोही का किरदार कौन निभाएगा? क्योंकि मीना कुमारी और कमाल अमरोही की कहानी में उनकी केमिस्ट्री ही फिल्म की जान होगी।

भोजपुरी फिल्म रूद्र-शक्ति में साथ आए अक्षरा और विक्रांत सिंह

भोजपुरी सिने जगत की खूबसूरत अदाकारा अक्षरा सिंह और जीआरपी स्टार विक्रांत सिंह राजपूत जल्द ही बड़े पर्दे पर साथ में नज़र आने वाले हैं। आज इसकी घोषणा कर दी गयी है. दोनों बिभूति एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनने वाली नई फिल्म रूद्र-शक्ति में साथ नज़र आयेंगे, जिसमें एक सशक्त कहानी और दमदार अभिनय का संगम देखने को मिलेगा। फिल्म रूद्र-शक्ति को निशांत सी. शेखर निर्देशित कर रहे हैं, जिनका विज़न आधुनिक और पारंपरिक कथानक के समन्वय पर आधारित है। फिल्म का पहला पोस्टर आज जारी किया गया, जिसमें ईश्वरीय शक्ति, स्त्री सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता का संदेश झलकता है। यह पोस्टर दर्शकों में गहरी उत्सुकता जगा रहा है और इसकी कहानी को लेकर पहले ही चर्चाएं शुरू हो चुकी हैं।

फिल्म में शक्ति की भूमिका निभा रही हैं अक्षरा सिंह ने कहा — यह किरदार सिर्फ एक अभिनय का अवसर नहीं, बल्कि एक सामाजिक जिम्मेदारी है। शक्ति एक ऐसी महिला है जो नारीत्व की सच्ची ताकत को दर्शाती है। दर्शक मुझे इस नए अवतार में जरूर पसंद करेंगे, क्योंकि इसमें आत्मबल, करुणा और विद्रोह तीनों एक साथ मिलते हैं। वहीं विक्रांत सिंह राजपूत ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा — इस फिल्म में मेरा किरदार कई भावनात्मक रंगों से भरा है। रूद्र सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक विचार है — न्याय, संघर्ष और आत्मपरिवर्तन का। अक्षरा के साथ काम करना हमेशा प्रेरणादायक रहा है और निशांत जी के निर्देशन में हर दृश्य जीवंत महसूस हुआ। रूद्र-शक्ति 18 जुलाई 2025 को रिलीज होगी, और इसके संगीत का जिम्मा टक धूम म्यूज़िक के पास है।

इंडस्ट्री में संघर्ष पर छलका सानविका का दर्द

अभिनेत्री सानविका ने प्राइम वीडियो की चर्चित सीरीज पंचायत में रिंकी का रोल अदा कर खूब लोकप्रियता हासिल की है। चौथे सीजन में सचिव जी (जितेंद्र कुमार) के साथ उनकी लव स्टोरी बढ़ती नजर आएगी। हाल ही में सानविका ने इंडस्ट्री में अपने संघर्ष पर बात की।

इनसाइडर होने की जताई इच्छा

सानविका आउटसाइडर हैं। उन्होंने पंचायत सीरीज में रिंकी के रोल के जरिए पहचान बनाई है। मगर, इस रास्ते उन्हें खूब संघर्ष करना पड़ा है। उनका हालिया पोस्ट यही इशारा कर रहा है, जिसमें वे खुद के इनसाइडर होने की कामना कर रही हैं। सानविका का कहना है कि काश वे इनसाइडर होतीं या फिर एक मजबूत बैकग्राउंड से होतीं।

... तो आसान होतीं चीजें

सानविका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे लिखती हैं, कभी-कभी यह सोचती हूं कि काश मैं एक इनसाइडर होती। या किसी बहुत मजबूत बैकग्राउंड से आई होती तो चीजें बहुत आसान होतीं। शायद ऐसा होता, मुझे नहीं मालूम। शायद सम्मान पाने और समान व्यवहार पाने जैसी बुनियादी चीजें आसान होतीं। संघर्ष और बराबरी की लड़ाई थोड़ी कम होती।

फुलेरा में होगा प्रधानी का चुनाव

बता दें कि सानविका का असली नाम पूजा सिंह है। प्राइम वीडियो की चर्चित सीरीज पंचायत का चौथा सीजन दस्तक देने वाला है। इस बार सीरीज में फुलेरा गांव में प्रधानी का चुनाव देखने को मिलेगा। मंजू देवी और क्रांति देवी के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

कब रिलीज होगा चौथा सीजन?

पंचायत सीजन 4 24 जून से स्ट्रीम होगा। शो में जितेंद्र कुमार सचिव की भूमिका में नजर आएंगे। शो के चौथे सीजन में भी नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, फैसल मलिक और चंदन रॉय जैसे सितारे नजर आएंगे।

मुश्किल में साउथ के एक्टर विजय देवरकोंडा, दर्ज हुई शिकायत

अभिनेता विजय देवरकोंडा मुश्किल में आ गए हैं। उनके खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत शिकायत दर्ज की गई है। इल्जाम है कि वियज देवरकोंडा ने कथित तौर पर आदिवासी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली बयानबाजी की।

रायदुर्गम पुलिस स्टेशन में दर्ज हुई शिकायत

यह शिकायत ज्वाइंट एक्शन कमेटी ऑफ ट्राइबल कम्युनिटी के अध्यक्ष नेनावथ अशोक कुमार ने दर्ज कराई है। उन्होंने दावा किया कि फिल्म रेट्रो के प्री-रिलीज कार्यक्रम के दौरान देवरकोंडा की टिप्पणियां आपत्तिजनक थीं। इनसे आदिवासी समुदाय का अपमान हुआ। साइबराबाद के रायदुर्गम पुलिस स्टेशन में देवरकोंडा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और जांच चल रही है।

विजय देवरकोंडा ने की विवादित टिप्पणी

आपको बता दें कि हैदराबाद में रेट्रो फिल्म के प्रमोशन के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में विजय देवरकोंडा को मुख्य अतिथी के तौर पर बुलाया गया था। उस वक्त कश्मीर के पहलगाम में हमला हुआ था। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद चर रहा था। ऐसे में विजय पाकिस्तान के खिलाफ बोल रहे थे। इसी कड़ी में उन्होंने विवादित टिप्पणी करते हुए कहा जैसे पहले आदिवासी कबीले लड़ते थे, वैसे ही अब भारत और पाकिस्तान लड़ रहे हैं। यह बात संगठन ज्वाइंट एक्शन कमेटी ऑफ ट्राइबल कम्युनिटी को पसंद नहीं आई।

संगठन ने विजय की टिप्पणी की आलोचना करते हुए इसे आदिवासियों का अपमान बताया है। उन्होंने कहा आदिवासी समुदाय का हजारों साल पुराना समृद्ध इतिहास है। पर्यावरण संरक्षण में उनकी विशेष भूमिका है। उन्होंने मांग की है कि अभिनेता बोलते समय तथ्यों पर विचार करें। विजय देवरकोंडा की टिप्पणियों को लेकर आदिवासी और जनजातीय समूहों ने पूरे राज्य में आंदोलन किया है। कई जगहों पर पुलिस को शिकायतें मिली हैं। अब रायदुर्गम पुलिस ने विजय देवरकोंडा के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

फिल्म रेट्रो कार्तिक सुब्बाराजू द्वारा निर्देशित और सूर्या द्वारा अभिनीत फिल्म है। यह फिल्म 1 मई को रिलीज हुई थी। इसमें पूजा हेगड़े ने नायिका की भूमिका निभाई थी। फिल्म का प्री-रिलीज इवेंट 26 अप्रैल को हैदराबाद में आयोजित किया गया था।

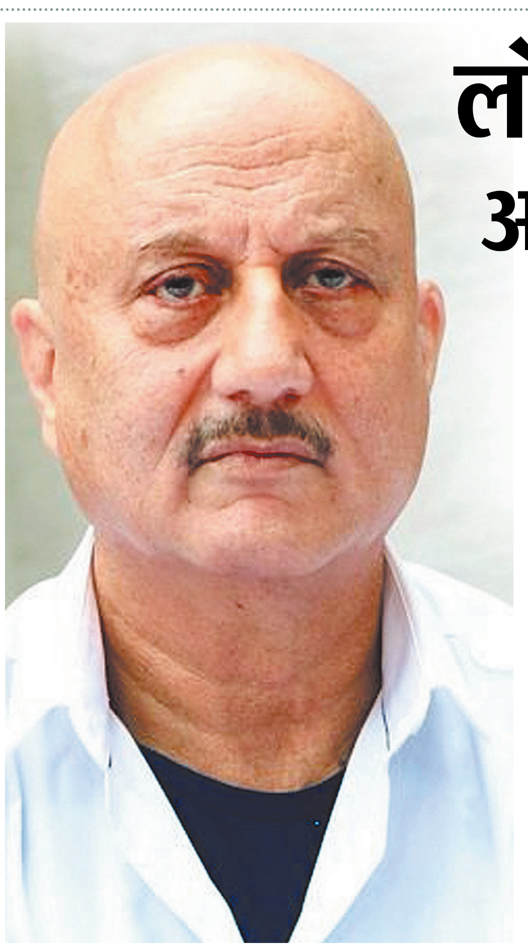

लोगों से जुड़ती है मेट्रो इन दिनों की कहानी

अनुपम खेर ने की निर्देशक अनुराग बसु की तारीफ

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अनुपम खेर इन दिनों अनुराग बसु की फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। अभिनेता फिल्म के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। फिल्म की रिलीज से पहले उन्होंने अमर उजाला डिजिटल से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने न सिर्फ अपनी आने वाली फिल्मों पर बात की, बल्कि इंडस्ट्री से जुड़े कुछ गंभीर मुद्दों पर भी अपनी राय बेबाक अंदाज में रखी।

'मेट्रो इन दिनों' है जिंदगी की एक खूबसूरत जर्नी

जब अनुपम खेर से पूछा गया कि वह फिल्म मेट्रो इन दिनों की जर्नी को कैसे बयां करेंगे, तो उन्होंने कहा, 'पता ही नहीं लगा कि कब यह जर्नी शुरू हुई और कब चलती रही। जिस जर्नी का पता नहीं चलता, वही सबसे अच्छी होती है। चाहे आप किसी पार्ट कम्पार्टमेंट में बैठे हो या फर्स्ट क्लास में, या एसी में – अगर सफर अच्छा है तो डेस्टिनेशन भी अच्छा ही होगा। यही इस फिल्म का अनुभव है। यह फिल्म हर किसी से किसी न किसी रूप में जुड़ती है। इसकी कहानी ऐसी है जो लोगों से जुड़ती है, क्योंकि वह अनुभव निर्देशक का है। अनुराग के साथ काम करना हमेशा वंडरफुल होता है। अनुराग बसु के बारे में बात करते हुए अनुपम ने कहा, 'मुझे नहीं पता था कि वह जितनी अच्छी फिल्में बनाते हैं, उतना अच्छा खाना भी बनाते हैं। वह बहुत ही मल्टी टैलेंटेड हैं। डांस भी करते हैं, गाना भी गाते हैं और खाना तो कमाल का बनाते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सेट पर भी वह ऐसा माहौल रखते हैं कि कोई स्ट्रेस नहीं होती। कुछ डायरेक्टर सेट पर आते ही एक दबाव बना देते हैं, लेकिन अनुराग बिलकुल अलग हैं। वो कभी नहीं जताते कि वह कोई बहुत कमाल की फिल्म बना रहे हैं। फिल्म बनने के बाद भी जब पूछो कैसी बनी है, तो बस इतना ही कहते हैं ठीक है, देखते हैं।'

वर्क-लाइफ बैलेंस जरूरी, पर मेहनत की अहमियत न भूलें

आजकल के आर्टिस्ट के लिए वर्क-लाइफ बैलेंस एक अहम बात बन गई है। इस पर अनुपम ने कहा, 'उन ऐक्टर्स से जाकर बात करनी चाहिए जो वर्क-लाइफ बैलेंस की बात करते हैं। पता नहीं इतने वर्षों बाद भी वो लोग काम कर रहे होंगे या नहीं। मैं ये बात घमंड से नहीं कह रहा, लेकिन हमने बहुत लोगों को आते-जाते देखा है। हमें काम की अहमियत भी पता है और उस मेहनत की भी जो इसके पीछे लगती है। सफलता को कभी भी पक्का नहीं मानना चाहिए। काम के प्रति सम्मान और लगातार मेहनत ही आपकी पहचान बनाती है। अनुपम खेर ने साफ कहा कि उन्हें अवॉर्ड्स मिलने की खुशी होती है और न मिलने पर तकलीफ भी। उन्होंने कहा, 'बचपन से हमें सिखाया गया था कि मेहनत करोगे, तेज दौड़ोगे, तो फर्स्ट आओगे और अवॉर्ड मिलेगा। मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो कहते हैं कि अवॉर्ड्स जरूरी नहीं होते। मुझे अच्छा लगता है जब अवॉर्ड मिलता है। और जब नहीं मिलता, तो तकलीफ भी होती है। उन्होंने माना कि कई बार उन्हें अच्छे काम के बावजूद अवॉर्ड नहीं मिला। खोसला का घोंसला' और 'स्पेशल 26' इन दोनों फिल्मों के लिए मुझे कोई अवॉर्ड नहीं मिला। थोड़ा अफसोस जरूर होता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप मेहनत करना छोड़ दें। इतने वर्षों के अनुभव के बावजूद अनुपम खेर मानते हैं कि उन्हें आज भी फिल्मों की रिलीज से पहले नर्वसनेस होती है। उन्होंने कहा कि हर बार होता है। चाहे थिएटर का प्ले हो, फिल्म का ट्रेलर लॉन्च हो या रिलीज घबराहट होती है, क्योंकि आपने मेहनत की है और चाहते हैं कि फिल्म लोगों तक पहुंचे, पसंद की जाए।

तन्वी द ग्रेट के लिए उत्साहित हैं अनुपम

अपने आने वाले प्रोजेक्ट पर बात करते हुए अनुपम खेर ने बताया कि उन्होंने एक फिल्म डायरेक्ट की है – तन्वी द ग्रेट। इस फिल्म को लेकर बहुत मैं बहुत एक्साइटेड हूं। यह मेरी डायरेक्ट की हुई फिल्म है और 18 जुलाई को रिलीज होगी।

भारत ने गंवाया लीड्स टेस्ट, इंग्लैंड ने हासिल की रिकॉर्डतोड़ जीत

लीड्स (एजेंसी)। बेन डकेट (149) की शतकीय, जैक क्रॉली (65) और जो रूट (नाबाद 53) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने पेहले टेस्ट मैच के पांचवें एवं आखिरी दिन मंगलवार को भारत को पांच विकेट से शिकस्त दी। इसी के साथ इंग्लैंड ने टेस्ट श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली है। भोजनकाल के बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड को पहला झटका प्रसिद्ध कृष्णा ने जैक क्रॉली (65) को आउटकर दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये पहली पारी के शतकवीर ऑली पोप (आठ) को भी प्रसिद्ध कृष्णा ने बोल्ड कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद शार्दुल ठाकुर ने बेन डकेट को नीतीश कुमार रेड्डी के हाथों कैच आउट कराकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। बेन डकेट ने 170 गेंदों में 21 चौकों और एक छक्के की मदद से (149) रनों की पारी खेली। इसी ओवर में उन्होंने हैरी ब्रूक (शून्य) को भी आउट कर पवेलियन भेज दिया। प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर (दो-दो विकेट) के झटको को झेलते हुए इंग्लैंड ने मैदान गिला होने के कारण खेल रोके जाने के समय चायकाल तक चार विकेट पर 269 रन बना लिये थे। चायकाल के बाद रवींद्र जडेजा ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (33) को आउट कर भारत पांचवीं सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जेमी स्मिथ ने जो रूट के साथ पारी को संभाला और धैर्य के साथ बल्लबाजी करते हुए अपनी टीम को जीत की ओर ले गये। इंग्लैंड ने 82 ओवर में पांच विकेट पर 373 रन बनाकर पांच विकेट से मुकाबला जीत लिया। जो रूट (53) और जेमी स्मिथ (44) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की हार कारण खराब क्षेत्ररक्षण रहा। भारतीय खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़े जिसका खामियाजा हार के रूप में सामने आया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर ने दो-दो विकेट लिये। रवींद्र जडेजा ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां इंग्लैंड ने सुबह के सत्र में कल के 21 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। जैक क्रॉली और बेन डकेट की सलामी जोड़ी ने संयम का परिचय देते हुए भारतीय गेंदबाजी आक्रमण का सामना किया और रन भी बटोरे। भोजनकाल तक इंग्लैंड ने 30 ओवरों में बिना कोई विकेट खोए 117 रन बना लिये और टीम के मैच जीतने की उम्मीद जगाई। उल्लेखनीय है कि भारत ने पहली पारी में यशस्वी जायसवाल, कप्तान शुभमन गिल और ऋषभ पंत की शतकीय

पारियों की बदौलत 471 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके बाद इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 465 रन का स्कोर बनाया था। भारत ने दूसरी पारी में 364 रन का स्कोर बनाया था और उसके पहली पार में सात रन की बढ़त मिली थी।

शार्दुल ठाकुर दूसरे टेस्ट से हो सकते हैं बाहर, इस खिलाड़ी को मिल सकता है मौका, मुख्य कोच ने दिया इशारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के पहले मैच में शार्दुल ठाकुर से कम गेंदबाजी कराने के कप्तान शुभमन गिल के फैसले का बचाव किया लेकिन दो जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में उनके चयन को सही ठहराना मुश्किल होगा। दिसंबर 2023 के बाद से अपना पहला टेस्ट खेल रहे शार्दुल का तेज गेंदबाजी में अच्छा उपयोग नहीं हुआ और उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से भी टीम को निराश किया। उन्होंने दो पारियों में 20 गेंदों पर कुल पांच रन बनाए।

शार्दुल ने मैच की पहली पारी में सिर्फ छह ओवर और दूसरी पारी में 10 ओवर गेंदबाजी की। ऐसे में विशेषज्ञ गेंदबाज की जगह उन्हें तरजीह देने पर सवाल उठ रहे हैं। शार्दुल ने मैच के पांचवें दिन हालांकि लगातार दो विकेट लेकर भारत की जीत की उम्मीदें जगा दी थी लेकिन उनकी गेंदबाजी में धार और पैनापन नहीं था। उन्होंने और प्रसिद्ध कृष्णा ने बहुत सारी कमजोर गेंदें फेंकी, जिससे इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना। भारत को इस पांच दिवसीय मैच में ज्यादातर समय तक दबदबा बनाये रखने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बावजूद टीम को ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। एजबेस्टन टेस्ट के लिए हालांकि अंतिम एकादश में कुछ बदलाव तय हैं। विशेषज्ञों ने श्रृंखला के पहले मैच में कुलदीप यादव को शामिल करने की मांग की थी और अब बर्मिंघम में स्पिनरों की मदद करने वाली पिच पर शार्दुल की जगह उन्हें शामिल किए जाने की संभावना है। पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने कहा, 'कुलदीप को टीम में होना चाहिए। चार तेज गेंदबाजों के साथ खेलने का कोई मतलब नहीं है। शार्दुल या प्रसिद्ध में से कोई भी उनके लिए जगह बना सकता है।'

छह कैच छोड़ने के बाद भी नाच रहे यशस्वी पर भड़के प्रशंसक

लीड्स (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट में अपने खराब क्षेत्ररक्षण के कारण प्रशंसकों के निशाने पर हैं। इस मैच में यशस्वी ने 6 कैच छोड़े, इसके बाद भी वह मैदान पर डांस कर रहे थे। जिससे भारतीय प्रशंसक भड़क गये क्योंकि इस मैच में भारतीय टीम को बड़े स्कोर के बाद भी हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी पारी में बेन डकेट का कैच छोड़ने के कुछ ही देर बाद यशस्वी के डांस पर प्रशंसक बेहद नाराज दिखे। डकेट ने इस मैच में शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिला दी। भारतीय टीम की हार का कारण यशस्वी का कैच छोड़ना रहा। यशस्वी ने दोनों पारियों में कुल मिलकाकर 6 से ज्यादा कैच छोड़े। मैच का उनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। उसमें वह डकेट का कैच छोड़ने के कुछ ही देर बाद मुस्कुराते और डांस करते दिख रहे हैं। डकेट जब 97 के स्कोर पर थे तभी कैच गिरने के बाद भी उन्होंने 149 रन की मैच विजेता पारी खेली। वह प्लेयर ऑफ द मैच भी बनी। यशस्वी ने भारतीय टीम की ओर से पहली पारी में शतक लगाया था पर खराब क्षेत्ररक्षण से उन्होंने अब बेकार कर दिया।

एक भारतीय प्रशंसक ने यशस्वी के वीडियो क्लिप के साथ पोस्ट किया, 'टीम हार रही है और वह डांस कर रहे हैं। ये बेशर्मी हैं, वहीं एक अन्य ने कटाक्ष किया, 'यशस्वी एक ही मैच में 7 कैच टपकाने के बाद खुशी से नाच रहे हैं। इंग्लैंड को उन्होंने अपने बल पर जीतने में सहायता की।'

वहीं एक प्रशंकस ने कहा कि अगर अभी रोहित शर्मा कप्तान होते तो यशस्वी को थप्पड़ लग गये होते। वहीं कुछ लोगों को कहना कि अगर इसमें भारतीय टीम जीतती तो कैच छोड़ने पर भी यशस्वी की आलोचना नहीं होती इस टेस्ट में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 471 रन बनाए। इसके बाद इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 465 रन बनाए। भारत की दूसरी पारी में 364 रन बनाये। मेजबान इंग्लैंड ने जीत के लिए मिले 372 रनों के लक्ष्य को बेन डकेट और जैक क्रॉली के विकेट के लिए 188 रन की साझेदारी की सहयता से हासिल कर लिया।

नीरज ने ओस्ट्रावा गोल्डन इस्पाइक एथलेटिक्स में स्वर्ण जीता

ओस्ट्रावा (एजेंसी)। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने चेक गणराज्य में हुए 64वें ओस्ट्रावा गोल्डन इस्पाइक एथलेटिक्स एथलेटिक्स टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता है। नीरज ने पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता में अपने तीसरे प्रयास में 85.29 मीटर भाला फेंककर पहला स्थान हासिल किया। वहीं दक्षिण अफ्रीका के डौव स्मिट 84.12 मीटर भाला फेंककर दूसरे जबकि ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 83.63 मीटर भाला फेंककर तीसरे स्थान पर रहे।

नीरज की यह सत्र की तीसरी जीत रही। इससे पहले वह पोटचेफ्स्ट्रूम (दक्षिण अफ्रीका) में

84.52 मीटर भाला फेंककर और पेरिस डायमंड लीग - में 88.16 मीटर भाला फेंककर पहले स्थान पर रहे थे। इस सत्र में नीरज अब तक एक बार ही 90 मीटर के आंकड़े तक पहुंच पाये हैं। डोहा डायमंड लीग में नीरज ने पहली बार 90.23 मीटर भाला फेंककर 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था पर वह जूलियन वेबर 91.06 मीटर से पिछड़ गये। पोलैंड के जानुस कुशोचिंस्की मेमोरियल में नीरज 84.14मीटर भाला फेंककर एक बार फिर वेबर 86.12 मीटर से पिछड़ गये।

अब नीरज बेंगलुरु में अगले माह एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का इवेंट आयोजित कर रहे हैं। इसमें वह दुनिया भर के शीर्ष स्तर के भाला फेंक खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा करेंगे। ये भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक इवेंट होगा। इस इवेंट का आयोजन जेएसडब्ल्यू स्पोर्टस एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और विश्व एथलेटिक्स मिलकर करेंगे। नीरज इस इवेंट के जरिये अपने प्रदर्शन को और निखारना चाहेंगे।

टीम नहीं जीती तो व्यक्तिगत उपलब्धियों का मतलब नहीं : गंभीर

लीड्स (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के दो शतक को लेकर कहा कि अगर टीम जीत नहीं पाती है तो व्यक्तिगत उपलब्धियों का कोई मतलब नहीं रह जाता। वहीं जब उनसे इंग्लैंड के हाथों पहले टेस्ट में मिली हार के बीच भी सकारात्मक बातों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सबसे अहम परिणाम होता है जो टीम अपने पक्ष में नहीं ला पायी। वहीं गंभीर से जब ऋषभ के दो शतकों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा ,''तीन और शतक बने थे। ये सब सकारात्मक बातें हैं।''

वहीं मैच के सकारात्मक पहलुओं के बारे में पूछने पर गंभीर ने कहा ,''अगर आप कहते कि यशस्वी जायसवाल ने शतक जमाया और शुभमन गिल ने कप्तान के तौर पर पहले ही मैच में शतक लगाया तो मुझे अच्छा लगता। इसके अलावा केएल राहुल ने भी शतक लगाया और ऋषभ ने दो शतक लगाये। एक टेस्ट में पांच शतक बड़ी बात है। यह सवाल बेहतर हो सकता था।'' कोच ने कहा कि अगर टीम हारती है तो व्यक्तिगत उपलब्धियां काम नहीं आतीं। उन्होंने हालांकि कहा ,''ये सब सकारात्मक पक्ष हैं। जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट लिये पर अंत में तो टीम हार ही गयी।'' उन्होंने कहा , ''व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छी बात है। हमें शीर्ष छह से बड़ी पारियां चाहिये थी पर अंत में तो हम टेस्ट मैच जीत नहीं सके। अब हमें इससे सीख लेकर आगे बढ़ना होगा।''

भारत के 9 वर्षीय खिलाड़ी ने विश्व नम्बर 1 मैग्नस कार्लसन को ड्रॉ पर रोका

नई दिल्ली । दिल्ली के नौ वर्षीय आरित कपिल एक प्रमुख ऑनलाइन मंच पर आयोजित 'अर्ली टाइटल्ड ट्यूजडे' शतरंज टूर्नामेंट में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराने के करीब पहुंच गए थे लेकिन आखिर में उन्हें ड्रॉ पर संतोष करना पड़ा। हाल ही में अंडर-9 राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में उप-विजेता रहे आरित ने पांच बार के विश्व चैम्पियन कार्लसन को हार के कगार पर पहुंचा दिया था लेकिन समय समाप्त होने और घड़ी में केवल कुछ सेकंड बचे होने के कारण यह युवा भारतीय खिलाड़ी अपनी बढ़त को भुनाने में असमर्थ रहा और उसे ड्रॉ पर मजबूर होना पड़ा। आरित ने जॉर्जिया के अपने होटल से इस प्रतियोगिता में भाग लिया, जहां वह वर्तमान में अंडर-10 विश्व चैंपियनशिप में खेल रहे हैं। इस बीच भारत के वी प्रणव ने 11 में से 10 अंक लेकर 'अर्ली टाइटल्ड ट्यूजडे' का खिताब जीत लिया। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हैंस मोके नीमन और कार्लसन दोनों ने 9.5 अंक हासिल किए, लेकिन नीमन ने टाईब्रेक में दूसरा स्थान हासिल किया।

भारत के निचले क्रम को दो बार आउट करना निर्णायक रहा : बेन स्टोक्स

लीड्स । इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने पहले टेस्ट में भारत पर मिली पांच विकेट से जीत का श्रेय अपने गेंदबाजों को दिया है जिन्होंने भारत के निचले क्रम को दो बार आउट किया। जीत के लिए 371 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और जैक क्रॉली ने पहले विकेट के लिए 188 रन की साझेदारी की। स्टोक्स ने हालांकि कहा कि मैच का पलड़ा उसी समय उनके पक्ष में हो गया था जब इंग्लैंड के गेंदबाजों ने भारत को बड़ा स्कोर बनाने से रोका। उन्होंने मैच के बाद कहा, 'यह बल्लेबाजी के लिए अच्छी विकेट थी। बड़े स्कोर से इसका पता चलता है। लेकिन मैच का निर्णायक पल यही था कि हमने दो बार भारत के निचले क्रम को आउट कर दिया। इसी वजह से हम उन्हें बड़ा स्कोर बनाने से रोक पाए और विशाल लक्ष्य नहीं मिला जिसे पाना मुश्किल हो जाता। हमने उन्हें 450-500 से आगे नहीं जाने दिया जो वह एक समय बनाते दिख रहे थे।' भारत ने पहली पारी में आखिरी छह विकेट 41 रन के भीतर गंवा दिए और दूसरी पारी में भी आखिरी छह विकेट 34 रन के भीतर गिर गए। स्टोक्स ने कहा, 'जीत के लिए 371 रन के लक्ष्य के जवाब में अच्छी शुरूआत चाहिए थी। ऐसे में विकेट बचाकर खेलना जरूरी था। डकेट और जैक ने जिस तरह से खेला, वह काबिले तारीफ है। दोनों एक दूसरे के पूरक बनकर खेले। दाहिने, बाएं हाथ के बल्लेबाजों के संयोजन के सामने गेंदबाजों को मुश्किल हुई होगी।'

ऋषभ इस सीरीज के अंत तक तोड़ सकते हैं द्रविड़ का रिकार्ड : मांजरेकर

लीड्स (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार से ऋषभ खेल रहे हैं। उससे वह इस सीरीज के अंत तक इंग्लैंड में सबसे ज़्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन सकते हैं। अभी ये रिकाउ राहुल द्रविड़ के नाम है। ऋषभ ने पहले टेस्ट की दोनो ही पारियों में शतक लगाये हैं। इससे ऋषभ के इंग्लैंड में टेस्ट शतकों की संख्या 4 हो गई है, जो द्रविड़ 6 शतक से सिर्फ 2 कम है, और मांजरेकर को लगता है कि सीरीज में चार टेस्ट शेष रहने पर वह इंग्लैंड में सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बनने के लिए पूर्व कप्तान की बराबरी कर सकते हैं या उनसे आगे निकल सकते हैं।

उन्होंने कहा, ऋषभ इस टेस्ट टीम में विकेटकीपर के रूप में भारत की पहली

और आखिरी पसंद हैं। अब अगर आप संख्याओं को देखें तो इंग्लैंड में टेस्ट में भारतीयों द्वारा सबसे अधिक 6 शतक साथ द्रविड़ सबसे आगे हैं। अचानक आपके पास उसी विशिष्ट वर्ग में ऋषभ का नाम है। उन्होंने कहा, आपके पास केएल राहुल हैं और आपके पास ऋषभ हैं। कौन जानता है, जब तक यह सीरी समाप्त होगी, ऋषभ द्रविड़ की बराबरी कर सकते हैं या उनसे आगे भी निकल सकते हैं। इस सीरीज में अभी चार टेस्ट मैच होने हैं जो कि ऋषभ के लिए संभावित रूप से 8 पारियां हैं। उन्होंने पहले ही लगभग शानदार शुरुआत कर दी है। ऋषभ दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 118 रन बनाकर आउट हो गए। केएल राहुल ने पहली पारी में बल्ले से भी प्रभावशाली रहे, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने दूसरी पारी में शतक लगा दिया। ऋषभ और राहुल ने चौथे विकेट के लिए 195 रन जोड़े, जो इंग्लैंड में टेस्ट मैच की दूसरी पारी के दौरान चौथे विकेट के लिए भारत की अब तक की सबसे बड़ी साझेदारी है।

राहुल के योगदान और तकनीक के बारे में बात करते हुए मांजरेकर ने कहा, केएल की एकमात्र आलोचना निरंतरता है जो महानता का एक महत्वपूर्ण पैमाना है। लेकिन बल्लेबाजी तंत्र पर वह लगभग दोषरहित है। चाहे ऑस्ट्रेलिया हो, दक्षिण अफ्रीका हो, इंग्लैंड हो या न्यूजीलैंड, उनकी तकनीक में कोई स्पष्ट कमजोरी नहीं दिखती। यही कारण है कि वह सेना देशों में सफल हैं, पांच टेस्ट शतकों के साथ एशियाई सलामी बल्लेबाजों में सुनील गावस्कर के बाद दूसरे स्थान पर हैं।

आईसीसी रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंचे ऋषभ

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंच गये हैं। ऋषभ को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में दो शतक लगाने से लाभ हुआ है। इससे वह एक स्थान के लाभ के साथ ही सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऋषभ के अभी 801 रेटिंग अंक हैं। यह उनके करियर की सबसे अच्छी रेटिंग है। उन्होंने लीड्स टेस्ट की पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन बनाए थे। भारतीय टीम कप्तान शुभमन गिल को भी शतक लगाने से लाभ हुआ है और पांच स्थान ऊपर आये हैं। शुभमन ने 147 रन बनाये थे जिससे अब वह 20 वें नंबर पर पहुंच गये हैं। भारत के यशस्वी जायसवाल ने भी पहले टेस्ट में शतक लगाया था। जिससे वह चौथे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को बल्लेबाजों की सूची में पांच स्थान का लाभ हुआ है। इससे डकेट अब आठवें पायदान पर पहुंच गए हैं। डकेट की 149 रनों की पारी से इंग्लैंड को जीत मिली। डकेट ने पहली पारी में अर्धशतक लगाया था।

हीली अभी नहीं लेंगी संन्याय

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली ने कहा है कि अभी उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है और वह इसी साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के बाद भी खेलती रहेंगी। 35 साल की इस क्रिकेटर ने कहा है कि वह साल 2026 में भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज तक तो रहेंगी ही। हीली पिछले साल से ही लगातार चोटों से परेशान रही हैं, टी20 विश्व कप के दौरान उनके पैर में स्ट्रेस फ्रेक्चर भी हुआ था। इसके बाद घुटने में दर्द के कारण उन्हें कई मैचों से बाहर होना पड़ा। हीली ने माना है कि पहले वह इस साल भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के बाद संन्यास लेने का सोच रहीं थीं पर अब उनका इरादा बदल गया है। हीली ने कहा, '' मेरे संन्यास लेने की तारीख बदल गई है। फिटनेस में आ रही परेशानी के कारण मैं अब भी शायद जितना सोचा था, उससे थोड़ा अधिक करना चाहती हूं।'' वह ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से की घरेलू मैदान पर एशेज जीत के दौरान कुछ मैच खेलीं पर फिट नहीं होने के कारा न्यूजीलैंड के दौरे और भारत में महिला प्रीमियर लीग में भाग नहीं ले पाईं। हीली ने कहा, ''कभी-कभी जीवन में ऐसी चीजें होती हैं जो हरे और सुनहरे रंग की जर्सी पहनने से थोड़ी अधिक अहम होती हैं। इसलिए यह केवल आंकलन है।''

शुभमन गिल ने पहले टेस्ट में हार की वजह बताई, इन खिलाड़ियों पर निकाली भड़ास

लीड्स । भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में पांच विकेट से मिली हार के बाद स्वीकार किया कि निचले क्रम के बल्लेबाजों से रन नहीं बन पाना हार का अहम कारण रहा। उप-कप्तान ऋषभ पंत ने दोनों पारियों में शतक जमाया जबकि गिल, यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने भी शतक बनाये लेकिन भारत दोनों पारियों में अपेक्षित बड़ा स्कोर नहीं बना सका और कई अहम कैच भी छूटे। पहली पारी में एक समय स्कोर तीन विकेट पर 359 रन रहने के बाद पूरी टीम 471 रन पर आउट हो गई। दूसरी पारी में भी आखिरी छह विकेट 77 रन के भीतर गिर गए। गिल ने मैच के बाद कहा, 'यह शानदार टेस्ट मैच था। हमारे पास मौके थे लेकिन हमने कैच छोड़े और निचले क्रम से भी रन नहीं बने। लेकिन टीम पर गर्व है और कुल मिलाकर अच्छा प्रयास था। कल हम 430 के करीब रन बनाकर पारी घोषित करने की सोच रहे थे लेकिन निचले क्रम पर रन नहीं बनने से मुश्किल हो गई।' उन्होंने कहा, 'हमने निचले क्रम के योगदान पर बात की लेकिन यह इतनी जल्दी (विकेटों का पतन) हो गया। हमें आने वाले मैचों में इसमें सुधार करना होगा।' उन्होंने कैच छूटने पर अपने क्षेत्ररक्षकों का बचाव करते हुए कहा, 'इस तरह की विकेटों पर आसानी से मौके नहीं मिलते। यह युवा टीम है और सीख रही है। उम्मीद है कि इन पहलुओं पर आगे बेहतर प्रदर्शन होगा।' गिल ने कहा कि दो जुलाई से बर्मिंघम में होने वाले दूसरे टेस्ट में समय है और जसप्रीत बुमराह को लेकर मैच से पहले फैसला लिया जाएगा। बुमराह की उपलब्धता पर पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'हम मैच दर मैच देखेंगे। दूसरे टेस्ट के करीब आने पर फैसला लिया जाएगा।'

शुभमन गिल की मैदान पर आभा रोहित और विराट जैसी प्रभावशाली नहीं : इंग्लैंड के पूर्व कप्तान

लीड्स (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के शुरूआती टेस्ट में पांच विकेट से शिकस्त मिलने के बाद भारत के नए कप्तान शुभमन गिल की रणनीति की आलोचना के बीच पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा कि 'मैदान पर उनमें रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसा आभा नहीं दिखी।' भारत को इस मैच में पांच शतकीय पारियों के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड ने मंगलवार को मैच के पांचवें दिन 371 रन का लक्ष्य पांच विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। टीम ने इसके साथ ही श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली।

रोहित शर्मा के बाद कप्तान के रूप में अपने पहले टेस्ट में गिल को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा और हुसैन ने कहा कि यह युवा खिलाड़ी कप्तान के तौर पर 'सक्रिय होने के बजाय प्रतिक्रिया दे रहा' था। हुसैन ने कहा, 'मैंने देखा कि कोई तरीका ढूंढने की कोशिश कर रहा था। उसके (गिल) पास मैदान पर रोहित और (विराट कोहली) जैसी आभा नहीं दिखी। मुझे लगा कि वह सक्रिय होने के बजाय प्रतिक्रिया दे रहा था।'

उन्होंने कहा, 'जब रोहित और कोहली टीम की कप्तानी कर रहे थे तब आपको देख कर ही समझ आ जाता था कि कौन नेतृत्व कर रहा है लेकिन इस मैच में मुझे लगा कि दो या तीन कप्तान है। ऐसा लगा जैसे एक समिति टीम का नेतृत्व कर रही है।' हुसैन ने कहा कि भारत मैच इसलिए हार गया क्योंकि गिल दो चीजों (कैच छोड़ना और निचले क्रम के बल्लेबाजों का घुटने टेकना) को नियंत्रित नहीं कर सके।

उन्होंने कहा, 'टीम की यह स्थिति मुझे चिंतित करती है। भारत के पास लंबे समय से रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल जैसे शानदार स्पिन-गेंदबाजी हरफनमौला रहे हैं। वे हालांकि इंग्लैंड में अब भी एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की तलाश कर रहे हैं जो बल्लेबाजी कर सके।' इंग्लैंड के लिए 1990 से 2004 के बीच 96 टेस्ट खेलने वाले इस 57 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, 'भारतीय टीम अगर 31 रन पर छह विकेट और 41 रन पर सात विकेट गंवाते रही तो तो इस श्रृंखला का परिणाम जल्दी तय हो जाएगा।'

भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि गिल ने 'उनसे जितना अपेक्षित था, उससे कहीं अधिक किया है।' शास्त्री ने कहा, 'इस परिणाम के बावजूद कोचिंग स्टाफ के लिए इस मैच में कई सकारात्मक पहलू है। गिल ने एक कप्तान के रूप में उससे कहीं अधिक किया है, जितना अपेक्षित था।' शास्त्री ने कहा, '' उन्होंने अपने पहले टेस्ट में शतक बनाया। खिलाड़ियों का कैच छोड़ना उसके नियंत्रण में नहीं है।'

गिल ने भारत की पहली पारी में 471 रन के कुल स्कोर में 147 रन बनाए। उन्होंने दूसरी पारी में आठ रन बनाए। शास्त्री ने कहा, 'भारत के लिए इस हार को पचा पाना मुश्किल होगा। आप अक्सर ऐसी स्थिति में नहीं आते और वहां से हार मान लेते हैं। उनके पास इंग्लैंड को मुकाबले से बाहर करने के कई मौके थे।' शास्त्री ने कहा, 'उन्हें सीखना होगा और उन्हें निचले क्रम के बल्लेबाजों से अधिक सहयोग की जरूरत है। आपको अपने विकेट की कीमत को समझना होगा।'

पूर्व भारतीय हरफनमौला ने यह भी कहा कि टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दो जुलाई से बर्मिंघम में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में खेलना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर वह आराम की सोच रहे थे तो आपको दो बार सोचना पड़ सकता है। बुमराह अगर उस मैच को नहीं खेलते हैं और आप 2-0 से पिछड़ जाते हैं तो वापसी करना काफी कठिन होगा।' मैच की पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले बुमराह की योजना इस श्रृंखला में तीन मैच खेलने की है। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का भी मानना है कि भारत के पास

टेस्ट जीतने के मौके थे लेकिन उन्होंने उन्हें गंवा दिया। ब्रॉड ने कहा, 'जब आप इस तरह का टेस्ट मैच जीतते हैं तो यह एक शानदार एहसास होता है। भारत के पास इस मैच को नियंत्रित करने के कई मौके थे।' उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड ने बस संघर्ष किया और कड़ी टक्कर दी। लक्ष्य का पीछा करने के मामले में यह शानदार परिणाम था। डकेट ने शानदार प्रदर्शन किया। यह अविश्वसनीय है कि यह टीम लगातार ऐसा कर रही है।'